सुविचार

संस्कृति का सामूहिक चेतना, मानसिक शील और मनोभावों से मौलिक संबंध है।

–जयशंकर प्रसाद

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Raveena Tandon Rejected...

Ranchi ● Friday, 07 November 2025 ● Year : 03 ● Issue : 289 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

पहले फेज की वोटिंग के दौरान गरजे एनडीए और महागठबंधन के नेता, दूसरे चरण को लेकर तेज हुई चुनावी जंग

बिहार में भारी बहुमत से फिर एक बार बनेगी एनडीए की सरकार : पीएम

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 VS

बिहार के युवाओं को सीएम नीतीश कुमार ने बना दिया मजदूर : राहुल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भागलपुर में चुनावी जनसभा को किया संबोधित

जहां करप्शन, वहां नहीं मिलता सामाजिक न्याय

पीएम ने कहा कि जहां कट्टा, क्रूरता का राज हो, वहां कानून दम तोड़ देता है। जहां कटुता बढ़ाने वाली राजद और कांग्रेस हो, वहां समाज में सद्भाव मुश्किल होता है। जहां राजद और कांग्रेस का कुशासन हो, वहां विकास का नामो-निशान नहीं होता है। जहां करप्शन हो, वहां सामाजिक न्याय नहीं मिलता, ऐसे लोग कभी भी बिहार का भला नहीं कर सकते। पीएम ने कहा कि घुसपैठिए हमारे प्रयासों के सामने एक बड़ी चुनौती है। सरकार घुसपैठियों की पहचान कर रही है और उन्हें देश से बाहर निकालने के लिए काम कर रही है।

PURNIYA @ PTI :

गुरुवार को बिहार में पहले फेज की वोटिंग के बीच पीएम मोदी ने नवादा और भागलपुर में जनसभाएं की। भागलपुर में उन्होंने कहा कि एक बार फिर भारी बहुमत से बिहार में नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि आज पहले चरण का मतदान हो रहा है। बिहार की माताएं और बेटियां बड़ी संख्या में मतदान कर रही हैं, ताकि राष्ट्रीय जनता दल के जंगलराज को आने से रोका जा सके। पीएम ने कहा कि, आरजेडी के पोस्टर में कांग्रेस के नामदार की कहीं तस्वीर लगी है। इन दोनों पार्टियों में ही तनातनी चल रही है। कांग्रेस के नामदार बिहार आना भी नहीं चाहते थे, लेकिन इनको जबरदस्ती लाया गया है। इससे पहले पीएम मोदी ने अररिया में कहा था कि 2014 में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद बिहार के विकास में तेजी आई।

पूर्णिया में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने चुनावी जनसभा को किया संबोधित

महीनों की मेहनत के बाद लीक हो जाता है पेपर

बिहार का युवा सपना देखता है कि इंजीनियर बनूंगा, डॉक्टर बनूंगा। महीनों की मेहनत के बाद परीक्षा के एक दिन पहले पेपर लीक हो जाता है और बिहार का ईमानदार युवा देखता रह जाता है। राहुल ने कहा- नीतीश कुमार कहते हैं कि 20 साल में बिहार को बदल दिया, लेकिन मैं पूछता हूं कि क्या बिहार में अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य मिल सकता है। बिहार के अस्पतालों में लोग जीने नहीं, मरने जाते हैं। दूसरी तरफ पीएम मोदी खड़े हैं। पीएम के हाथ में नीतीश का रिमोट है।

PURNIYA @ PTI :

गुरुवार को पूर्णिया के कसबा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि, बिहार में 20 साल से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री है, लेकिन वे बिहार के युवाओं को मजदूर बना दिया है। बिहार में उद्योग के लिए जमीन नहीं है, लेकिन अडानी के लिए सरकार के पास जमीन है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि, हरियाणा का चुनाव वोट चोरी करके जीता गया। हरियाणा के वोटर लिस्ट में दो बूथ में एक महिला का चेहरा 200 बार दिखाया गया। दूसरी महिला का 100 बार। हजारों लोग यूपी में वोट करते हैं। वहीं हरियाणा में वोटिंग करते हैं। ब्राजील की एक महिला हरियाणा की वोटर हैं, उसने वहां वोट दिया। महाराष्ट्र, हरियाणा और लोकसभा चुनाव में वोट चोरी करने के बाद बिहार में 'वोट चोरी' करने की कोशिश की जा रही है।

वोटरों में दिखा उत्साह, 1314 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद, 14 को आएंगे नतीजे

बिहार में फर्स्ट फेज की 121 विस सीटों पर डाले गए वोट, 64.46 प्रतिशत हुई वोटिंग

SHARE

सेंसेक्स	:	83,311.01
निफ्टी	:	25,509.70

SARAFA

सोना	:	11,325
चांदी	:	164

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

फिलीपींस में तूफान ने ली 241 लोगों की जान

NEW DELHI : फिलीपींस में आए 'कालमेगी' तूफान से जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाओं ने कई घर उजाड़ दिए। तूफान के कारण अब तक 241 लोगों की मौत हो गई है। आपदा एजेंसी ने गुरुवार को बताया कि मध्य क्षेत्रों में तबाही मचाने वाले इस तूफान ने वियतनाम की ओर बढ़ते हुए फिर से ताकत हासिल कर ली है। वियतनाम के जिया लाई प्रांत में अधिकारियों ने भारी बारिश और विनाशकारी हवाओं की चेतावनी दी है, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ आ सकती है और कृषि गतिविधियां बाधित हो सकती हैं। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने गुरुवार को आपातकाल की घोषणा कर दी है। इस साल देश में यह सबसे घातक प्राकृतिक आपदा आई है। तूफान के कारण मध्य प्रांतों में कम से कम 241 लोगों की मौत हो गई।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से दी शिकस्त

NEW DELHI : गुरुवार को गोल्ड कोस्ट के कैरारा में खेले गए चौथे टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 48 रन से हराकर पांच मैच की श्रृंखला में 2-1 की बढ़त बनाई। अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर की उम्दा गेंदबाजी से भारत ने 168 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की टीम वाशिंगटन सुंदर (तीन रन पर तीन विकेट), अक्षर पटेल (20 रन पर दो विकेट) और शिवम दुबे (20 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 18.2 ओवर में 119 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान मिचेल मार्श (30) ही 30 रन के आंकड़े को छू पाए। नाथन एलिस (21 रन पर तीन विकेट) और एडम जंपा (45 रन पर तीन विकेट) ने इससे पहले अंतिम ओवरों में भारत को लगातार झटके दिए जिससे एक समय दो विकेट पर 121 रन बनाकर अच्छी स्थिति में दिख रही मेहमान टीम आठ विकेट पर 167 रन ही बना सकी।

AGENCY PATNA :

गुरुवार को बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग खत्म हो गई। सुबह 7 से शाम 6 बजे तक वोटिंग हुई। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विनोद सिंह गुंजियाल ने बताया कि शाम 6 तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 3.75 करोड़ मतदाताओं में करीब 64.46 प्रतिशत ने मतदान किया। उन्होंने बताया कि यह आंकड़ा कुल 45,341 मतदान केंद्रों में से 41,943 केंद्रों से प्राप्त सूचनाओं पर आधारित है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान शांतिपूर्ण और निष्पक्ष माहौल में संपन्न हुआ। कुछ स्थानों पर छिटपुट घटनाओं के अलावा कहीं से कोई बड़ी गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली। पिछली बार 2020 में 56.9 प्रतिशत मतदान हुआ था। निर्वाचन आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, पहले चरण में शामिल 18 जिलों में से बेगूसराय में सबसे अधिक 67.32 प्रतिशत मतदान दर्ज किया। मधेपुरा (65.74 प्रतिशत), समस्तीपुर (65.65 प्रतिशत), मुजफ्फरपुर (65.23 प्रतिशत) और गोपालगंज (64.96 प्रतिशत) में भी मतदान उत्साहजनक रहा। अपेक्षाकृत सबसे कम मतदान शेखपुरा (52.36 प्रतिशत), इसके बाद भोजपुर (53.24 प्रतिशत) और मुंगेर (54.90 प्रतिशत) में हुआ। आंकड़ों के अनुसार, राजधानी पटना में 55.02 प्रतिशत और नालंदा में 57.58 प्रतिशत मतदान हुआ।

- सबसे अधिक बेगूसराय में 67.32% और शेखपुरा में सबसे कम 52.36% वोटिंग
- राजधानी पटना में 55.02 और नालंदा में 57.58 प्रतिशत मतदान
- 18 जिलों में सुबह 7 से शाम 6 तक हुई वोटिंग अतिसंवेदनशील 56 बूथों पर शाम 5 बजे तक मतदान
- पिछली बार साल 2020 में 56.9 प्रतिशत हुआ था मतदान

मतदाताओं की देखी गई लंबी कतारें

सहरसा में (62.65), दरभंगा (58.38), सीवान (57.41), सारण (60.90), वैशाली (59.45), खगड़िया (60.65), लखीसराय (62.76) और बक्सर में 55.10 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। सुबह सात बजे से शुरू हुआ मतदान शांतिपूर्ण रहा और कई स्थानों पर ग्रामीण इलाकों के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में भी मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं। पहले फेज की वोटिंग खत्म होने के साथ ही 1314 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई। दूसरे फेज की वोटिंग 11 नवंबर को खत्म होने के बाद 14 नवंबर को नतीजे आएंगे।

नाव पर सवार होकर वोट डालने पहुंचे लोग

नालंदा के मुसहरी गांव में वोट बहिष्कार, बूथ संख्या 280 पर नहीं पड़े वोट

नालंदा जिले के हरनौत प्रखंड की डिहरी पंचायत स्थित मुसहरी गांव में ग्रामीणों ने अंडरपास निर्माण की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार किया। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान गुरुवार को गांव के आंगनबाड़ी केंद्र में बने बूथ संख्या 280 पर एक भी वोट नहीं डाला गया। अतिसंवेदनशील 56 बूथों पर शाम 5 बजे तक ही वोटिंग हुई। बिहार में शहरी वोटर में वैसा उत्साह नहीं दिखा। 121 सीटों में से 3 सीटों पर सबसे कम वोटिंग देखी गई।

वोटिंग के दौरान की बड़ी घटनाएं

लखीसराय : डिप्टी सीएम की गाड़ी पर हमला हुआ। राजद एमएलसी अजय सिंह से भिड़े विजय सिन्हा।

पटना : मनेर में आईडी चेक करने पर राजद उम्मीदवार भाई वीरेंद्र ने दरोगा को धमकाया। कहा- यहीं आग लगा देंगे।

वैशाली : राजद उम्मीदवार रविंद कुमार सिंह के भड़काने पर लोगों ने सीएपीएफ जवानों पर पत्थर फेंके।

दरभंगा : सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र में पोलिंग एजेंट को धमकी मिली। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस पर पथराव हुआ। 2 हिरासत में।

सारण : जैतपुर में मांझी सीट से सीपीआई प्रत्याशी सत्येंद्र कुमार की गाड़ी पर ईंट-पत्थर, लाठी से हमले किए गए।

सीवान, दरभंगा और मुजफ्फरपुर के 8 बूथों पर मतदान का बहिष्कार किया।

चुनावी सभा में गांडेय की विधायक ने कहा- वोट के माध्यम से दें रामदास सोरेन को श्रद्धांजलि

झामुमो प्रत्याशी को जिताएं, होंगे कई नए कार्य : कल्पना

PHOTON NEWS GHATSHILA :

घाटशिला विधानसभा के उपचुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। इसी कड़ी में गुरुवार को झामुमो की स्टार प्रचारक व गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन ने जनसभा की। दोपहर लगभग 3 बजे दामपाड़ा क्षेत्र के गंधानिया हाट मैदान में कहा कि इस क्षेत्र से आपका बेटा, आपका भाई, झामुमो और महागठबंधन के प्रत्याशी सोमेश सोरेन को अपना आशीर्वाद देकर विधानसभा पहुंचाएं। पूर्व मंत्री रामदास सोरेन के पुत्र सोमेश सोरेन उनके अधूरे कार्य को पूरा कर सकें, इसके लिए उन्हें अपना आशीर्वाद देकर स्व. रामदास सोरेन को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करें। उन्होंने कहा कि आपका बेटा हेमंत सोरेन सर्वजन पेंशन योजना से लोगों के आंसू पोंछने का काम किया है। झारखंड सरकार द्वारा 18 से 49 वर्ष तक की बहन-बेटियों को मंईयां सम्मान योजना से जोड़कर उनके चेहरे पर मुस्कान लाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा द्वारा पीएम आवास योजना की राशि बंद हो जाने के कारण हेमंत सरकार ने अबुआ आवास योजना शुरू किया, जिससे सैकड़ों परिवार को आवास दिया जा रहा है।

घाटशिला विस उपचुनाव | **दामपाड़ा क्षेत्र के गंधानिया हाट मैदान में जनसभा**

मुसाबनी में बनाया जाएगा इंजीनियरिंग कॉलेज

घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में रामदास सोरेन द्वारा किए गए कार्यों के अलावा अधूरे कार्य को पूरा करना होगा, जिसमें पं. रघुनाथ मुर्मू संथाली विश्वविद्यालय, मुसाबनी में इंजीनियरिंग कॉलेज सहित अन्य कई काम चुनाव के बाद शुरू किए जाएंगे। संथाली विश्वविद्यालय भारत का दूसरा जनजातीय विश्वविद्यालय बनेगा। उन्होंने कहा कि 11 तारीख को पहले मतदान, फिर दाका-जोम (जलपान) करें। जनसभा में राज्यसभा सांसद महुआ माजी, राज्य के मंत्री दीपक बिरुवा, विधायक सविता महतो, सांसद जोबा मांझी सहित काफी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

तदाशा मिश्रा बनीं झारखंड की नई प्रभारी डीजीपी

RANCHI : झारखंड कैडर के 1994 बैच की आईपीएस तदाशा मिश्रा को राज्य का प्रभारी डीजीपी बनाया गया है। इस संबंध में गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने गुरुवार की रात अधिसूचना जारी कर दी। वह वर्तमान में झारखंड पुलिस के गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग में विशेष सचिव के पद पर कार्यरत हैं। इससे पहले सरकार ने पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता के इस्तीफे को स्वीकार कर लिया। इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया गया। गौरतलब है कि तदाशा मिश्रा को हाल ही में रेल एडीजी के पद से स्थानांतरित कर गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखंड पुलिस में विशेष सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। वह दिसंबर 2025 में सेवानिवृत्त होंगी। वह पहले भी कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुकी हैं, जिनमें झारखंड सशस्त्र पुलिस (जैप) की एडीजी और रेल एडीजी जैसे पद शामिल हैं।

- 1994 बैच की आईपीएस हैं तदाशा, अगले माह होंगी सेवानिवृत्त
- पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता का इस्तीफा मंजूर होने के बाद की गई नई नियुक्ति

जिला परिषद का बड़ा बाबू ₹65000 रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

PHOTON NEWS LATEHAR :

गुरुवार को एसीबी (एंटी करप्शन ब्यूरो) की टीम ने जिला परिषद कार्यालय के बड़ा बाबू संतोष सिंह को 65 हजार रुपये घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि शिकायतकर्ता संतोष पांडेय उर्फ बबलू पांडेय ने एसीबी को बताया था कि बड़वागड़हा पंचायत में दो वर्ष पहले पूरा हो चुके कार्य का टाइम एक्सटेंशन काटने के लिए बड़ा बाबू संतोष सिंह ने 65 हजार रुपये रिश्वत मांगी है। शिकायतकर्ता बबलू पांडेय ने जब रिश्वत देने से इनकार कर दिया और इसकी सूचना पलामू प्रमंडल कार्यालय की एसीबी टीम को दी। एसीबी ने मामले की जांच में आरोप सही पाए जाने पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम-2018 के तहत मामला दर्ज किया। गुरुवार को दंडाधिकारी और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में एसीबी ने संतोष सिंह को संतोष उर्फ बबलू पांडेय से 65 हजार रुपये लेते ही दबोच लिया।

- दो वर्ष पहले पूरा हो चुके कार्य का टाइम एक्सटेंशन काटने के लिए मांगी थी घूस
- शिकायतकर्ता ने इनकार कर पलामू प्रमंडल कार्यालय की टीम को दी थी सूचना

रांची के पूर्व डीसी राय महिमापत रे के खिलाफ पीई दर्ज

RANCHI : रांची के पूर्व डीसी और फिलहाल केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर गए आईएसएस अधिकारी राय महिमापत रे के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने प्रिलिमनरी एंक्वायरी (पीई) यानी प्रारंभिक जांच दर्ज कर ली है। वित्तीय अनियमितता के मामले में पीई दर्ज करने के लिए एसीबी ने राज्य सरकार से अनुमति मांगी थी। जानकारी के अनुसार, अनुमति मिलने के बाद एसीबी ने राय महिमापत रे के विरुद्ध अपनी प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। राय 2011 बैच के झारखंड कैडर के आईएसएस अधिकारी हैं। वह वर्ष 2018 के फरवरी महीने में रांची के डीसी बने थे। वर्ष 2020 के जुलाई महीने तक रांची डीसी के पद पर थे। फिलहाल वह वर्ल्ड बैंक में सीनियर डिजिटल डेवलपमेंट स्पेशलिस्ट के पद पर हैं।

न्यू स्टडी | सामान्य भोजन से ही मस्तिष्क सहित शरीर के अन्य अंगों को मिलती है ऊर्जा

दिमागी सेहत की मजबूती के लिए स्पेशल डाइट जरूरी

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

चिकित्सकों और पोषण विशेषज्ञों के अनुसार, मानव शरीर के सभी अंगों को कार्य करने के लिए ऊर्जा की आवश्यकता होती है, जो सामान्य रूप से भोजन से प्राप्त होती है। संतुलित आहार में प्रोटीन, काबोर्हाइड्रेट, वसा विटामिन, मिनरल्स और पानी को शामिल किया जाता है। इनका अनुपात असंतुलित रहने पर स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हमारे शरीर में मस्तिष्क का विशेष स्थान होता है। मस्तिष्क की संरचना, उसके विकास और कार्य प्रणाली की प्रक्रिया अन्य अंगों की तुलना में अलग होती है। इसलिए इसकी सेहत की डिमांड भी अलग होती है। हाल में हुए रिसर्च से यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि दिमाग की सेहत की मजबूती के लिए सामान्य भोजन से अलग कुछ खास डाइट की आवश्यकता होती है। हालांकि सामान्य भोजन से मस्तिष्क सहित शरीर के अन्य अंगों को ऊर्जा मिलती है। नेशनल जियोग्राफिक की प्रीमियम साइंस रिपोर्ट में बताया गया है कि कुछ खाद्य पदार्थ सीधे मस्तिष्क के विकास, याददाश्त, ध्यान और उम्र के साथ संज्ञानात्मक क्षमता को मजबूत रखते हैं।

संतुलित आहार के अनुपात में गड़बड़ी से स्वास्थ्य पर पड़ता है नकारात्मक प्रभाव

संपूर्ण शरीर को भोजन से प्राप्त कुल ऊर्जा का 20% तक उपयोग करता है दिमाग

- मस्तिष्क की संरचना और कार्य प्रणाली के कारण अलग है इसके स्वास्थ्य की डिमांड
- मानव शरीर के कुल वजन का लगभग दो प्रतिशत हिस्सा होता है मस्तिष्क
- न्यूरोसाइंस विशेषज्ञों की लेटेस्ट रिपोर्ट में ब्रेन फूड की दी गई है विस्तृत जानकारी

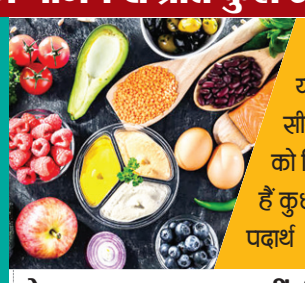

मस्तिष्क की याददाश्त और सीखने की क्षमता को नियंत्रित करते हैं कुछ विशेष खाद्य पदार्थ

ब्रेन फूड महज कहावत नहीं, सिद्ध सच्चाई

शीर्ष न्यूरोसाइंस विशेषज्ञों की इस ताजा वैज्ञानिक रिपोर्ट में यह विस्तार से बताया गया है कि ब्रेन फूड महज कहावत नहीं, बल्कि सिद्ध सच्चाई है। शोध में पाया गया है कि कुछ विशेष खाद्य पदार्थ मस्तिष्क के निर्माण, उसकी याददाश्त, सीखने की क्षमता और उम्र के साथ उसकी गिरावट को धीमा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

थकान और तनाव दूर करने में भूमिका

विशेषज्ञों के अनुसार, मानव मस्तिष्क शरीर के कुल वजन का केवल लगभग 2 प्रतिशत हिस्सा है। लेकिन, यह शरीर की ऊर्जा का करीब 20 प्रतिशत तक उपयोग कर लेता है। यही कारण है कि सामान्य खान-पान से ऊपर जाकर दिमाग को ऐसे पोषक तत्वों की आवश्यकता पड़ती है, जो न्यूरॉन की संरचना मजबूत रखें और दिमागी थकान व तनाव को कम करें। शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में बताया है कि ओमेगा-थ्री फैटी एसिड, विटामिन के, फोलेट, कोलीन और एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूर खाद्य पदार्थ दिमाग के लिए सबसे उपयोगी माने जाते हैं। ताजा रिपोर्ट में यह महत्वपूर्ण बात बताई गई है कि भारतीय भोजन में कई ऐसे तत्व स्वाभाविक रूप से शामिल हैं, जिनके महत्व की जानकारी आधुनिक विज्ञान दे रहा है। सरसों और पालक जैसे हरे साग, तिल और अलसी, मूंगफली, दही-छाछ, बादाम-अखरोट और रोहू जैसी देसी मछलियां दिमाग को शक्ति देती हैं।

नदी में डूबे युवकों की तलाश करते गोताखोर ● फोटोन न्यूज

दामोदर नदी में डूबे युवकों की तलाश जारी, 4 शव बरामद

AGENCY DHANBAD :
कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को धनबाद-बोकारो फोरलेन स्थित तेलमच्चो पुल के नीचे दामोदर नदी में हुए हादसे में मृतकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। जानकारी के अनुसार अबतक स्थानीय गोताखोरों की मदद से चार युवकों का शव नदी से बाहर निकाला जा चुका, जबकि दो युवकों की तलाश अब भी जारी है। घटना के संबंध में अबतक मिली जानकारी के अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर 10 युवकों की दो अलग-अलग टोली तेलमच्चो स्थित दामोदर नदी में पुण्य स्नान करने पहुंची थी। पहली घटना मे बाघमारा स्थित भीमकनाली से आए 5 युवक बुधवार को स्नान के लिए नदी में उतरे और तेज धारा में बहने लगे। वहां मौजूद स्थानीय ग्रामीणों ने उनमें से तीन युवकों को बचाकर नदी से बाहर निकाला, लेकिन दो युवक सुमित राय (17) और सनी चौहान (21) नदी की तेज धारा में बह गए। लापता लापता युवकों के पिता बीसीसीएल कर्मी बताए जाते हैं। वहीं बुधवार को भूली ए ब्लॉक के 5 युवक विजय यादव, रोहित उर्फ छोटू, रोहन उर्फ गोलू, प्रियांशू और अनीश दो अलग-अलग बाइक पर सवार होकर तेलमच्चो स्थित दामोदर नदी में स्नान करने पहुंचे थे। इनमें से चार युवक प्रियांशू नामक दोस्त को अपना सामान और कपड़े देकर नदी में स्नान करने चले गए। काफी देर बाद तक उनके नहीं लौटने पर प्रियांशू ने उन्हें ढूंढना शुरू किया, लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला। इसके बाद प्रियांशू ने इसकी सूचना अपने परिजनों को दी। बाघमारा के सीओ गिरजानंद किस्कू ने बताया कि भीमकनाली और भूली के कुल 6 युवक नदी की तेज धारा में लापता हुए थे। इनमें से अबतक 4 युवकों का शव स्थानीय गोताखोरों की मदद से बाहर निकाला जा चुका है। 2 युवकों की तलाश जारी है।

दो भाजपा कार्यकर्ताओं की सड़क दुर्घटना में मौत, पांच अन्य घायल

रामरेखा मेला से लौटते समय बोलेरो को ट्रक ने मारी टक्कर, जख्मी रिम्स में भर्ती

AGENCY KHUNTI :
खूंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग पर पोकला गांव के पास गुरुवार तड़के करीब साढ़े चार बजे हुई सड़क दुर्घटना में बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के सक्रिय सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो कार्यकताओं की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल को गए। घायलों को रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में भर्ती करवाया गया है।
सिमडेगा के रामरेखा मेला से लौटने के दौरान यह हादसा हुआ। पुलिस के अनुसार, सड़क हादसे के मृतकों की पहचान अनुज कुमार मांझी (गजगांव निवासी) तथा हांसा निवासी शिवदत्त मांझी के रूप में हुई है, जबकि घायलों में गजगांव निवासी प्रभाष मांझी, रेवा निवासी अमित महतो और चंद्रू राम तथा जुरदाग निवासी सुनील कुमार शामिल हैं। इन चारों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर किया गया है। वहीं, बांदे निवासी रंजीत महतो को प्राथमिक उपचार के बाद खूंटी अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस की ओर सभी आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। आम्रेश्वर धाम प्रबन्ध समिति के महामंत्री मनोज कुमार और समिति के अन्य सदस्यों तथा भाजपा संगठन ने दोनों कार्यकर्ताओं के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। संगठन के सदस्यों ने कहा कि इस कठिन घड़ी में वे शोक-संतप्त परिवारों के साथ खड़े हैं। साथ ही ईश्वर से प्रार्थना की गई कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें और उनके परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति दें।

मृतक अनुज मांझी और शिवदत मांझी की फाइल फोटो

बनारस गया पलामू का युवक गंगा में डूबा

PALAMU : पाटन थाना क्षेत्र के उतकी गांव निवासी 24 वर्षीय यतीश पांडेय का शव बुधवार को बनारस में गंगा नदी से बरामद किया गया। यतीश रविवार को गंगा स्नान के दौरान डूब गया था। तीन दिनों से गोताखोरों की टीम उसकी तलाश में जुटी थी। जानकारी के अनुसार, यतीश अपनी मां का इलाज कराने के लिए इंटरसिटी एक्सप्रेस से बनारस गया था। वहां मां-बेटे दोनों गंगा स्नान करने गए, लेकिन स्नान के दौरान यतीश गहरे पानी में चला गया और डूब गया। शव मिलने के बाद यतीश के परिजन बनारस पहुंचे और वहीं अंतिम संस्कार किया। यतीश अपने परिवार का इकलौता पुत्र था। उसके पिता सुशील पांडेय का निधन लगभग 12 वर्ष पहले हो चुका था। अब परिवार में उसकी वृद्ध दादी, मां और दो बहनें हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर बताई जा रही है। यतीश बीए करने के बाद नौकरी की तैयारी कर रहा था। ग्रामीणों के अनुसार, यतीश के दादा और पिता दोनों का निधन भी कम उम्र में हुआ था।

BRIEF NEWS

शराब की खेप बिहार ले जाते एक गिरफ्तार

DUMKA : बिहार में खपाने जा रहे अवैध शराब की बड़ी खेप पिकअप वैन में लदे शराब को जब्त करते हुए जिला के काठीकुंड पुलिस ने एक को गिरफ्तार करते हुए गुरूवार को जेल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपी वाहन का चालक जामताड़ा थाना क्षेत्र के उदलबानी गांव निवासी लखन महतो है। जानकारी के अनुसार काठीकुंड पुलिस को एक गुप्त सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग का महिंद्रा पिकअप वाहन से अवैध शराब लादकर काठीकुंड की ओर लाया जा रहा है। इसके बाद पदाधिकारी को सूचित करने के बाद इंस्पेक्टर विजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में पुलिस चांदनी चौक पहुंच जांच में जुट गई। पुलिस को शिकारीपाड़ा- काठीकुंड रोड में वाहन जांच के दौरान शिकारीपाड़ा की ओर से सफेद रंग का महिंद्रा पिकअप आते हुए दिखा। जांच के बाद पुलिस ने पिकअप वाहन (जेएच-10 बीजी 3014) में भारी मात्रों में अवैध शराब की खेप को बरामद किया। पूछताछ के दौरान चालक ने बताया की गाडी में सब्जी लोड है। जांच करने पर पिकअप में लोड सामग्री की जांच में पाया गया कि सब्जी के खाली प्लास्टिक के कैरेट के नीचे में बहुत सारा बंद कार्टून है।

जेल में बंद सासाराम के राजद प्रत्याशी को बेल

GARHWA : बिहार के सासाराम विधानसभा क्षेत्र से राजद प्रत्याशी सत्येंद्र साह को गुरुवार को जमानत मिल गई। जिला एवं सत्र न्यायाधीश-3 शिवनाथ त्रिपाठी की अदालत ने जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए रिहा करने का आदेश दिया। बता दें कि सत्येंद्र साह पर वर्ष 2004 में गढ़वा थाना क्षेत्र अंतर्गत एक बैंक से 10 लाख कैश लूटने का मामला दर्ज था, जिसमें स्थायी वारंट निर्गत हुआ था। इस मामले में रोहतास जिला के करहगर थाना की पुलिस ने सत्येंद्र साह को उस समय गिरफ्तार किया था, जब वे 20 अक्टूबर को सासाराम विधानसभा सीट के लिए नामांकन कर निवार्ची पदाधिकारी के कार्यालय से निकल रहे थे। इसके बाद करहगर थाना की पुलिस ने सत्येंद्र साह को गढ़वा पुलिस के सुपुर्द कर दिया था। इसके बाद गढ़वा पुलिस ने उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया था।

रेलवे ट्रैक किनारे से मिला नवजात का शव

PALAMU : जिले के मोहम्मदगंज में रेलवे ट्रैक के किनारे झाड़ियों से बुधवार शाम को मिली नवजात बच्ची के शव मामले में गुरूवार को अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज की गयी। शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। इस घटना को लेकर लोगों में भारी आक्रोश है। स्थानीय लोगों ने ऐसे मामलों में शामिल आरोपियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि मोहम्मदगंज रेलवे ट्रैक किनारे झाड़ियों में एक नवजात बच्ची का शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। राहगीरों ने जब झाड़ियों के बीच कुछ संदिग्ध देखा, तो पास जाकर देखा कि वहां एक मासूम बच्ची निर्जीव पड़ी थी। दृश्य देखकर हर किसी की आंखें नम हो गईं।

पलामू पुलिस ने चलाया अभियान

61 वारंटों का निष्पादन, 60 वांटेड अपराधी हुए गिरफ्तार

PALAMU : पलामू की जिला पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ 4-5 नवंबर को बड़ा अभियान चलाया, जिसमें 60 अपराधी गिरफ्तार किए गए। डीजीपी के निर्देश पर एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि इस अभियान के दौरान जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने 60 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया, 61 वारंटों का निष्पादन किया और 6 स्थायी वारंटों को भी पूरा किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य न्यायालय से निर्गत वारंटों एवं कुर्की आदेशों का निष्पादन करना और अपराधियों पर अंकुश लगाना रहा। एसपी ने अभियान में शामिल पुलिस पदाधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्रवाई जिले में अपराध नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि ऐसे अभियान नियमित रूप से चलाए जाएं, ताकि फरार अभियुक्तों और वार्रंटियों पर कड़ी कार्रवाई की जा सके। जनता में सुरक्षा और विश्वास का माहौल और मजबूत बने। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि अपराध नियंत्रण में जनसहभागिता को बढ़ाया जा सके।

रंगरेलियां मनाते गिरफ्तार हुआ पुलिस पदाधिकारी

GUMLA : गुमला में पुलिस एसोसिएशन का सचिव मनोज पासवान रंगरेलियां मनाते हुए गिरफ्तार किया गया है। वह बुधवार की देर रात एक महिला कांस्टेबल के साथ अपने कुम्हार मोड़ स्थित क्वार्टर में था। पुलिस ने दोनों को रंगरलियां मनाते रंगेहाथ पकड़ा और थाने ले आई। बताया जाता है कि मनोज पासवान 2017 से एक महिला पुलिसकर्मी के संपर्क में था, जिसके पति की मौत उग्रवादी हिंसा में हुई थी। मनोज ने खुद को अविवाहित बताते हुए उसे शादी का झांसा दिया और अनुकंपा के तहत नौकरी दिलाने का भरोसा दिलाया। 2018 में महिला की पुलिस विभाग में अनुकंपा पर नियुक्ति भी हो गई। इसके बाद दोनों के बीच शारीरिक संबंध बनने लगे। पीड़िता का आरोप है कि मनोज पासवान उसे शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाता रहा। लेकिन, कुछ दिनों बाद वह दूसरी महिला सहायक पुलिसकर्मी से नजदीकी बढ़ाने लगा। जब उसे इसका पता चला, तो उसने विरोध किया। इसे लेकर यदा-कदा झगड़े भी हुए। बुधवार की रात को तंग आकर महिला ने पुलिस अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद पुलिस टीम ने क्वार्टर पर छापेमारी कर दी।

पुलिस पर हमला मामले में तीन नामजद सहित 100 से अधिक अज्ञात पर प्राथमिकी

सतबरवा में स्टोन माइंस के उद्घाटन के दौरान हुई थी घटना

AGENCY PALAMU :
जिले के सतबरवा प्रखंड अंतर्गत लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के रेवारातू में स्टोन माइंस के उदघाटन कार्यक्रम में पुलिस पर किए गए हमले को लेकर तीन नामजद सहित 100 से अधिक अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है। इस संबंध में मजिस्ट्रेट संजीत कुमार के बयान पर गुरूवार को सरकारी कार्य में बाधा डालने, हमला करने और अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। नामजद आरोपितों में रेवारातू गांव के भीम सिंह, विकास कुमार सिंह और उदेश्वर राम शामिल हैं। लेस्लीगंज थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय ने इसकी पुष्टि की है। उल्लेखनीय है कि रेवारातू गांव में बुधवार को पुलिस और प्रशासनिक टीम पर 100 से अधिक की संख्या में महिला-पुरूष ग्रामीणों ने हमला कर दिया था। प्रशासनिक टीम उच्च न्यायालय के आदेश के बाद स्टोन माइंस को चालू कराने के लिए पहुंची थी। ग्रामीण लंबे समय से स्टोन माइंस का विरोध कर रहे थे। कई स्तरों पर धरन प्रदर्शन भी किया था। इस बीच जब प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तो ग्रामीणों की भीड़ ने अचानक उन पर लाठी-डंडे, रॉड और पारंपरिक हथियारों से हमला कर दिया था। इस घटना में दो पुलिसकर्मी हवलदार महेन्द्र दुबे और अवधेश पासवान को सिर में चोट लगी थी, जबकि दो अन्य जवानों को हल्की चोट आयी थी। कई पुलिसकर्मी भी जख्मी हुए थे। दोनों जवानों का इलाज एमएमसीएच में किया गया था और उन्हें अस्पातल से छुट्टी दे दी गयी है।

घटना के दौरान आमने-सामने हुए ग्रामीण और पुलिस (फाइल फोटो)

आईआरबी जवान हत्याकांड के आरोपी हथियार संग गिरफ्तार

छठ के दिन मामूली विवाद में हुई थी अजय यादव की हत्या

AGENCY BOKARO :
छठ महापर्व के दिन 27 अक्टूबर को मामूली विवाद में आईआरबी जवान चास के यदुवंश नगर निवासी अजय यादव उर्फ सोनू की गोली मारकर हत्या करने वाले दोनों आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपितों में बलराम तिवारी उर्फ अंकित तिवारी (25) और सूरज कुमार उर्फ पप्पु कुमार (21) शामिल हैं। दोनों को धनबाद जिले से विशेष जांच दल (एसआईटी) ने गुप्त सूचना और तकनीकी निगरानी के आधार पर गिरफ्तार किया। एसडीपीओ चास प्रवीण कुमार सिंह ने गुरुवार को आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि बोकारो एसपी के निर्देश पर गठित टीम ने पांच नवंबर को धनबाद से दोनों को पकड़ा। आरोपितों की निशानदेही पर 7.65 एमएम की देशी पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की गई है।
जांच में खुलासा हुआ है कि मुख्य आरोपित बलराम तिवारी का आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ चास थाना में पूर्व से मामला दर्ज है। वहीं, सह-आरोपित सूरज कुमार उर्फ पप्पु कुमार के खिलाफ भी चास थाना में चोरी का मामला दर्ज है।

प्रेसवार्ता में जानकारी देते एसडीपीओ

अवैध लॉटरी गिरोह के पांच धंधेबाज गिरफ्तार

DHANBAD : गोविंदपुर थाना क्षेत्र के जंगलपुर गांव में पुलिस ने अवैध लॉटरी का धंधा करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ गुरुवार को किया है। इस दौरान पुलिस ने मौके से पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मोहमद शाहिद, शाहरुख खान, अकबर अली, कैसर अंसारी और मोहमद जानू के रूप में हुई है जो सभी देवघर जिले के निवासी बताए गए हैं। सूचना मिलने पर वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गोविंदपुर थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से करीब 50 लाख रुपये के लॉटरी टिकट, 11 हजार 650 पार्सल प्लास्टिक पैक टिकट, दो लैपटॉप, तीन प्रिंटर, कई मोबाइल फोन, दो स्टेपलर मशीन और एक मोटरसाइकिल जब्त की है। वहीं, इस संबंध में गुरुवार को डीएसपी-1 शंकर कामती ने जानकारी देते हुए कहा कि सभी आरोपित बड़े स्तर पर अवैध लॉटरी टिकटों की छपाई, पैकिंग और सप्लाई का काम करते थे।

शिक्षा विभाग ने उन्मुखीकरण कार्यशाला का किया आयोजन

कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि

LOHARDAGA : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में गुरुवार को जिला मध्य विद्यालय के नोडल शिक्षकों एवं उच्च विद्यालय के शारीरिक शिक्षकों का उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य अमृता सिन्हा ने कहा कि पोक्सो एक्ट, सुरक्षित बालिका, स्वस्थ बालिका अत्यंत संवेदनशील विषय है, जिसपर शिक्षकों की सम्पूर्ण जानकारी बेहद जरूरी है। सिर्फ छात्रों के साथ पाठ्य पुस्तकों की जानकारी देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य एवं सुरक्षा जैसे विषयों पर बेहतर समझ रखना अनिवार्य है। जेसीईआरटी रांची की ओर से जारी एसओपी के अनुरूप प्रतिभागियों के साथ पॉस्को एक्ट पर व्यापक चर्चा, कानूनी प्रावधन जागरुकता, पर डालसा के इन्द्राणी कुजूर एवं नारायण साहू ने विशेष रूप से चर्चा किया। प्रश्नोत्तरी सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों की आशंकाओं का समाधान किया गया। महिला थाना प्रभारी जेनी सुधा तिग्गा ने भी सुरक्षित बालिका विषय पर विविध कानूनी प्रावधानों पर चर्चा की गयी।

पहल निःशुल्क सर्जरी के साथ लेंस, दवा व नाश्ता-भोजन भी दिया जा रहा मुफ्त

सदर अस्पताल में शुरू हुआ मोतियाबिंद ऑपरेशन

PHOTON NEWS DHANBAD:
मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए इंतजार कर रहे जरूरतमंद मरीजों के लिए अच्छी खबर है। सदर अस्पताल में मोतियाबिंद का ऑपरेशन शुरू हो गया है। इससे भी बड़ी बात है कि मोतियाबिंद का ऑपरेशन तो निःशुल्क किया ही जा रहा है, लेंस और दवा के साथ तीनों टाइम का नाश्ता-भोजन भी मुफ्त दिया जा रहा है। यह ऑपरेशन आयुष्मान भारत योजना के तहत किए जा रहे हैं। खबर मिलते ही गुरुवार को ओपीडी में कई मरीजों ने जांच कराई। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से शुरू की गई इस व्यवस्था में सदर अस्पताल का सहयोग नारायण फाउंडेशन कर रहा है। ऑपरेशन टीम का नेतृत्व डॉ. प्रदीप कुमार कर रहे हैं। पहले सरकारी स्तर पर केवल मेडिकल कॉलेज में मोतियाबिंद का ऑपरेशन होता था, लेकिन यहां नंबर आने में काफी समय लगता था। अब सदर अस्पताल में यह सुविधा शुरू होने से दूरदराज के ग्रामीणों सहित शहर के भी जरूरतमंद मरीजों को राहत हुई है।

मरीज का ऑपरेशन करते डॉक्टर ● फोटोन न्यूज

हर दिन खुली रहती है ओपीडी

नेत्र सर्जन डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में लेंस के लिए अलग से पैसे लगते हैं, जबकि सदर अस्पताल में मरीजों से कोई पैसा नहीं लिया जाता है। इसके साथ ही उन्हें लेंस और दवा भी मुफ्त मिल रही है। इसके लिए मरीज को सबसे पहले ओपीडी में आंखों की जांच करनी होगी। ओपीडी हर दिन सुबह 9 बजे से शाम 3 बजे तक खुला रहता है। ओपीडी में ऑपरेशन के योग्य मरीजों को चिह्नित किया जाता है।

सभी प्रभारी व सहिया को दिए गए निर्देश

मोतियाबिंद ऑपरेशन शुरू होने को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी और क्षेत्र की सहिया को निर्देश दिए गए हैं। उन्हें मोतियाबिंद के मरीजों की पहचान करके सदर अस्पताल भेजने को कहा गया है। मोतियाबिंद को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाया जा रहा है।

सदर अस्पताल में निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन हो रहा है। जहां भी ऐसे मरीज मिलें, उन्हें अस्पताल भेजा जा सकता है। आयुष्मान भारत के तहत उन्हें सभी सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है।

– डॉ आलोक विश्वकर्मा, सिविल सर्जन, धनबाद

एटीएम मशीन में फंसा कार्ड, हेल्पलाइन नंबर पर फोन करते ही कटे पैसे

RAMGARH : रामगढ़ में एक ऐसा गिरोह इन दिनों सक्रिय है जो एटीएम में फर्जी हेल्प लाइन नंबर चिपका कर ग्राहकों को चूना लगा रहे हैं। जब ग्राहक एटीएम से पैसे निकालने जाते हैं तो कार्ड मशीन में फंस जाता है। इसके बाद ग्राहक परेशान होकर सामने लिखे हेल्प लाइन नंबर पर कॉल करते है। कॉल के बाद गिरोह के लोग अपना काम शुरू कर देते है। कुछ ही देर में वे एकाउंट खाली कर देते हैं। ऐसा ही मामला गुरुवार को देखने को मिला। इस संबंध में भुक्तभोगी अरगड्डा कठुआ बेड़ा निवासी अंजू कच्छप पति संदीप उरांव ने रामगढ़ थाना में आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई है। आवेदन में कहा है कि वे अपने बच्चे के इलाज कराने के लिए रामगढ़ आई थी और शहर के मेन रोड स्थित यूनियन बैंक के एटीएम मशीन से पैसे निकालने के लिए पहुंची। जैसे ही एटीएम मशीन में अपना कार्ड डाला तो वह फंस गया। इसके बाद हेल्पलाइन नंबर पर फोन किया, तो देखते ही देखते पहले 25 हजार और दूसरी बार 22,500 रुपए की निकासी हो गई। इधर, पुलिस शिकायत के बाद मामले की छानबीन में जुट गई है।

'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर धनबाद में आज होगा भव्य आयोजन

भाजपा के कार्यक्रम में पूर्व सांसद पीएन सिंह होंगे मुख्य अतिथि

AGENCY DHANBAD :
राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में भारतीय जनता पार्टी धनबाद जिला महानगर की ओर से 7 नवंबर को एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।
यह कार्यक्रम धनबाद के उत्सव भवन में दोपहर तीन बजे से शुरू होगा, जिसकी शुरूआत सामूहिक रूप से वंदे मातरम के गायन से की जाएगी। इसके साथ ही आत्मनिर्भर भारत विषय पर युवा एवं महिला सम्मेलन भी आयोजित होगा।
कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह (पी.एन. सिंह) शामिल होंगे। वहीं मंच पर धनबाद जिला महानगर अध्यक्ष श्रवण राय सहित कई सांसद, विधायक एवं गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण राय ने बताया कि वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में पूरे देशभर के 150 जिलों में और झारखंड के पांच स्थानों पर यह आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत वंदे मातरम के गायन से होगी और लगभग 10 से 15 राष्ट्रीय गीतों का सामूहिक गायन किया जाएगा। पूर्व सांसद पी.एन. सिंह ने कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारतवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।
इसके 150 वर्ष पूरे होने पर भाजपा ने पूरे देश में इसे उत्सव के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। धनबाद में भी यह कार्यक्रम भव्यता और उत्साह के साथ संपन्न किया जाएगा।

पत्रकारों को जानकारी देते पीएन सिंह व अन्य ● फोटोन न्यूज

झारखंड में बढ़ा खून-खराबा व सड़क लूट का खौफ, चोरी की रफ्तार धीमी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में अपराध के स्वरूप में पिछले कुछ महीनों में बड़ा बदलाव देखा गया है। झारखंड सीआईडी द्वारा जारी किए गए नवीनतम आंकड़े राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर कई महत्वपूर्ण संकेत दे रहे हैं। रिपोर्ट में यह स्पष्ट रूप से सामने आया है कि राज्य के विभिन्न जिलों में हत्या, अपहरण और सड़क लूट जैसी गंभीर आपराधिक घटनाओं में इजाफा हुआ है। वहीं दूसरी ओर, डकैती, चोरी और वाहन चोरी के मामलों में थोड़ी गिरावट दर्ज की गई है। इन आंकड़ों का अध्ययन सीआईडी ने पिछले वर्ष और 2025 के जुलाई-अगस्त महीनों के बीच दर्ज आपराधिक मामलों के तुलनात्मक विश्लेषण के बाद किया है। सीआईडी ने अपने रिपोर्ट में कहा है कि वर्ष 2025 के जुलाई और अगस्त महीने में हत्या और अपहरण के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार, इन दो महीनों में अपहरण, हत्या, सड़क लूट और रेप के मामलों में पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2024 के जुलाई-अगस्त की तुलना में 2025 में हिंसक अपराधों का ग्राफ ऊपर गया है। यह बात कानून व्यवस्था के लिए एक चुनौती के रूप में देखी जा रही है।

सीआईडी रिपोर्ट ने खोली अपराध की डायरी, कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर कई महत्वपूर्ण संकेत दे रहे नवीनतम आंकड़े

पिछले वर्ष व 2025 के जुलाई-अगस्त महीनों के बीच दर्ज आपराधिक मामलों के तुलनात्मक विश्लेषण का किया गया अध्ययन

- विभिन्न जिलों में हत्या, अपहरण और रोड डकैती जैसी गंभीर आपराधिक घटनाओं में हुआ इजाफा
- डकैती, वाहन चोरी के मामलों में दर्ज की गई थोड़ी गिरावट
- वर्ष 2024 की तुलना में 2025 में हिंसक अपराधों का बढ़ा ग्राफ
- दो महीनों के भीतर हत्या की घटनाओं में लगभग 9 प्रतिशत की वृद्धि
- जुलाई और अगस्त महीने में सड़क लूट के मामलों में 20 से 50 प्रतिशत तक की वृद्धि

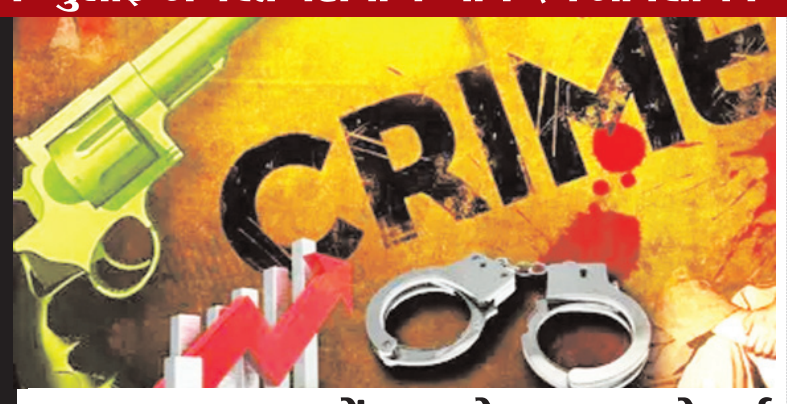

इस साल अगस्त में हत्या के 121 मामले दर्ज

सीआईडी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 के अगस्त महीने में हत्या के कुल 121 मामले दर्ज किए गए, जबकि जुलाई महीने में यह संख्या 116 रही। इसके मुकाबले, वर्ष 2024 के जुलाई महीने में हत्या के 108 मामले दर्ज हुए थे। यानी दो महीनों के भीतर हत्या की घटनाओं में लगभग 9 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। सीआईडी द्वारा तैयार की गई इस विस्तृत रिपोर्ट को गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को भेजा गया है। सूत्रों के अनुसार, पुलिस मुख्यालय जल्द ही इन आंकड़ों की विस्तृत समीक्षा करेगा। समीक्षा के दौरान उन जिलों की पहचान की जाएगी जहां हत्या और सड़क लूट जैसे मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

फिरौती के लिए अपहरण मामले में इस साल हुए 5 अधिक कांड

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि झारखंड में सड़क पर लूटपाट की घटनाओं में भी वृद्धि हुई है। सीआईडी के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई और अगस्त महीने में सड़क लूट के मामलों में 20 से 50 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि राज्य के बड़े शहरों के अलावा छोटे कस्बों और बाजार क्षेत्रों में भी देखी गई है। सीआईडी की रिपोर्ट में फिरौती के लिए किए जाने वाले अपहरण के मामलों में भी वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2024 के जुलाई और अगस्त महीने में जहां छह कांड सामने आए थे, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर ग्यारह हो गई। यानी इस श्रेणी के अपराधों में क्रमशः 25 प्रतिशत, 38 प्रतिशत और 25 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है। सीआईडी के अनुसार, वर्ष 2025 के जुलाई और अगस्त महीनों में चोरी और वाहन चोरी के मामलों में गिरावट दर्ज की गई है। आंकड़े बताते हैं कि अगस्त 2025 में वाहन चोरी के कुल 392 केस दर्ज हुए, जबकि जुलाई में 393 केस दर्ज किए गए। पिछले वर्ष की तुलना में यह आंकड़ा कम है। गृह भेदन यानी चोरी के मामलों में भी इस वर्ष कमी आई है। अगस्त 2025 में चोरी के 145 कांड दर्ज हुए, वहीं जुलाई में 192 केस दर्ज किए गए। जबकि वर्ष 2024 के इन्हीं महीनों में लगभग 400 चोरी के मामले सामने आए थे। सीआईडी की रिपोर्ट यह भी बताती है कि डकैती के मामलों में भी गिरावट दर्ज की गई है। वर्ष 2025 के जुलाई और अगस्त महीने में डकैती के मामलों में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 21 प्रतिशत की कमी आई है। पिछले साल जहां डकैती की घटनाएं कई जिलों में लगातार बढ़ रही थीं, वहीं इस वर्ष पुलिस की सक्रियता और गश्त व्यवस्था ने इन पर काफी हद तक नियंत्रण पाया है।

अपराध नियंत्रण को लेकर नई रणनीति

पुलिस मुख्यालय के सूत्रों का कहना है कि अपराध नियंत्रण के लिए जल्द ही नई रणनीति लागू की जाएगी। इसके तहत संवेदनशील इलाकों में सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई जाएगी, रात के समय गश्त और पेट्रोलिंग को सख्ती से लागू किया जाएगा, साथ ही मुखबिर तंत्र को भी और मजबूत किया जाएगा। रिपोर्ट यह भी इंगित करती है कि कई मामलों में पीड़ितों द्वारा समय पर सूचना न देने या प्राथमिकी दर्ज कराने में देरी के कारण अपराधियों को लाभ मिल जाता है। इसलिए सीआईडी ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी आपराधिक गतिविधि की जानकारी तुरंत स्थानीय पुलिस को दें।

BRIEF NEWS

भैरव सिंह को चुटिया केस में हाईकोर्ट से मिली बेल

RANCHI : हिंदूवादी नेता भैरव सिंह को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। गुरुवार को भैरव सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद उसे हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अम्बुज नाथ की कोर्ट ने बेल दे दी है। भैरव सिंह को 20-20 हजार के दो निजी मुचलके जमा करने की शर्त पर बेल मिली है। भैरव सिंह को जिस मामले में बेल मिली है, वह रांची के चुटिया थाना में हुए विवाद से जुड़ा है। इस संबंध में चुटिया थाना में कांड संख्या 125/2025 दर्ज की गई है। रांची सिविल कोर्ट ने 13 अगस्त को इस केस में भैरव सिंह को बेल देने से इनकार कर दिया था। जिसके बाद उसने हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी।

अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल ने गवर्नर को सौंपा ज्ञापन

RANCHI : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) सीजीएल परीक्षा पेपर लीक प्रकरण को लेकर राज्यभर के अभ्यर्थियों में रोष बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को अभ्यर्थियों का एक प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से राजभवन में भेंट कर इस प्रकरण से संबंधित कई गंभीर मुद्दों पर विस्तृत ज्ञापन सौंपा। अभ्यर्थियों ने राज्यपाल से मुलाकात के दौरान पेपर लीक मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि इस मामले ने न केवल राज्य की भर्ती प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि हजारों युवाओं के भविष्य को भी प्रभावित किया है।

रीजनल हेल्थ कॉन्फ्रेंस में एनएचएम के मिशन डायरेक्टर शशि प्रकाश झा बोले-

डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल होंगे अपग्रेड आईसीयू-सीसीयू की फैसिलिटी

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल्स में इलाज की सुविधा को अपग्रेड किया जा रहा है। आम जनता को गंभीर स्थिति में इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) और क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) के लिए अब मेडिकल कॉलेजों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। यह बातें गुरुवार को एनएचएम के मिशन डायरेक्टर शशि प्रकाश झा ने रीजनल हेल्थ कांफ्रेंस में कही। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्राइवेट अस्पतालों की तर्ज पर डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल्स को विकसित करने की योजना पर काम कर रही है। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग ने गवर्नमेंट हॉस्पिटल्स के बेहतरी के लिए तैयार किए गए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) को साझा किया और इस दिशा में जल्द कार्यान्वयन की रूपरेखा पर भी चर्चा की। विशेष सचिव डॉ. नेहा अरोड़ा ने कहा कि इस कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य झारखंड के सभी जिलों में आईसीयू व सीसीयू सेवाओं को प्रभावी और जवाबदेह बनाना है। अब जिला अस्पताल सिर्फ रेफरल सेंटर नहीं रहेंगे, बल्कि गंभीर मरीजों को स्थिर करने के साथ प्राथमिक उपचार देने में सक्षम बनेंगे।

रांची सदर अस्पताल के समान अन्य जिला अस्पतालों को किया जाएगा डेवलप

आईसीयू-सीसीयू हॉस्पिटल की जरूरत

कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञों ने बताया कि अब तक गंभीर मरीजों को आईसीयू और सीसीयू जैसी सुविधाओं के अभाव में मेडिकल कॉलेज या प्राइवेट अस्पतालों में रेफर किया जाता रहा है। इससे न केवल इलाज में देरी होती थी, बल्कि मरीजों और उनके परिवारों पर आर्थिक बोझ भी बढ़ता था। इसे ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने यह अहम निर्णय लिया है कि अब हर डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में आईसीयू और सीसीयू की सुविधा अनिवार्य रूप से विकसित की जाएगी। विभाग द्वारा तैयार एसओपी का मुख्य उद्देश्य है कि राज्य के सभी सरकारी हॉस्पिटल एक समान कुशलता और मानकों के साथ कार्य करें, ताकि मरीजों को हर जिले में समान स्तर की मेडिकल सर्विस मिल सके।

- गवर्नमेंट हॉस्पिटल्स के लिए विभाग ने तैयार किया एसओपी
- केवल आईसीयू और सीसीयू के लिए लोगों को मेडिकल कॉलेज की नहीं लगानी होगी दौड़

आधुनिक स्वास्थ्य उपकरणों की उपलब्धता

मिशन डायरेक्टर ने जोर देते हुए कहा कि अब सरकारी हॉस्पिटलों में इलाज केवल करना ही लक्ष्य नहीं होगा, बल्कि गुणवत्ता, त्वरित सेवा और आधुनिक स्वास्थ्य उपकरण भी उतने ही जरूरी होंगे। इसके लिए अस्पतालों में आईसीयू और सीसीयू यूनिट, ट्रेंड नर्सिंग स्टाफ, 247 इमरजेंसी सेवा, मॉडर्न लाइफ सपोर्ट सिस्टम, डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड सिस्टम जैसी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

रांची सदर हॉस्पिटल बना मॉडल

एनएचएम के मिशन डायरेक्टर शशि प्रकाश झा ने बताया कि सदर हॉस्पिटल रांची को मॉडल मानते हुए राज्य के सभी डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल को उसी तर्ज पर तैयार किया जाएगा। सदर में लागू की गई बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, डिजिटल रिकॉर्ड, ट्रीटमेंट प्रक्रिया और इमरजेंसी केयर को अब अन्य जिलों में भी अपनाया जाएगा। इससे मरीजों को बेहतर सुविधाएं अपने घरों के आसपास ही मिल जाएगी। साथ ही प्राइवेट हॉस्पिटलों में होने वाले खर्च से भी राहत मिलेगी। मिशन डायरेक्टर ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इस योजना का क्रियान्वयन चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। पहले चरण में उन जिलों के हॉस्पिटलों को प्राथमिकता दी जाएगी, जहां आबादी अधिक और मेडिकल कॉलेज की उपलब्धता कम है।

NEWS BOX

नैतिक शिक्षा और स्वास्थ्य पर दिया गया प्रशिक्षण

RANCHI : आनंद मार्ग महिला कल्याण विभाग रांची द्वारा श्रद्धानंद बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में यूथ कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 200 छात्राओं को ट्रांसफार्मिंग यूथ्स थ्रू सर्विस एंड स्प्रिचुअलिटी विषय पर सैद्धांतिक और व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। मुख्य प्रशिक्षक महिला कल्याण विभाग की मनीला सेक्टर की सेक्टोरियल सेक्रेटरी अवधुतिका आनंद चित्तप्रभा आचार्या ने नैतिक मूल्यों पर आधारित शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि केवल नैतिक शिक्षा से ही विश्व का कल्याण संभव है, जबकि अनैतिक व्यक्ति उच्च शिक्षा का दुरुपयोग करके समाज को संकट में डाल सकता है। सह प्रशिक्षक गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. करुणा शाहदेव ने स्वस्थ शरीर के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि हमारी संस्कृति और सात्विक आहार से ही एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो सकता है। कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग रांची की रीजनल सेक्रेटरी अवधुतिका आनंद स्नेहमया आचार्या ने बच्चों को एक लघु नाट्य के माध्यम से यम-नियम की शिक्षा दी। कार्यक्रम में मृदुला दीदी, चेतना, अनुपमा और द्रुतिका ने सहयोग किया। धन्यवाद ज्ञापन स्कूल के प्राचार्य एके मिश्रा ने किया।

अरुणोदय बी और साई करुणा ने जीते मैच

RANCHI : साईं करुणा प्रीमियर लीग में गुरुवार को दो मुकाबले खेले गए। पहले मैच में अरुणोदय बी ने आरएसए को 4 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अरुणोदय ने 124 रन बनाए। जवाब में आरएसए 20 ओवर में 120 रन बना पाई । अरुणोदय बी के तरफ से किशन राज ने 54 रन बनाएं। वहीं दूसरे मैच में साइ करुणा ने क्रिकिंगडम को 9 विकेट से हराया। क्रिकिंगडम 19 ओवर में मात्र 97 रन ही बना सकी। साईं करुणा ने 9.3 ओवर में ही जीत हासिल कर ली। साईं करुणा के तरफ से कृपा सिंधु ने 62 रनों की पारी खेली। क्रिकिंगडम के तरफ से अमृत राज ने 19 के पारी खेली।

हेमंत सरकार के खिलाफ प्रदेश भाजपा जारी करेगी आरोप पत्र, सात सदस्यीय समिति गठित

RANCHI : हेमंत सरकार पार्ट 2 के एक वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश भाजपा राज्य सरकार के खिलाफ आरोप पत्र जारी करेगी। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने इस संबंध में आरोप पत्र तैयार करने के लिए सात सदस्यीय आरोप पत्र समिति का गठन किया है। जिसमें झारखंड विधानसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक विधायक नवीन जायसवाल,प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री भानु प्रताप शाही,पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी,प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक,सह मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह,पूर्व सांसद एवं प्रवक्ता गीता कोड़ा तथा अंत्योदय के संपादक रविनाथ किशोर शामिल हैं। समिति की घोषणा करते हुए प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सांसद आदित्य साहू ने कहा कि जनता हेमंत सरकार की वादा खिलाफी, भ्रष्टाचार,ध्वस्त विधि व्यवस्था से त्रस्त है। प्रदेश भाजपा आरोप पत्र के माध्यम से हेमंत सरकार की नाकामियों को उजागर करेगी। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि हेमंत सरकार एक बार फिर किसान विरोधी फैसला लेने की तैयारी में है। धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर दिए जाने वाले बोनस में कटौती की योजना बनाई जा रही है।

रसूखदारों के लिए जेल में अय्याशी की पूरी व्यवस्था करा रही सरकार : बाबूलाल मरांडी

RANCHI : नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने जेल में रसूखदार कैदियों की अय्याशी पर राज्य सरकार को निशाने पर लिया है। कहा कि वायरल वीडीओ कोई मयखाना या डांस बार का नहीं, रांची होटवार सेंट्रल जेल का है। जेल में रसूखदार कैदियों के लिए अलग नियम है। क्योंकि, जेल में बंद रसूखदार कैदियों को पैसे के बल पर सभी तरह की सुविधाएं मिलती हैं। जेल में रसूखदार कैदियों के लिए कई खास वार्ड बने हुए हैं, इन वार्डों में रहने के लिए एंट्री फीस देनी पड़ती है। प्रत्येक माह तय रकम खर्च करने पड़ते हैं। कुछ नामचीन कैदी जेल विभाग के पदाधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से जेल में ऐशो-अय्याशी की पूरी व्यवस्था चलाते हैं। पैसे लेकर हर तरह के वैसे काम किए जाते हैं, जो जेल मैनुअल का उल्लंघन करते हों। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इन गतिविधियों के बारे में सरकार को कई बार आगाह भी किया था, लेकिन जेल में गैर कानूनी काम बंद नहीं हुए, बल्कि वीआईपी कैदियों की विशेष मेहमाननवाजी से इनकार कर इन पर अंकुश लगाने की कोशिश करने वाले एक अधिकारी रॉबर्ट निशांत बेसरा का ही तबादला कर दिया गया था। वीडियो वायरल होने पर दो कर्मचारियों को निलंबित कर खानापूर्ति कर ली गई है।

झारखंड सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले 23 नक्सलियों को दी आर्थिक सहायता

RANCHI : झारखंड सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले 23 नक्सलियों और उग्रवादियों को राज्य की आत्मसमर्पण नीति के तहत आर्थिक सहायता राशि प्रदान की है। गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की सचिव ने राशि आवंटन को लेकर आदेश दिया है। सरकार का यह कदम राज्य में नक्सलवाद को समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सरकारी प्रयासों और आत्मसमर्पण नीति की सफलता के कारण झारखंड में नक्सलवाद की समस्या 95 प्रतिशत तक खत्म हो चुकी है। अब राज्य में केवल पांच जिले ही नक्सल प्रभावित रह गए हैं, जिनमें गिरिडीह, गुमला, लातेहार, लोहरदगा और पश्चिमी सिंहभूम शामिल हैं। पूरे देश के पांच राज्यों के 12 सबसे अधिक नक्सल प्रभावित जिलों की सूची में झारखंड का केवल एक जिला (पश्चिमी सिंहभूम) शामिल है।

ऑपरेशन 'नारकोस' के तहत आरपीएफ ने बरामद किया 4 किलो गांजा, केस दर्ज

PHOTON NEWS RANCHI : रांची रेल मंडल में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रेल सुरक्षा बल को बड़ी सफलता मिली है। कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन 'नारकोस' के दौरान मुरी रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने लगभग 4 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 40 हजार रुपये बताई जा रही है। घटना 5 नवंबर देर शाम की है। आरपीएफ की फ्लाइंग टीम और पीसी मुरी के प्रभारी संजीव कुमार के नेतृत्व में मुरी स्टेशन पर सघन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर बोकारो दिशा की ओर पुराने गुड्स शेड के पास एक ब्लू रंग का पिट्ठू बैग लावारिस हालत में पाया गया। स्टेशन पर मौजूद यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों से पूछताछ की गई, लेकिन बैग का मालिक सामने नहीं आया। शक के आधार पर जब बैग की जांच की गई तो उसमें चार बड़े पैकेट मिले, जो भूरे रंग के प्लास्टिक में सील थे। गांजा होने की आशंका पर आरपीएफ ने तुरंत इसकी सूचना एएससी आरपीएफ रांची को दी। परीक्षण में पदार्थ के गांजा होने की आधिकारिक पुष्टि हुई। कानूनी कार्रवाई के बाद आरपीएफ टीम ने गांजे को जब्त किया और आगे की प्रक्रिया के लिए इसे जीआरपी मुरी को सौंप दिया। जीआरपी मुरी ने इस संबंध में एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं आरपीएफ ने यात्रियों से भी अपील कर रही है कि वे संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति दिखने पर तुरंत रेलवे हेल्पलाइन 139 पर सूचना दें।

महिला सुपरवाइजर पद को केवल इसी कैडर तक सीमित रखने पर फैसला सुरक्षित

PHOTON NEWS RANCHI : महिला सुपरवाइजरों की नियुक्ति मामले में आकांक्षा कुमारी सहित अन्य अभ्यर्थियों ने याचिका दायर याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। मामले में महाधिवक्ता राजीव रंजन, प्रार्थी एवं जेएसएससी की ओर से पक्ष रखा गया। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति आनंदा सेन की कोर्ट ने महिला सुपरवाइजरों का पद सिर्फ महिला कैडर के लिए हो सकता है या नहीं, इस पर फैसला सुरक्षित रखा है। कोर्ट ने नियुक्ति पर लगायी गयी रोक अगले आदेश तक के लिए बरकरार रखा है। इस पूर्व महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को बताया कि महिला सुपरवाइजरों का पद सिर्फ महिला कैडर के लिए ही निकाली गई है। क्योंकि इस पद के लिए टारगेटेड ग्रुप (गर्भवती महिला, नवजात शिशु को जन्म देने वाली महिला आदि) ही हैं। महिला सुपरवाइजरों का कार्य महिलाओं से ही जुड़ा हुआ है, इसलिए यह पद सिर्फ महिला कैडर के लिए ही बनाया गया है। देश के अन्य राज्यों में भी इसी तरह की व्यवस्था है। वही प्रार्थी की ओर से कहा गया कि नियुक्ति में किसी वर्ग को शत- प्रतिशत आरक्षण नहीं दिया जा सकता है। इसमें सिर्फ महिलाओं से आवेदन मांगा गया है। जेएसएससी के अधिवक्ता संजय पिपरवाल और प्रिंस कुमार ने पक्ष रखा वहीं प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स एवं अन्य ने पक्ष रखा। दरअसल, जेएसएससी ने बाल कल्याण विभाग में महिला सुपरवाइजर के 421 पदों पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी किया था।

सराहनीय काम बिना नाम, बिना परिजन, मुक्ति संस्था बनी हजारों आत्माओं की आखिरी पहचान

मानवता की मिसाल बनी 'मुक्ति', 2064 लावारिस शवों को दी अंतिम विदाई

PHOTON NEWS RANCHI : मौत के बाद दाह संस्कार एक परंपरा है, जो आम तौर पर परिजन निभाते हैं। लेकिन, जब किसी का कोई नहीं होता, तब समाज में कुछ ऐसे लोग हैं, जो बिना किसी रिश्ते-नाते के अनजान चेहरों को भी उसी श्रद्धा और विधि-विधान से अंतिम विदाई देते हैं। ऐसे लोग किसी देवदूत से कम नहीं। रांची की मुक्ति संस्था पिछले एक दशक से यही काम कर रही है। अबतक 2064 लावारिस शवों को 'मुक्ति' दिलाकर संस्था ने मानवता की मिसाल पेश की है। यह संवेदनशील पहल 2014 में रांची के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के मॉर्चरी से शुरू हुई। हजारीबाग के खालिद भाई नामक व्यक्ति ने इस मुहिम की नींव रखी। वे हर छह महीने में लावारिस शवों का अंतिम संस्कार किया करते थे। एक दिन वे रांची आए और स्थानीय युवाओं से मिले। विचार मिला, दिल जुड़ा और फिर मुक्ति संस्था का गठन हुआ। पहली बार संस्था ने रिम्स के डार्क रूम में पड़े पांच लावारिस शवों का विधिवत संस्कार किया। किसी ने नहीं सोचा था कि यह कदम एक दिन इंसानियत का बड़ा उदाहरण बन जाएगा।

2014 में रांची के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान के मॉर्चरी से की गई थी संवेदनशील पहल

हजारीबाग के खालिद भाई नामक व्यक्ति ने इस मुहिम की रखी थी नींव, अब बना बड़ा उदाहरण

नगर निगम और वन विभाग देते हैं सहयोग

आज रिम्स मोर्चरी की क्षमता 50 शवों की है। इनमें से जैसे ही 25 शव लावारिस घोषित होते हैं, मुक्ति संस्था आगे बढ़ती है। लकड़ी, सामग्री, और अन्य व्यवस्थाओं में करीब एक सप्ताह की तैयारी लगती है। रिम्स के कर्मचारी, नगर निगम और वन विभाग इस कार्य में सहयोग देते हैं। निगम ट्रैक्टर और फॉरेस्ट डिपार्टमेंट लकड़ी उपलब्ध कराता है। समाज के लोग भी वस्त्र, घी, या जो जरूरत हो, वह लेकर आते हैं। इस संस्था का कोई स्थाई सदस्य नहीं, कोई भी व्यक्ति इंसानियत के इस कार्य से जुड़ सकता है। यहां धर्म या जाति की दीवारें नहीं, बस मानवता है।

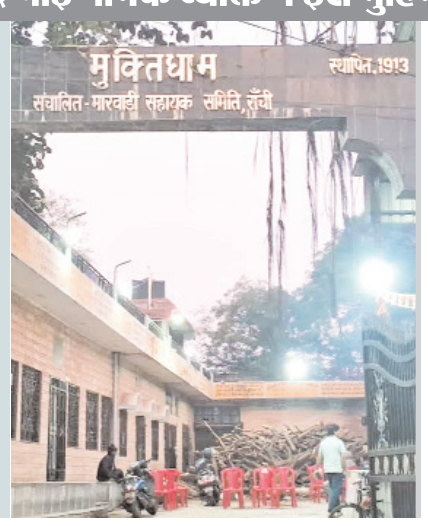

हर संस्कार में होता है श्रद्धा और अपनापन का भाव

अब तक 60 सामूहिक दाह संस्कार कार्यक्रम हो चुके हैं। संस्था ने 2064 लावारिस शवों का अंतिम संस्कार किया है। कई बार ऐसा भी हुआ कि दाह संस्कार के बाद परिजन पहुंच गए। संस्था के सदस्यों ने हर बार उन्हें ससम्मान स्वीकार किया है। इस कार्य में शामिल लोग कहते है, जब हम मुखाग्नि देते हैं, तो यह अहसास नहीं रहता कि यह लावारिस है। यह तो हमारे अपने समाज का हिस्सा है, बस किस्मत ने इनके साथ अन्याय किया। शुरूआती दिनों में यह काम बेहद कठिन था। न संसाधन, न पहचान। लेकिन धीरे-धीरे समाज ने इस संवेदनशील कार्य को समझा। अब जिला प्रशासन और पुलिस भी ऐसे मामलों में मुक्ति संस्था से समन्वय करती है। कई बार पुलिस ही शवों को रिम्स लाती है और संस्था को सूचना देती है। सरकार की मदद से अब लकड़ी, वाहन और आवश्यक सामग्री समय पर उपलब्ध हो जाती है। लेकिन संस्था के सदस्य प्रवीण लोहिया कहते हैं। यह सिर्फ सरकारी कार्य नहीं, यह इंसानियत का कार्य है। कोई भी व्यक्ति हमारे साथ जुड़ सकता है। इन सालों में मुक्ति सिर्फ एक संस्था नहीं रही, यह एक विचार बन गई है। कि हर आत्मा को सम्मान मिले, चाहे उसका कोई अपना हो या न हो। संस्था के एक सदस्य भावुक होकर कहते हैं, जब लपटें उठती हैं, हम आंखें बंद कर लेते है।

समाचार सार

टाटा स्टील का 'जोड़ा रन-ए-थॉन' 23 को

CHAIBASA : टाटा स्टील के ओएमक्यू डिवीजन द्वारा 23 नवंबर को 'जोड़ा रन-ए-थॉन' होगा। ओडिशा स्थित क्योंझर जिले के वैली टाउन जोड़ा में यह आयोजन सुबह 6 बजे सेंट्रल प्लेग्राउंड, जोड़ा से शुरू होगा। टाटा स्टील के अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि इसमें 3 प्रतिस्पर्धी दौड़ श्रेणियां शामिल हैं, जिसमें 10 हजार व 5 हजार रुपये सहित पुरस्कार के रूप में 5.67 लाख रुपये दिए जाएंगे। प्रत्येक धावक से एक-एक पौधा भी लगवाया जाएगा। ओएमक्यू के महाप्रबंधक अतुल कुमार भटनागर ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य समुदाय को एक साथ लाना, फिटनेस और पर्यावरण जागरूकता दोनों को बढ़ावा देना है। टाटा स्टील अपने परिचालन स्थानों जैसे जमशेदपुर, कोलकाता, नोवामुंडी और मेरामंडली में भी इस तरह का आयोजन करती है।

आधी नाली बनाकर लापता हो गया संवेदक

JAMSHEDPUR : मानगो के उलीडीह में गुरुदेव गार्डन के पास अधूरी नाली के निर्माण का दंश स्थानीय लोग झेल रहे हैं। नाली का निर्माण पूरा नहीं होने के कारण लोग बदबू और महामारी की आशंका में जी रहे हैं। इस मामले की जानकारी छात्रा मुस्कान कुमारी ने पूर्व भाजपा नेता विकास सिंह को दी। वहां पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने विकास सिंह को बताया कि मानगो नगर निगम द्वारा नाली बनाने का कार्य आरंभ किया गया था, लेकिन जहां समस्या नहीं थी, वहां कुछ दूर तक नाली बनाने के बाद संवेदक लापता हो गया। इसकी खोजखबर लेने भी निगम के अधिकारी नहीं आए। नतीजतन पानी का निकास नहीं होने के कारण सड़क पर नाली का पानी बह रहा है। विकास सिंह ने जब संबंधित अधिकारी से बात की, तो स्पष्ट जवाब नहीं मिला। विकास सिंह ने कहा कि निगम जल्द नाली का निर्माण पूरा नहीं करेगा, तो स्थानीय लोग भिक्षाटन कर बना लेंगे। इस मौके पर मुस्कान कुमारी, साधना कुमारी,अंजलि, उषा देवी, शिवकुमार आर्य, रेशम देवी सहित कई लोग उपस्थित थे।

स्कूली छात्राओं को दी गई एचपीवी वैक्सीन

JAMSHEDPUR : रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर वेस्ट ने गुरुवार को उत्क्रमित विद्यालय, उलियान, कदमा की 26 छात्राओं को एचपीवी वैक्सीन की अंतिम (दूसरी) डोज दी गई। ह्यूमन पेपिलोमा वायरस नामक यह वैक्सीन कैंसर सहित जननांगों के मस्सों को नियंत्रित करती है। रोटरी स्वस्थ सुरक्षा कवच परियोजना के अंतर्गत इस कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से सुरक्षित रखना है। इस दौरान क्लब की निदेशक (स्वास्थ्य) डॉ. सुजाता मित्रा भी उपस्थित थीं।

टाटा की युक्ताश्री एशिया कप ट्रायल्स में प्रथम

JAMSHEDPUR : टाटा आर्चरी एकेडमी की तीरंदाज के. युक्ताश्री ने एशिया कप स्टेज-3 चयन ट्रायल्स में प्रथम स्थान हासिल कर बड़ी उपलब्धि प्राप्त की है। टाटा स्टील ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि इस प्रदर्शन के आधार पर उन्हें आगामी एशिया कप चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है, जो जेद्दा, सऊदी अरब में आयोजित की जाएगी। आंध्र प्रदेश की रहने वाली युक्ता ने 1 अक्टूबर 2024 को टाटा आर्चरी एकेडमी में दाखिला लिया था। एकेडमी के विशेषज्ञ कोचों के मार्गदर्शन में उन्होंने अपने खेल में उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है। देशभर से 150 से अधिक महिला तीरंदाजों ने एशिया कप चयन ट्रायल्स में भाग लिया। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच युक्ता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान अर्जित किया। युक्ता श्री ने भारतीय तीरंदाजी संघ की ओर से आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी शानदार प्रदर्शन किया है।

ब्रह्माकुमारीज का प्राकृतिक आहार कैंप शुरू

JAMSHEDPUR : मेरीन ड्राइव, सोनारी स्थित ब्रह्माकुमारीज यूनिवर्सल पीस पैलेस में गुरुवार को पांच दिवसीय नेचुरल डायट सिस्टम हेल्थ कैंप शुरू हो गया। इसमें प्रसिद्ध नेचुरोपैथी विशेषज्ञ भाई जिग्नेश ने प्राकृतिक भोजन की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खाली पेट रहना शरीर की सफाई का सबसे बड़ा उपाय है और सूर्य में पके प्राकृतिक भोजन से ही असली ऊर्जा मिलती है। प्रतिभागियों को आज ग्रीन जूस, स्वादिष्ट सलाद, हरी चटनी, और फ्रूट कस्टर्ड परोसे गए। इसके साथ ही, शरीर से विषैले तत्व निकालने के लिए एनिमा को आवश्यक बताया गया। यह शिविर 10 अक्टूबर तक सुबह 8 से शाम 6 बजे तक चलेगा।

मानगो में उग्र सांड ने दूसरे दिन ले ली महिला की जान

बेहोशी का इंजेक्शन देकर काबू में किया गया मवेशी, डर से मिली राहत

PHOTON NEWS JSR : मानगो के संकोसाई में दो दिन से उत्पात मचा रहे सांड ने बुधवार को एक बुजुर्ग को गंभीर रूप से घायल कर दिया था, तो दूसरे दिन गुरुवार को उसने एक महिला की जान ले ली। स्थानीय लोगों ने बताया कि बुधवार को सांड ने 15 से अधिक लोगों को हमला करके घायल कर दिया था। गुरुवार की घटना डिमना रोड स्थित सुभाष कॉलोनी में हुई, जहां उसने 61 वर्षीय माला सरकार पर इस कदर हमला किया कि महिला की मौत हो गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार, बुधवार की शाम को भी टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क की टीम ने सांड को ट्रैंक्यूलाइज करके बेहोश किया था। लेकिन, अंधेरा होने के कारण टीम उसे सुरक्षित स्थान पर नहीं ले जा सकी। रात भर सांड बेहोशी की अवस्था में संकोसाई में ही पड़ा रहा। गुरुवार को सुबह में होश आने पर वह फिर हिंसक हो गया और दौड़ते हुए गौड़ बस्ती की ओर चला गया। उसी दौरान उसने सड़क किनारे खड़ी महिला पर हमला कर पटक दिया। घायल महिला को तुरंत टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

माला सरकार की फाइल फोटो

इसके लिए स्थानीय निवासी नगर निगम और प्रशासन को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि बुधवार रात में ही सांड को नियंत्रित कर यहां से अन्यत्र ले जाया जाया होता, तो यह घटना नहीं होती।

कई लोगों का एमजीएम में चल रहा इलाज, एक टीएमएच में भर्ती जानकारी के अनुसार बुधवार को सांड ने कई लोगों को घायल कर दिया था, जिसमें अधिकतर लोग एमजीएम अस्पताल में इलाजरत हैं, जबकि एक व्यक्ति टीएमएच में भर्ती है।

वहीं, गुरुवार को इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और टाटा जू की टीम फिर मौके पर पहुंची। टीम ने सांड को दोबारा ट्रैंक्यूलाइज कर पकड़ा और उसे जू अस्पताल में भर्ती कराया। वहां उसका इलाज किया जा रहा है।

मर्चेंट नेवी अधिकारी के घर से 60 लाख के गहने और नकद की चोरी

JAMSHEDPUR : बिरसानगर थाना क्षेत्र के प्रतिष्ठित आवासीय परिसर विजया गार्डन में लैवेंडर-24 टॉवर के फ्लैट नंबर 83 में रहने वाले मर्चेंट नेवी अधिकारी ज्योति सिंह और उनकी पत्नी निधि सिंह, जो टेल्को वैलीव्यू स्कूल में शिक्षिका हैं उनके घर से चोरों ने लाखों रुपये मूल्य के गहने और नगद की चोरी कर ली। घटना गुरुवार की सुबह की है। निधि सिंह रोजाना की तरह सुबह में बच्चों को लेकर स्कूल गई थीं। दोपहर में लौटने पर उन्होंने देखा कि मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ है और घर के सभी कमरे अस्त-व्यस्त पड़े हैं। जब उन्होंने बेडरूम की अलमारी देखी तो उसमें रखे करीब 60 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण और 10 हजार रुपये नकद गायब थे। घटना की सूचना मिलते ही बिरसानगर थाना प्रभारी संतोष कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार से पूछताछ की। पुलिस ने फ्लैट परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है ताकि चोरों की पहचान की जा सके। जांच में यह भी सामने आया कि उसी बिल्डिंग के एक अन्य फ्लैट का ताला भी तोड़ा गया था, लेकिन वहां चोरी नहीं हो पाई। घटना के बाद पूरे आवासीय परिसर में भय और आक्रोश का माहौल है। निवासियों ने कहा कि विजया गार्डन में करोड़ों रुपये कीमत के फ्लैट तो बेचे जाते हैं, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह लचर है। गेट नंबर 2 पर सुरक्षा गार्ड हमेशा मौजूद रहते हैं, फिर भी आठवीं मंजिल तक चोरों का पहुंच जाना गंभीर सवाल खड़े करता है।

शराब दुकान की छत काटकर कैश और महंगी बोतलें ले उड़े चोर

CHAIBASA : जिला के चक्रधरपुर शहीद भगत सिंह चौक स्थित विदेशी शराब दुकान में बुधवार की रात अज्ञात चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने दुकान की छत काटकर अंदर प्रवेश किया और नकदी के साथ-साथ लाखों रुपये की विदेशी शराब की बोतलें लेकर फरार हो गए। घटना का खुलासा गुरुवार की सुबह तब हुआ जब दुकान के कर्मचारी ने दुकान खोली। चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के राँचीझचाईबासा मुख्य मार्ग (एनएच-75ई) पर स्थित उक्त दुकान में देर रात सेंधमारी की गई। चोरों ने बड़ी चालाकी से दुकान की छत के टिन शीट को काटकर भीतर प्रवेश किया और पहले कैश काउंटर को निशाना बनाया। उसके बाद उन्होंने शराब की महंगी बोतलें समेटी और रात के अंधेरे में फरार हो गए। सुबह जब सेल्समैन दुकान पर पहुंचा, तो अंदर का दृश्य देखकर उसके होश उड़ गए। पूरी दुकान अस्त-व्यस्त थी, सामान बिखरा पड़ा था और नकदी गायब थी। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि दुकान की छत में बड़ा छेद कर चोरी की गई थी। घटना की सूचना मिलते ही चक्रधरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, हालांकि दुकान के बाहर लगा कैमरा खराब बताया जा रहा है, जिससे जांच में दिक्कतें आ रही हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि चोरी की वारदात पूरी योजना बनाकर की गई है। फिलहाल अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उनकी तलाश तेज कर दी गई है।

बड़ाजामदा डकैती कांड का हुआ पर्दाफाश मास्टरमाइंड सहित 5 अपराधी गिरफ्तार

जमशेदपुर के बागबेड़ा निवासी संजीव मिश्रा ने बनाई थी पूरी योजना

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम के बड़ाजामदा थाना की पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। 14 अक्टूबर को गुवा (बड़ाजामदा ओपी) थाना क्षेत्र के बड़ाजामदा में व्यवसायी अनिल चौरसिया के घर हुई डकैती का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। इस कांड के मास्टरमाइंड संजीव मिश्रा सहित पांच पेशेवर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में बड़ाजामदा के ओपी प्रभारी बालेश्वर उरांव ने बताया कि 14 अक्टूबर को रात लगभग 12 बजे अपराधियों ने बड़ाजामदा फुटबॉल मैदान के पास स्थित अनिल चौरसिया के घर में पिस्टल दिखाकर डकैती की थी। अपराधी घर से लगभग 2.5 लाख रुपये नकद, सोने की चेन और सोने की ब्रेसलेट लूटकर फरार हो गए थे। इसके बाद एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ अजय केरकेट्टा के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया था। टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी अनुसंधान और मानवीय सूचना के आधार पर पेशेवर तरीके से कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल पांचों अपराधियों को विभिन्न जगहों से गिरफ्तार कर लिया। इनसे लूटे गए रुपये, गहने व वाहन भी बरामद किए गए हैं।

पत्रकारों को जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

डकैती कांड का मास्टरमाइंड संजीव मिश्रा (44) जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, संजीव मिश्रा ने ही गैंग बनाकर रेकी की और घटना को अंजाम दिया। संजीव मिश्रा पर पहले से जमशेदपुर के विभिन्न थानों में कई मामले दर्ज हैं।

उपेक्षा से नाराज हुए केयू के संविदा शिक्षक

JAMSHEDPUR : झारखंड राज्य विश्वविद्यालय संविदा शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार पांडेय ने गुरुवार को कहा कि कोल्हान विश्वविद्यालय द्वारा आवश्यकता आधारित शिक्षकों को नजरअंदाज किया जा रहा है, जो कहीं से उचित नहीं है। पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस निमित्त अनेक समितियां बनाई गई हैं, लेकिन किसी भी समिति में आवश्यकता आधारित शिक्षकों को नहीं रखा गया है। यह इस बात का संकेत है कि विश्वविद्यालय प्रशासन, आवश्यकता आधारित शिक्षकों को विश्वविद्यालय परिवार का अंग नहीं मानता है। विश्वविद्यालय में आवश्यकता आधारित शिक्षकों की संख्या लगभग 140 है, जो कुल शिक्षकों में 35 प्रतिशत है। विश्वविद्यालय के सभी कार्यों में जब ये शिक्षक शामिल रहते हैं, तो दीक्षांत समारोह की किसी भी समिति में शामिल न करना इन शिक्षकों का अपमान है। राकेश पांडेय ने कहा कि अभी भी समय है, विश्वविद्यालय अपनी भूल को सुधारते हुए सभी समितियों में एक-एक प्रतिनिधि आवश्यकता आधारित शिक्षकों को भी दे।

सारंडा में हुई जबरदस्त मुठभेड़ हथियार छोड़ भागे नक्सली

- गुरुवार की शाम 4 बजे ओडिशा सीमा पर जराईकेला थाना क्षेत्र में हुई फायरिंग

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में गुरुवार शाम को पुलिस और नक्सलियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई। यह घटना ओडिशा सीमा पर जराइकेला थाना क्षेत्र में शाम करीब चार बजे हुई है। जानकारी के मुताबिक, सुरक्षाबल नक्सल विरोधी अभियान पर निकले थे, इसी दौरान घात लगाए नक्सलियों के दस्ते से उनका सामना हो गया। सुरक्षाबलों को देखते ही नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी मोर्चा संभालते हुए जोरदार फायरिंग की। दोनों ओर से कुछ देर तक गोलीबारी चलती रही। बताया जा रहा है कि इस मुठभेड़ में कुछ नक्सलियों के हताहत होने की भी खबर है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई के बाद नक्सली घने जंगल और पहाड़ी इलाकों का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। मुठभेड़ स्थल से पुलिस ने दो एसएलआर राइफल और एक .303 राइफल बरामद किए हैं। इस संबंध में कोल्हान के डीआईजी ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि इलाके में सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है और क्षेत्र को पूरी तरह से घेर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि अभियान के तहत नक्सलियों के ठिकानों की तलाश जारी रहेगी। सूत्रों के अनुसार, एक नक्सली के मारे जाने की भी खबर है, लेकिन इसकी अधिकारी पुष्टि नहीं हुई है।

बंगाल से झारखंड में भी घुस रहे रोहिंग्या : शुभेंदु अधिकारी

GHATSILA : घाटशिला विधानसभा के उपचुनाव में भाजपा ने भी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी कड़ी में गुरुवार को पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी पहुंचे। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन के समर्थन में सर्कस मैदान दाहीगोड़ा में जनसभा को संबोधित किया। अधिकारी ने कहा कि बंगाल में बढ़ती रोहिंग्या मुसलमानों की अवैध घुसपैठ न केवल प्रदेश, बल्कि पड़ोसी राज्यों के लिए भी खतरा बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि घुसपैठिए अब झारखंड की ओर भी बढ़ रहे हैं, जो यहां की जनसंख्या को प्रभावित कर रही है। अधिकारी ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में अवैध घुसपैठ के कारण फर्जी मतदाता तैयार किया गया है। बिहार में एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) के जरिए ऐसे फर्जी नामों को हटाने की प्रक्रिया चलाई गई, मगर बंगाल में इस दिशा में गंभीर प्रयास नहीं दिख रहा है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो इसका प्रभाव आगामी चुनावों, सामाजिक व्यवस्था और सुरक्षा पर प्रतिकूल पड़ सकता है। स्थानीय लोगों से अपील करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि क्षेत्र की संस्कृति, सुरक्षा और पहचान बनाए रखने के लिए लोगों को जागरूक होकर सही निर्णय लेना चाहिए।

जनसभा को संबोधित करते शुभेंदु

डिजिटल साक्षरता से आत्मनिर्भर बनें छात्र : डॉ. एके झा

टाटा स्टील की ओर से एलबीएसएम कॉलेज में हुआ कार्यक्रम, दी गई कई जानकारियां

PHOTON NEWS JSR : टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा शिक्षा, कौशल विकास और डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने की दिशा में गुरुवार को करनडीह स्थित एलबीएसएम कॉलेज में एक दिवसीय डिजिटल साक्षरता कार्यशाला की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार झा ने कहा कि डिजिटल युग में जहां सूचना की तीव्रता बढ़ी है, वहीं सत्य और असत्य के बीच भेद करना एक चुनौती बन गया है। भारतीय मिथक केवल कहानियां नहीं हैं, वे हमारे नैतिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक मूल्यों के गहरे स्रोत हैं। जिस प्रकार प्राचीन युग में ऋषि-मुनियों ने ज्ञान के प्रसार के लिए कथा और संवाद को माध्यम बनाया, उसी प्रकार आज के युग में डिजिटल तकनीक ज्ञान-विनिमय का सशक्त साधन बन चुकी है। आवश्यकता है कि हम इस तकनीक का उपयोग विवेक, सत्यता और जिम्मेदारी के साथ करें। महाविद्यालय सदैव अपने विद्यार्थियों और समाज के समग्र विकास के लिए तत्पर रहा है। टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह डिजिटल साक्षरता पहल न केवल हमारे छात्रों के लिए बल्कि समुदाय के हर व्यक्ति के लिए एक सशक्त कदम है।

छात्रों को संबोधित करते डॉ. एके झा

आज के युग में डिजिटल ज्ञान, आत्मनिर्भरता और सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार अत्यंत आवश्यक हैं। हम आशा करते हैं कि इस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को तकनीकों को समझने में ज्यादा लाभ मिला होगा।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अमर सिंह ने कहा कि डिजिटल युग में ज्ञान के स्रोत अनेक हैं, परंतु सत्य और असत्य के बीच अंतर समझने की क्षमता ही वास्तविक डिजिटल साक्षरता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि युवा वर्ग तकनीक का उपयोग सजगता, संयम और जिम्मेदारी के साथ करे। डिजिटल माध्यमों को सकारात्मक दिशा में प्रयोग कर हम समाज में रचनात्मक परिवर्तन ला सकते हैं।

टाटा स्टील फाउंडेशन से आए अमिताभ सुमन ने आधार, मतदाता पहचान पत्र और पैन कार्ड तक पहुंच एवं उन्हें अपडेट करने की प्रक्रिया बताई, तो इसके साथ ही सुरक्षित दस्तावेज भंडारण के लिए डिजी लॉकर का उपयोग, मोबाइल सुरक्षा और साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम के उपाय भी बताए। मंच संचालन चंदन जायसवाल, स्वागत भाषण लुशी रानी मिश्रा, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रीति पांडे ने किया।

कार्यशाला में डॉ. विजय प्रकाश, डॉ. संचिता भुईं सेन, डॉ. प्रशांत, पूजा गुप्ता, प्रीति गुप्ता, अजय दीप, ज्योति परवा, शिप्रा बोयपाई, सुमित्रा सिंकु, लेदन हांसदा, विनय कुमार भी उपस्थित रहे।

सेमिनार इंटरनेशनल कांग्रेस में कई देशों के धातु विशेषज्ञ ले रहे हिस्सा, शोधपत्र भी किए जाएंगे प्रस्तुत

एनएमएल में शुरू हुआ क्रिटिकल मेटल्स पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

PHOTON NEWS JSR : बर्मामाइंस स्थित सीएसआईआर-एनएमएल में गुरुवार को तीन दिवसीय क्रिटिकल मेटल्स कांग्रेस (क्रिटमेट-2025) शुरू हो गया। सम्मेलन का उद्घाटन लेखन ठक्कर (संयुक्त सचिव, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय, भारत सरकार) ने किया। उद्घाटन सत्र में डॉ. के. आनंद राव (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड) तथा प्रो. सरमा वी. पिसुपाती (निदेशक, सी2एम, पेन स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका) भी उपस्थित थे।

उद्घाटन संबोधन में लेखन ठक्कर ने राष्ट्र के आर्थिक व औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण धातुओं (क्रिटिकल मेटल्स) की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन समयानुकूल है, क्योंकि महत्वपूर्ण धातुएं आज भू-राजनीतिक परिदृश्यों को भी प्रभावित करती हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वर्तमान समय में अंतरराष्ट्रीय सहयोग विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है और टिकाऊ आपूर्ति श्रृंखलाएं स्थापित करने के लिए साझेदारियों में विविधता आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत सरकार के विभिन्न निकायों, विशेषकर एएनआरएफ के अंतर्गत, महत्वपूर्ण धातुओं के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि ● फोटोन न्यूज

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में क्रिटिकल मेटल्स महत्वपूर्ण : निदेशक

सीएसआईआर-एनएमएल के निदेशक डॉ. संदीप घोष चौधरी ने स्वागत संबोधन में महत्वपूर्ण खनिजों में प्रौद्योगिकीय संप्रभुता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य में रक्षा, एयरोस्पेस, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण खनिजों के संदर्भ में सीएसआईआर और विशेषकर सीएसआईआर-एनएमएल की रणनीतिक भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

डॉ. के. आनंद राव ने भी सतत एवं स्थायी स्रोत विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण खनिजों में अनुसंधान की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि यूसीआईएल इस क्षेत्र में, विशेषकर निष्कर्षण (एक्सट्रैक्शन) के क्षेत्र में सहयोग के लिए तत्पर है।

प्रो. पिसुपाती ने अपने अभिभाषण में महत्वपूर्ण खनिजों के अनुसंधान में रचनात्मकता, सहयोग और उत्कृष्टता के प्रति दृढ़ विश्वास को समय की मांग बताया और कहा कि स्वदेशी नवाचार तकनीकों को बाजार तक पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है।

आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार ने कहा कि 275 से अधिक प्रतिभागियों के साथ आयोजित क्रिटमेट-2025 महत्वपूर्ण धातुओं से जुड़े तकनीकी, नीतिगत और आपूर्ति श्रृंखला संबंधित मुद्दों पर विशेषज्ञों को एक साझा मंच प्रदान करता है। इस अवसर पर सम्मेलन की स्मारिका एवं शोध संकलन का भी विमोचन किया गया।

सत्र का समापन सम्मेलन के संयोजक डॉ. अभिलाष ने धन्यवाद ज्ञापन से किया। कार्यक्रम के दौरान वैश्विक विशेषज्ञ महत्वपूर्ण खनिजों पर विचार-विमर्श करेंगे। सम्मेलन में उद्योगों एवं अनुसंधान संस्थानों द्वारा नवीनतम तकनीकों की प्रदर्शनी तथा महत्वपूर्ण खनिजों पर आधारित अनुसंधान पोस्टर सत्र भी शामिल है।

सिंहभूम चैंबर ने व्यापारियों को उपलब्ध कराए सिक्के

बिष्टुपुर स्थित चैंबर भवन में बैंक प्रबंधक व चैंबर के पदाधिकारी

JAMSHEDPUR : बाजार में आए दिन हो रही नकद लेन-देन की कठिनाइयों और छोटे मूल्य के सिक्कों की कमी को देखते हुए सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने गुरुवार को बिष्टुपुर स्थित चैंबर भवन में क्वाइन डिस्ट्रीब्यूशन कैंप लगाया। इसमें व्यापारियों एवं सदस्यों को सिक्के उपलब्ध कराए। इस दौरान बतौर अतिथि केनरा बैंक के प्रबंधक प्रदीप कुमार ने कहा कि छोटे मूल्यवर्ग के सिक्कों की उपलब्धता व्यापारिक लेन-देन में पारदर्शिता और सुविधा सुनिश्चित करती है। उन्होंने चेंबर के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे व्यापारिक समुदाय के लिए उपयोगी कदम बताया।

कार्यक्रम में चैंबर के अध्यक्ष मानव केडिया, महासचिव पुनीत कांवटिया, उपाध्यक्ष (ट्रेड एंड कॉमर्स) अनिल मोदी, सचिव (ट्रेड एंड कॉमर्स) भरत मकानी के अलावा विनोद शर्मा, कोषाध्यक्ष अनिल रिंगासिया, कार्यसमिति सदस्य मनोज गोयल व अमित संघी भी उपस्थित थे।

सर्दियों में आपकी सेहत

इन सर्दियों में यदि आप अपनी सेहत बनाने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले पेट साफ करने की जरूरत है। पेट में कब्ज रहेगा तो कितने ही पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें, लाभ नहीं होगा। भोजन समय पर तथा चबा-चबाकर खाना चाहिए, ताकि पाचन शक्ति ठीक बनी रहे, फिर पौष्टिक आहार या औषधि का सेवन करना चाहिए। आचार्य चरक ने कहा है कि पुरुष के शरीर में वीर्य तथा स्त्री के शरीर में ओज होना चाहिए, तभी चेहरे पर चमक व कांति नजर आती है और शरीर पुष्ट दिखता है। हम यहाँ कुछ ऐसे पौष्टिक पदार्थों की जानकारी दे रहे हैं, जिन्हें किशोरावस्था से लेकर युवावस्था तक के लोग सेवन कर लाभ उठा सकते हैं और बलवान बन सकते हैं-

- सोते समय एक गिलास मीठे गुनगुने गर्म दूध में एक चम्मच शुद्ध घी डालकर पीना चाहिए।
- दूध की मलाई तथा पिसी मिश्री जरूरत के अनुसार मिलाकर खाना चाहिए, यह अत्यंत शक्तिवर्द्धक है।
- एक बादाम को पत्थर पर घिसकर दूध में मिलाकर पीना चाहिए, इससे अपार बल मिलता है। बादाम को घिसकर ही उपयोग में लें।
- छाछ से निकाला गया ताजा माखन तथा मिश्री मिलाकर खाना चाहिए, ऊपर से पानी बिलकुल न पिएँ।
- 50 ग्राम उड़द की दाल आधा लीटर दूध में पकाकर खीर बनाकर खाने से अपार बल प्राप्त होता है। यह खीर पूरे शरीर को पुष्ट करती है।
- प्रातः एक पाव दूध तथा दो-तीन केले साथ में खाने से बल मिलता है, कांति बढ़ती है।
- एक चम्मच असगंध चूर्ण तथा एक चम्मच मिश्री मिलाकर गुनगुने एक पाव दूर के साथ प्रातः व रात को सेवन करें, रात को सेवन के बाद कुल्ला कर सो जाएँ। 40 दिन में परिवर्तन नजर आने लगेगा।
- सफेद मूसली या धोली मूसली का पावडर, जो स्वयं कूटकर बनाया हो, एक चम्मच तथा पिसी मिश्री एक चम्मच लेकर सुबह व रात को सोने से पहले गुनगुने एक पाव दूध के साथ लें। यह अत्यंत शक्तिवर्धक है।
- सुबह-शाम भोजन के बाद सेवफल, अनार, केले या जो भी मौसमी फल हों, खाएँ।
- सुबह एक पाव ठंडे दूध में एक बड़ा चम्मच शहद मिलाकर पीने से खून साफ होता है, शरीर में खून की वृद्धि होती है।
- प्याज का रस 2 चम्मच, शहद 1 चम्मच, घी चौथाई चम्मच मिलाकर सेवन करें और स्वयं शक्ति का चमत्कार देखें। यह नुस्खा यौन शक्ति बढ़ाने में अचूक है। ऊपर वर्णित नुस्खे स्त्री-पुरुष दोनों के लिए समान हैं। इन्हें अनुकूल मात्रा में उचित विधि से सुबह-रात को सेवन करना चाहिए।
- भोजन में घी, दूध, चावल, उड़द, नारियल, मलाई, मक्खन, शहद, मौसमी फल, हलवा, हरी साग-भाजी, टमाटर, गाजर, आँवला आदि का सेवन करना चाहिए।
- सर्दियों में बादाम का हलवा, दूध में पकाया हुआ छुहारा, मीठा अनार, प्याज का रस, नारियल की गिरी और दूध की खीर, उड़द दाल का लड्डू, गन्ना रस, सौंठ और काली मिर्च तथा मैथी का लड्डू बहुत फायदेमंद है। योग्य वैद्य की सलाह अवश्य लेनी चाहिए, ताकि अपने शरीर के अनुकूल पथ्य-अपथ्य का चयन किया जा सके।
- चिकनाईयुक्त, मधुर, लवण और अम्ल रस वाले पदार्थ का सेवन करके अपना स्वास्थ्य बनाए रखें। बासी, दुर्गंधयुक्त, अधिक चटपटे मसालेदार खानपान से बचना ही श्रेयस्कर है।
- ठीक समय पर, चबा-चबाकर प्रसन्नतापूर्वक भोजन करना चाहिए। भोजन के पूर्व नीबू पानी और भोजन के पश्चात छाछ पीना लाभदायक होता है।
- इस ऋतु में रूखे, कटु-तिक्त-कषाय, अति शीतल और वात प्रधान भोज्य पदार्थ न खाएँ । अन्यथा जोड़ों के दर्द, गठिया और सायटिका से पीड़ित हो सकते हैं। इसी प्रकार अधिक खटाई से भी बचें, ताकि खाँसी-सर्दी, जुकाम, नजला आदि से बचाव हो सके। नीबू और ताजा दही वर्जित नहीं है।
- शीतऋतु में अधिक देर तक भूखे न रहें, क्योंकि जठराग्नि की प्रबलता के कारण यथासमय भोजन नहीं करने से यह अग्नि शरीर की धातुओं को जला डालती है, जिससे जीवन-शक्ति का क्षय होता है।
- सेहत बनाने के लिए प्रतिदिन स्नान भी जरूरी है। कुछ लोग ठंड के डर से कई दिन तक नहाते नहीं, यह उचित नहीं। पानी कुनकुना कर लेना चाहिए। अत्यधिक ठंडा और अधिक गर्म पानी नुकसान पहुँचाता है।
- मल-मूत्र विसर्जन में आलस्य नहीं करना चाहिए। रात को सिर ढँककर सोना भी उचित नहीं होता।

स्वस्थ रहने के आसान उपाय

सुबह जल्दी उठो और 4- 6 किलोमीटर रोज टहलो। संभव हो तो शाम को भी थोड़ा टहलो। टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी सांसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से 2. टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी सांसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से आप अपने स्वास्थ्य को संवार रहे हैं।

टहलने के अलावा, दौडऩा, साइकिल चलाना, घुड़सवारी, तैरना या कोई भी खेलकूद, व्यायाम के अच्छे उपाय हैं। स्त्रियां चक्की पीसना,,रस्सीकूदना, पानी भरना, झाड़ू- पोछा लगाना आदि घर के कामों में भी अच्छा व्यायाम कर सकती हैं। रोज थोड़े समय छोटे बच्चों के साथ खेलना, 10- 15 मिनट खुलकर हंसना भी अच्छे व्यायाम के अंग हैं।

प्रातः टहलने के बाद भूख अच्छी लगती है। इस समय पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें। अंकुरित अन्न, भीगी मूंगफली, आंवला या इससे बना कोई पदार्थ, संतरा या मौसम्मी का रस अच्छे नाश्ता का अंग होते हैं। भोजन सादा करो एवं उसे प्रसाद रूप में ग्रहण करो, शांत, प्रसन्न और निश्चिन्तता पूर्वक करो और उसे अच्छी तरह चबाचबा कर खाओ। खाते समय न बात करो और न हंसो। एकाग्र चित्त होकर भोजन करना चाहिए। भूख से कम खाओ अथवा आधा पेट खाओ, चौथाई पानी के लिए एवं चौथाई पेट हवा के लिए खाली छोड़ो।

भोजन में रोज अंकुरित अन्न अवश्य शामिल करो। अंकुरित अन्न में पौष्टिकता एवं खनिज लवण गुणात्मक मात्रा में बढ़ जाते हैं। इनमें मूंग सर्वोत्तम है। चना, अंकुरित या भीगी मूंगफली इसमें थोड़ी मेथी दाना एवं चुटकी भर- अजवायन मिला लें तो यह कई रोगों का प्रतिरोधक एवं प्रभावी ईलाज है।

मौसम की ताजा हरी सब्जी और ताजे फल खूब खाओ। जितना हो सके कच्चे खाओ अन्यथा आधी उबली/ उबली तथा कम मिर्च- मसाले, खटाई की सब्जियां खाओ। एक ग्रास रोटी के साथ चार ग्रास सब्जी के अनुपात का प्रयास रखो।

आटा चोकर समेत खाओ, सम्भव हो तो हाथ का पिसा हुआ खाओ। जौ, गेहूं, चना, सोयाबीन का मिस्सी रोटी का आटा सुपाच्य एवं पौष्टिक होता है। पौष्टिकता की दृष्टि से रोटी में हरी सब्जी, पालक, मेथी, बथुआ आदि पत्तीदार सब्जी मिलाकर बनायें / खायें। दलिया / खिचड़ी में भी पत्तीदार एवं हरी सब्जियाँ मिलाकर पौष्टिकता बढ़ाई जा सकती है। सब्जियों के सूप का नित्य सेवन पौष्टिक एवं हलके भोजन का अच्छा अंग हो सकता है। भोजन के साथ पानी कम से कम पियो। दोपहर के भोजन के घंटे भर बाद पानी पियें । भोजन यदि कड़ा और रूखा हो तो 2- 4 घूंट पानी अवश्य पियें।

प्रातः उठते ही खूब पानी पियो। दोपहर भोजन के थोड़ी देर बाद छाछ और रात को सोने के पहले उष्ण दूध अमृत समान है। दिन में कम से कम दो-तीन लीटर पानी अवश्य पियो। धूम्रपान, मादक पेय- पदार्थ (जरदा, गुटखा, सॉफ्ट ड्रिंक जैसे कोकाकोला, पेप्सी इत्यादि एवं शराब आदि) सर्वथा छोड़ दो। चाय- कॉफी आदि के स्थान पर सादा ठंडा या गुनगुना पानी, नींबू पानी, छाछ, गाजर, पालक चुकन्दर, लौकी, टमाटर इत्यादि सब्जियों का एव मौसम्मी या संतरा, पपीता इत्यादि फलों के रस का उपयोग लाभकारी होता है। डाइबीटीज (शक्कर) के रोगी को शक्कर या उससे बने पदार्थों से पूर्ण परहेज करना चाहिए। फलों में अधिक मीठे फल का सेवन कम करें। फल के रस के बजाय फल खायें। मेथी दाना और करेला मधुमेह रोग की राम बाण दवा है। मैथी दाना रोज 18/24 घंटे पानी में, जहां तक संभव हो सके मिट्टी के बर्तन में भिगोयें। दूसरे दिन सुबह नाश्ते के पहले या बाद में दानामेथी का पानी पी लें। दानामेथी अंकुरित कर सलाद में या नमक, नींबू लगाकर भी खा सकते हैं।

एरोबिक्स यानी डांस, फन, रिदम और हेल्थ

स्वस्थ और सुंदर दिखने के नुस्खे दादी मां के पिटारे से लेकर आधुनिक साजो-सामान में बिखरे पड़े हैं। प्रत्येक समय, काल में सुंदरता का पैमाना भी परि?वर्तित हुआ है। जहाँ प्राचीन समय में गहनों से लकदक, लहराती केश राशि से सुसज्जित, सजीली-लजीली सुंदरियों का वर्चस्व था तो आज टाईट जींसधारी, लंबी, दुबली, छरहरी काया सुंदरता के मानदंड में शामिल है। प्रत्येक स्त्री अपनी सुंदरता के प्रति सजग है। अधिक चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए डाइटिंग, योग, व्यायाम या एरोबिक्स का सहारा लेती है। बढ़ते हुए वजन या थुलथुल शरीर से चिंताग्रस्त, सदैव उदास और थका हुआ महसूस करने वाली स्त्रियां तथा जो अपनी व्यस्तता के कारण व्यायाम नहीं कर पाती या बेडौल काया के कारण योग क्लास, हेल्थ क्लब जाने में संकोच करने वाली स्त्रियों के लिए एरोबिक्स वरदान साबित हुआ है। एरोबिक्स यानी संगीत की धुन पर किए जाने वाले व्यायाम। एरोबिक्स करने के लिए कोई विशेष साजो-सामान की जरूरत नहीं होती। बस पर्याप्त स्थान हो, इस हेतु आप कमरे से फर्नीचर हटाकर स्थान बना सकती है। पॉप, रॉक, जाज संगीत का कोई कैसेट या कर्णप्रिय धुन तथा तेज लय वाला कोई भी कैसेट लेकर उसी आधार पर नृत्य करें। कैसेट लेते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि व्यायाम के समय जिन अंगों को रिद?म पर थिरकन देना है उसके लिए सही रिद?म और संगीत उस कैसेट में अवश्य हो। इन धुनों पर जॉगिंग, रनिंग, साइकिलिंग, तैराकी, जैसी गति में थिरकन की जाती है। इस हेतु जेनफौंडा द्वारा तैयार किए गए लयात्मक योग व्यायाम की कैसेट बाजार में उपलब्ध है। भारतीय सिने अभिनेत्री रेखा ने भी एरोबिक्स पर एक ऑडियो कैसेट माइंड एंड बॉडी तैयार किया है। इसमें योग और व्यायाम को लेकर एरोबिक्स के लिए धुन तैयार की है। अनीता राज, शिल्पा शेट्टी ने भी वीडियो कैसेट तैयार किए हैं। एरोबिक्स व्यायाम अकेले भी किए जा सकते हैं और समूह के साथ भी। समूह के साथ करने का अलग ही मजा है। सप्ताह में तीन-चार बार या समय उपलब्ध होने पर प्रतिदिन भी व्यायाम किया जा सकता है। वैसे भी अपेक्षाकृत इसमें बहुत ही कम समय लगता है। लगभग दस से बीस मिनट लगते हैं।

एरोबिक्स करने वाले लोगों का कहना है कि वे इस अनूठे नृत्य व्यायाम से तन-मन की प्रसन्नता महसूस करते हैं और शरीर पर जमी अनावश्यक चर्बी गायब हो जाती है। इन्हें करने के लिए कोई शिक्षक हो यह आवश्यक नहीं। एरोबिक्स के बारे में संगीत के रसिक तथा उद्योगपति का मानना है कि इस व्यायाम से उनमें अधिक चुस्ती-फुर्ती आती है और वे अधिक हल्का महसूस करते हैं। संगीत की सुमधुर आवाज तनाव, चिंता दूर करने में सहायक है। एरोबिक्स निश्चय ही जीवन में अनोखा बदलाव लाता है। होटलों, हेल्थ क्लबों, ब्यूटी पार्लर्स, यहां तक की कई लोगों ने निजी कक्षाएँ भी खोल ली हैं, जहां 100 रुपए से लेकर 5000 रुपए तक फीस वसूली जाती है। आप अपने स्टैंडर्ड के अनुसार इन कक्षाओं में शामिल हो सकते हैं या घर में ही मुफ्त में इसका आनंद उठा सकते हैं।

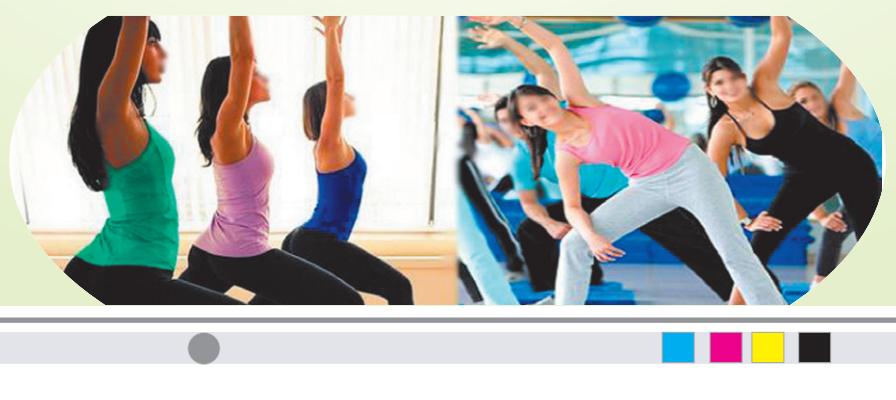

लाभदायक है सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन

सर्दियां शुरू होते ही बाजार में सिंघाड़े आसानी से प्राप्त हो जाते है और यह खाने में बहुत स्वादिष्ट होते है। सिंघाड़ा हमारी सेहत के लिए बहुत लाभदायक होता है इसमें पाएं जानें वाले पौष्टिक तत्व हमारी शरीर को तंदरूस्त रखने में मदद करते है। सिंघाड़े में वैसे तो विटामिन बी,फाइबर और भी कई पौष्टिक तत्त्व पाएं जाते है पर विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में पाए जाते है जो हमारी त्वचा को सुंदर बनाने में मदद करते है। हमारे शरीर को भी शक्ति प्रदान करता है।

- सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा में चमक तो आती ही है और त्वचा निखारने में भी मदद करता है।
- कच्चे सिंघाड़े का सेवन करने से शरीर में खून की मात्रा बढ़ जाती है।
- सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन करना काफी लाभदायक होता है ,सिंघाड़े खाने से त्वचा तो निखरती ही है और साथ ही खुश्की की समस्या भी दूर हो जाती है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा संबंधी सभी रोगों से छुटकारा मिलता है जैसे धूप की अल्ट्रावायलेट किरणों से भी त्वचा की रक्षा करता है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से गले में होने वाली खराश से राहत मिलती है और खांसी से भी छुटकारा मिलता है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से हमें कई रोगों से राहत मिलती है जैसे पीलिया के रोगियों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।
- सिंघाड़े खाने से त्वचा पर पड़ने वाली झुर्रियों से भी राहत मिलती है।

औषधीय गुणों से भरपूर अजवायन

- अजीर्ण की शिकायत होने पर अजवायन का तेल तथा अर्क शीघ्र लाभ देते हैं।
- उदर शूल होने पर भी अजवायन का अर्क या तेल दें।
- दांत दर्द करते हों तो अजवायन को धीरे-धीरे चबाएं। चबाते समय दबाव कम डालें। रस निगल जाएं।
- मुंह से दुर्गंध आती हो तो भी अजवायन चबाया करें।
- सर्दी का बुखार परेशान करता हो तो अजवायन को गुड़ के साथ खाया करें। 5-6 दिनों में पूर्ण ठीक हो जाएंगे।
- जिन्हें सूतिका बुखार हो जाए, वह अजवायन का सेवन करें।
- प्रसूता नारियों को अजवायन खिलाने पर उनकी भूख खुल जाती है। उनकी पाचन शक्ति में वृद्धि होने लगती है।
- वायु गोला की शिकायत होने पर अजवायन एक चम्मच, काला नमक चौथाई चम्मच, पीस-छानकर ताजा पानी से लें।
- बार-बार पेशाब की शिकायत होने पर अजवायन तथा तिल मिलाकर रोगी को खिलाएं।
- गुर्दे का दर्द हो तो गुड़, पिसी कच्ची अजवायन, दोनों एक समान मात्रा में लें। मात्रा एक चम्मच, दिन में 4 बार।
- शरीर में शक्ति संचार करने के लिए यह चूर्ण, दिन में 2 बार, आधा चम्मच एक समय, ताजा पानी से दें।
- फोड़ा-फुंसी की सूजन होने पर नींबू के रस में अजवायन पीसकर दिन में 2 बार लेप करें।

घर के कामकाज से कम होता है तनाव

अगर आप तनाव के दौर से गुजर रहे हैं तो घरेलू कामकाज कीजिए। महज 20 मिनट का घरेलू काम आपको राहत देगा। आपका तनाव भागेगा और मानसिक रूप से आप स्वस्थ महसूस करेंगे। ब्रिटेन के अनुसंधानकर्ताओं का मानना है कि सप्ताह में कम से कम एक बार घरेलू कामकाज जैसी शारीरिक गतिविधियों के जरिये तनाव को कम किया जा सकता है। इसमें साफ-सफाई, बाग-बगीचे की देखभाल, मकान का रखरखाव आदि भी शामिल हैं। इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए लंदन के यूनिवर्सिटी कॉलेज के मार्क हेमर के नेतृत्व में एक अध्ययन किया गया। उन्होंने अपने अध्ययन में 20000 लोगों को शामिल किया और उनकी दिमागी हालत को जानने का प्रयास किया।

यूं तो नियमित कसरत को मानसिक स्वास्थ्य के लिए बढ़िया माना जाता है, लेकिन विशेषज्ञ कभी इस बात पर राजी नहीं हो सके कि किस तरह की और कितनी कसरत करना चाहिए।

फूहड़ता का आकर्षण और वर्चुअल समाज की विडंबना

कुछ समय पहले तक मुझे यह गलतफहमी थी कि सोशल मीडिया पर केवल रील्स और वीडियोज में वल्गर या बेहूदा कंटेंट ही ज्यादा देखा जाता है। सोचती थी कि शायद यह दृश्य माध्यम का प्रभाव है- जहां चमक, शरीर और शोर ही बिकता है, पर हाल के दिनों में कुछ लंबे पोस्ट पढ़ कर भ्रम टूटा। अब केवल दृश्य नहीं, भाषा भी बिकाऊ हो गई है। फूहड़पन अब सिर्फ कैमरे के सामने नहीं, कलम की नोक पर भी नाच रहा है। इन पोस्टों में विषय तो वही पुराने और ट्रेंडिंग हैं- पुरुषों को कोसना, संबंधों में स्त्री की पीड़ा या समाज की संकीर्णता। इन सबके बीच सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इन विचारों को जिस भाषा में व्यक्त किया जा रहा है, वह भाषा नहीं, गाली का उत्सव लगती है। लाइक्स और कमेंट्स की बरसात होती है और भीड़ ताली बजाती है- मानो फूहड़ता अब किसी नई साहित्यिक विधा का नाम बन चुकी हो। कभी कहा जाता था कि लिखना, दिखने से कहीं कठिन होता है। लिखना मतलब सोचना, मनन करना, किसी विषय पर आत्मा से उतरकर बोलना। शब्द कभी भीड़ को लुभाने का नहीं, समाज को सजग करने का माध्यम होते थे। लेकिन, आज इस संतुलन को एक नई भूख ने निगल लिया है- लोकप्रियता की भूख। अब जो सबसे तेज, सबसे तीखा और सबसे विवादित लिखेगा, वही सबसे ज्यादा देखा जाएगा। क्लिक और कमेंट की इस दौड़ ने शब्दों की गरिमा को लगभग निचोड़ कर रख दिया है। अब भाषा का अर्थ अभिव्यक्ति नहीं, उत्तेजना रह गया है। यह प्रवृत्ति केवल अनपढ़ या असंवेदनशील वर्ग तक सीमित नहीं- कई बार वही लोग, जो समाज में सुधार, परिवार में संस्कार और रिश्तों में मधुरता की बातें करते हैं, इन पोस्टों पर टूट पड़ते हैं। वे न केवल इन्हें पढ़ते हैं बल्कि लाइक, हार्ट और फायर इमोजी भेजकर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं- जैसे यह कोई सांस्कृतिक आंदोलन हो। यह सवाल सबसे ज्यादा चुभता है- आखिर इस फूहड़ता में आकर्षण क्या है। क्या लोग वास्तव में इन विचारों से सहमत हैं या बस भीड़ में शामिल हो जाने की मजबूरी है। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो सोशल मीडिया ने व्यक्ति को अदृश्य पहचान दी है। अब वह जो कहना, करना या दिखाना असल जिंदगी में नहीं कर सकता, उसे वह वर्चुअल दुनिया में निर्भीक होकर कर सकता है। यह आजादी धीरे-धीरे अराजकता में बदल गई है। भाषा की मर्यादा, सामाजिक संवेदना और दूसरों की गरिमा- सब पर खुली छूट मिल गई है। किसी का अपमान करना, समूहों को उकसाना, व्यंग्य में विष घोलना- यह सब अब क्रिएटिविटी कहलाता है। फूहड़ भाषा को निर्भीक अभिव्यक्ति बताया जा रहा है और सभ्य संवाद को पाखंड। विचारों की जगह शब्दों का शोर छा गया है। विडंबना यह है कि यही समाज घर में बच्चों को मर्यादा, संस्कार और आदर का पाठ पढ़ाता है, मगर वर्चुअल मंच पर वही लोग अपशब्दों की पोस्ट पर हंसते हुए इमोजी भेजते हैं। यानी हमारी वास्तविक और वर्चुअल नैतिकता में जमीन-आसमान का अंतर है। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने हमें संवाद का अवसर दिया था, पर हम उसे विवाद का अखाड़ा बना बैठे। जहां पहले विचारों की टकराहट होती थी, वहां अब शब्दों की लाठियाँ चलती हैं। यह प्रवृत्ति केवल भाषा की समस्या नहीं, सामाजिक संस्कृति के क्षरण का संकेत है। क्योंकि जब शब्द दूषित होते हैं, तो विचार भी विकृत हो जाते हैं। जब विचार विकृत होते हैं, तो समाज में असहिष्णुता पनपती है। आज यही हो रहा है- हर वर्ग अपने पक्ष को एकमात्र सत्य मानने लगा है और जो असहमत है, उसके लिए अपशब्द तैयार रखे हैं। कला, चाहे लेखन हो या अभिनय- समाज से संवाद का माध्यम है। लेकिन संवाद और प्रहार में फर्क होता है। जो शब्द किसी की गरिमा को चोट पहुंचाएं, वे अभिव्यक्ति नहीं, आक्रोश का प्रदर्शन हैं। जब यह आक्रोश लोकप्रियता के रास्ते का शॉर्टकट बन जाए, तब समाज को आत्ममंथन करना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि हम लोकप्रियता और गरिमा के बीच अंतर समझें। लिखना सिर्फ लोग क्या कहेंगे के लिए नहीं होना चाहिए, बल्कि मैं क्या कहना चाहता हूं के लिए होना चाहिए। सच्चा लेखक भीड़ से नहीं, विवेक से संवाद करता है। लेकिन, अफसोस, आज सोशल मीडिया ने साहित्य को मनोरंजन और विचार को व्यापार बना दिया है। हर लाइक, हर कमेंट, हर शेयर केवल एक बटन नहीं, एक नैतिक निर्णय है। जब हम किसी फूहड़ पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हैं तो हम अनजाने में उस प्रवृत्ति को बढ़ावा देते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म का एल्गोरिदम तो वही दिखाता है जो अधिक देखा जाता है। इसलिए असभ्य कंटेंट तभी बढ़ता है, जब हम उसे बढ़ाते हैं। दर्शक अगर जिम्मेदार बन जाएं तो निमार्ता भी सुधरने को मजबूर होंगे। संवेदनशील और सुसंस्कृत समाज वही होता है, जहां लोकप्रियता का मापदंड शब्दों की गरिमा हो, न कि शब्दों की उत्तेजना। सोशल मीडिया अब किसी एक व्यक्ति का नहीं, पूरे समाज का दर्पण है। यहां जो लिखा, कहा और साझा किया जा रहा है- वही हमारी सामूहिक सोच बन रहा है। अगर हम चाहते हैं कि समाज में शालीनता और संवेदना बनी रहे, तो हमें वर्चुअल व्यवहार में भी वही अनुशासन अपनाना होगा जो वास्तविक जीवन में अपनाते हैं।

अब भारत से समाप्ति की ओर नक्सलवाद

ANALYSIS

✍ भूपेन्द्र भारतीय

अब विनय की अंतिम सीमा समाप्त हुई। लाल सलाम के नाम से लाल आतंक का पर्याय वर्षों तक भारत को भीतर से खोखला करता रहा, यह नक्सलवाद आज आखिरी सांस गिन रहा है। भारत ने आजादी के बाद जितना विकास देखा, उतना ही इस लाल आतंक ने उसे भीतर से लहूलुहान किया। जिन भोले व प्रकृति पूजक वनवासी अंचलों में कभी जनजाति गीतों की गूंज होती थी, वहां बारुद की गंध हवा में तैरने लगी। नक्सलियों ने वनवासियों से कहा कि वे उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन असल में उन्होंने उन्हीं के जीवन से मूलभूत अधिकार छीन लिये। उनके बच्चों को बंदूक थमाई, महिलाओं को ढाल बनाया। शहरों में बैठे अर्बन नक्सलियों का इसमें सबसे बड़ा हाथ रहा है। इन्हीं अर्बन नक्सलियों ने शहरों के वातानुकूलित कमरों में बैठकर नक्सली आग को हवा दी और भारत के 17 प्रतिशत भू-भाग को लाल क्रांति के नाम पर छह दशक से लहुलुहान किया। पूर्वोत्तर भारत के आंचलिक क्षेत्रों को विकास से वंचित रखा व अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का लंबे समय तक प्रयास किया। बंगाल के एक छोटे से क्षेत्र से शुरू हुआ यह लाल आतंक जैसे ही बंगाल में सत्ता में आया, नक्सलवाद वहां से गायब हो गया। इससे यही प्रतीत होता है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र भारत में नक्सलवाद के नाम पर सत्ता हथियाने के लिए विदेशी ताकतों के सहारे नक्सली बंदूक व हिंसा के दम पर सत्ता पाना चाह रहे थे।

बिनय न मानत जलधि जड़ गए तीन दिन बीति। बोले राम सकोप तब भय बिनु होइ न प्रीति॥ तीन दिन तक याचना करने के बाद भी जब समुद्र नहीं माना, तो श्रीराम को क्रोध आ गया और लक्ष्मण से बोले- बिना भय के प्रेम नहीं होता है। इसके बाद उन्होंने समुद्र को सुखाने के लिए अग्नि बाण चलाने का निर्णय लिया और इसी के बाद समुद्र देव प्रकट हुए और क्षमा याचना की- श्रीराम के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। यहां रामकथा से जुड़े इस महत्वपूर्ण प्रसंग की चर्चा इसलिए आवश्यक प्रतीत हुई, क्योंकि भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र, खासकर छत्तीसगढ़, बंगाल, झारखंड, बिहार व ओडिशा राज्य करीब पांच-छह दशकों से नक्सलियों, नक्सलवाद व अर्बन नक्सली विचारधारा से रक्तरंजित रूप से ग्रसित रहा है। इन सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर आखिरकार वर्तमान मोदी सरकार को इस लाल आतंक के पर्याय को आत्मसमर्पण के लिए अंतिम रूप से चेताना पड़ा, नक्सलियों के साथ कोई संघर्ष विराम नहीं होगा, केवल आत्मसमर्पण ही एकमात्र विकल्प है। अब विनय की अंतिम सीमा समाप्त हुई। लाल सलाम के नाम से लाल आतंक का पर्याय वर्षों तक भारत को भीतर से खोखला करता रहा, यह नक्सलवाद आज आखिरी सांस गिन रहा है। भारत ने आजादी के बाद जितना विकास देखा, उतना ही इस लाल आतंक ने उसे भीतर से लहूलुहान किया। जिन भोले व प्रकृति पूजक वनवासी अंचलों में कभी जनजाति गीतों की गूंज होती थी, वहां बारुद की गंध हवा में तैरने लगी। नक्सलियों ने वनवासियों से कहा कि वे उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन असल में उन्होंने उन्हीं के

जीवन से मूलभूत अधिकार छीन लिये। उनके बच्चों को बंदूक थमाई, महिलाओं को ढाल बनाया। शहरों में बैठे अर्बन नक्सलियों का इसमें सबसे बड़ा हाथ रहा है। इन्हीं अर्बन नक्सलियों ने शहरों के वातानुकूलित कमरों में बैठकर नक्सली आग को हवा दी और भारत के 17% भू-भाग को लाल क्रांति के नाम पर छह दशक से लहुलुहान किया। पूर्वोत्तर भारत के आंचलिक क्षेत्रों को विकास से वंचित रखा व अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का लंबे समय तक प्रयास किया। बंगाल के एक छोटे से क्षेत्र से शुरू हुआ यह लाल आतंक जैसे ही बंगाल में सत्ता में आया, नक्सलवाद वहां से गायब हो गया। इससे यही प्रतीत होता है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र भारत में नक्सलवाद के नाम पर सत्ता हथियाने के लिए विदेशी ताकतों के सहारे नक्सली बंदूक व हिंसा के दम पर सत्ता पाना चाह रहे थे। वामपंथी समर्थकों को वनवासियों के विकास की चिंता नहीं, बल्कि अपनी विचारधारा को जीवित रखने की चिंता है। हिंसा के दम पर सत्ता व शक्ति प्राप्त करने वाली विचारधारा। नक्सलियों ने संविधान और न्यायिक व्यवस्था को निशाना बनाया, जनता अदालत चलाकर समानांतर सत्ता कायम की। गवर्नेंस के अभाव में वहां विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य नहीं पहुंच पाया। हजारों बच्चे, बुजुर्ग व महिलाओं को अपने मूलभूत मानव अधिकारों से वंचित होना पड़ा। लेकिन मानव अधिकारों के पैरोकार वैश्विक संस्थाओं व संयुक्त राष्ट्र का इस ओर थोड़ा भी ध्यान नहीं गया, आश्चर्य का विषय रहा है। इस लाल सलाम से निपटने के लिए गत 11 वर्षों में वर्तमान केन्द्र सरकार के संकल्प, सुरक्षाबलों की समन्वित कार्रवाइयों और जनजातीय सहयोग से स्थिति बदली है। लाल आतंक के खात्मे के बाद सही मायनों में शांति तब आएगी, जब विकास व न्याय जन-जन तक पहुंचेगा। मोदी सरकार के 11 वर्ष के कार्यकाल में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। 70 के दशक की शुरूआत में नक्सलवाद और हथियारबंद विद्रोह की शुरूआत हुई। 1971 में स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे ज्यादा 3620 हिंसक घटनाएं हुईं और इसके बाद 80 के दशक में सबसे ज्यादा जनयुद्ध दल (पीपल्स वॉर ग्रुप) ने महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार और केरल तक विस्तार किया। 80 के दशक के बाद वामपंथी गुटों ने एक-दूसरे में विलय की शुरूआत की और 2004 में प्रमुख भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) गुट का गठन हुआ एवं नक्सली हिंसा ने और गंभीर रूप ले लिया। एक समय पशुपतिनाथ (नेपाल) से तिरुपति (तमिलनाडु-आंध्रप्रदेश) पट्टी तक को लाल पट्टी (रेड कॉरिडोर) कहा जाता था। 1960-2014 तक 66 अभेद्य पुलिस थाने बने थे, मोदी सरकार के 11 वर्षों में 576 और नए थाने बनवाए। 2014 में नक्सल प्रभावित जिले 126 थे जो अब घटकर 18 रह गए और इनमें से भी ज्यादा प्रभावित 36 जिलों में अब वर्तमान सरकार की निर्णायक कार्यवाही व भय बिनु होइ न प्रीति नीति पर चलते हुए यह लाल सलाम वाली पट्टी सिर्फ गंभीर प्रभावित छह जिलों में ही सिमट गई है। जहां पहले की सरकारों के समय लाल आतंक के प्रति बिखरे हुए दृष्टिकोण से काम होता था, घटना आधारित प्रतिक्रिया होती थी और कोई स्थायी नीति नहीं थी, एक प्रकार से सरकार की प्रतिक्रिया का नियंत्रण नक्सलियों के पास था। वर्तमान सरकार में गृहमंत्री के नेतृत्व में 2014 के बाद सरकार के अभियानों और कार्यक्रमों की कमान भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने अपने जिम्मे ली और यह एक बड़ा नीतिगत बदलाव है। विगत दिनों एक कार्यक्रम में गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बिखरे दृष्टिकोण की जगह अब एकीकृत और दृढ़ नीति को अपनाया गया है। वर्तमान सरकार की नीति यह है कि जो हथियार छोड़कर आत्मसमर्पण करना चाहते हैं, उनके लिए स्वागत है, लेकिन अगर कोई हथियार लेकर निर्दोष वनवासियों की हत्या करेगा तो सरकार का संवैधानिक धर्म है कि वह उन्हें बचाए और हथियारबंद नक्सलियों से कड़ाई से निपटे। इसी नई रणनीति के परिणाम है कि अब तक लाल सलाम की समस्या का 90 प्रतिशत समाधान होने पर है और पीछले दो वर्षों 2024 में 881 व 2025 में अब तक 1241 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। अब आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की संख्या लगातार बढ़ रही है और निरंतर लाल सलाम की पट्टी समाप्ति की ओर है। जैसा कि साल 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तब भारत सरकार ने संवाद, सुरक्षा और समन्वय- इन तीनों पहलुओं पर काम करने की शुरूआत की थी, इसके परिणामस्वरूप 31 मार्च 2026 को भारत से हथियारबंद नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा। श्रीराम के आदर्शों व संवैधानिक मूल्यों पर चलने वाली इस पवित्र भूमि पर रक्तरंजित लाल सलाम के लिए यह अंतिम दिवस होगा, हमें यही विश्वास है।

परंपरा और प्रौद्योगिकी का संगम है नया भारत

साल 2025 का भारत आर्थिक आत्मविश्वास और अर्जित सम्मान की नई ऊंचाइयों पर खड़ा है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, अमेरिकी टैरिफ और पश्चिमी दबावों जैसी चुनौतियों के बीच भी भारत ने अपनी विकास दर को स्थिर रखा है। साथ ही समावेशी और टिकाऊ विकास का उदाहरण भी पेश किया है। कहना होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत आत्मनिर्भरता और आधुनिकता के संगम से एक नई आर्थिक पहचान गढ़ रहा है। सरकारी नीतियों की स्थिरता, जनकल्याण की निरंतरता और निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। वस्तुतः अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों- आईएमएफ, विश्व बैंक और एशियन डेवलपमेंट बैंक की रिपोर्टों के अनुसार, भारत 2025 में लगभग 6.5 प्रतिशत की दर से आर्थिक वृद्धि दर्ज कर रहा है, जो वैश्विक औसत 3.2 प्रतिशत से लगभग दुगुनी और चीन की 4.8 प्रतिशत दर से भी अधिक है। भारत की कुल जीडीपी अब 4.3 ट्रिलियन डॉलर यानी 357 ट्रिलियन रुपये से अधिक हो चुकी है, जिससे वह अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो गया है। इस उपलब्धि के पीछे सरकार की पूंजीगत व्यय में ऐतिहासिक वृद्धि, सेवा क्षेत्र की तेजी, मजबूत घरेलू खपत और डिजिटल ढांचे का व्यापक विस्तार जैसे कारक हैं। रेलवे, सड़क, बंदरगाह, हरित ऊर्जा और रक्षा निर्माण में बढ़ते निवेश ने भारत की अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक मजबूती प्रदान की है। हमारे लिए यह गौरवपूर्ण बात हो सकती है कि अमेरिकी प्रशासन द्वारा भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने के बाद भी निर्यातकों ने अद्भुत लचीलापन दिखाया। अप्रैल से सितंबर 2025 के बीच भारत का कुल निर्यात (वस्तु और सेवा मिलाकर) 413 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 396 बिलियन डॉलर की तुलना में 4.45 प्रतिशत अधिक है। यह इस बात का प्रमाण है कि भारत वैश्विक संकटों के प्रभाव से उबरने में सक्षम है। मोदी सरकार ने कठिन परिस्थितियों में भी ऊर्जा नीति को राष्ट्रहित में रखा हुआ है। जैसा कि देखने में भी आया, रूस जैसे वैकल्पिक स्रोतों से सस्ते तेल आयात जारी रखकर औद्योगिक लागत को नियंत्रण में रख पाने में सरकार सफल रही है। घरेलू बाजार में त्योहारी सीजन के दौरान जबरदस्त उछाल रहा, दिवाली 2025 पर देश भर में रिकॉर्ड 6.05 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हुआ, जो पिछले वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है। इससे यह स्पष्ट हुआ कि भारतीय उपभोक्ता का विश्वास अपनी अर्थव्यवस्था पर मजबूत बना हुआ है। यह भी हमारे लिए गौरव की बात है कि 87 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने वोकल फॉर लोकल अभियान भाग लेकर स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दी। धनतेरस पर एक ही दिन में एक लाख से अधिक चारपहिया वाहनों की बिक्री हुई, जिनमें प्रमुख रूप से भारतीय और भारत में निर्मित ब्रांड्स- टाटा, महिंद्रा, मारुति और हुंडई का दबदबा दिखा। यह दृश्य बताता है कि हमारी क्रय शक्ति लगातार बढ़ रही है। यह आत्मनिर्भर भारत के प्रति समाज का भावनात्मक जुड़ाव भी है। स्वदेशी कंपनियों की सफलता की कहानियाँ अब वैश्विक स्तर पर चर्चा में हैं। ऑटोमोबाइल, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, एफएमसीजी और खुदरा क्षेत्र में भारतीय कंपनियाँ विदेशी ब्रांड्स को कड़ी टक्कर दे रही हैं। मोबाइल निर्माण के क्षेत्र में भारत अब 300 से अधिक उत्पादन इकाइयों के साथ विश्व का प्रमुख केंद्र बन चुका है। 2025 के पहले पाँच महीनों में ही देश में आईफोन के उत्पादन का मूल्य 10 बिलियन डॉलर पार कर गया। टाटा, महिंद्रा, बजाज और मारुति जैसे ब्रांड्स लगातार बाजार में अग्रणी हैं, जबकि एफएमसीजी और खुदरा क्षेत्र में डाबर, पतंजलि, आईटीसी, रिलायंस रिटेल और गोदरेज जैसी कंपनियों ने मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। ग्रामीण और शहरी दोनों बाजारों में स्थानीय उत्पादों की खपत बढ़ने से अपार नए रोजगार में वृद्धि दिख रही है। ऐसे में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं भी ध्यान में आती हैं। इस वर्ष में मोदी सरकार की दस प्रमुख योजनाओं ने गरीब, किसान, महिला, युवा और बुजुर्ग सभी वर्गों को सशक्त किया है। पीएम सूर्य घर योजना के तहत लाखों घरों में सौर ऊर्जा से मुफ्त बिजली मिल रही है। आयुष्मान भारत योजना से 50 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त इलाज का लाभ मिला है। जन-धन योजना के माध्यम से अब तक 52 करोड़ से अधिक खाते खुले हैं, जिससे वित्तीय समावेशन को वैश्विक स्तर पर मिसाल माना जा रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। आवास योजना में अब तक चार करोड़ से ज्यादा घरों का निर्माण हो चुका है। स्वच्छ भारत मिशन ने ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में जीवनस्तर को सुधारा है और कौशल विकास योजनाओं ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। वृद्धावस्था पेंशन और अंत्योदय अन्न योजना जैसे कार्यक्रमों ने कमजोर तबकों को सुरक्षा कवच दिया है। विदेशी निवेश के क्षेत्र में भी भारत का प्रदर्शन उल्लेखनीय दिखता है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में रिकॉर्ड 81 बिलियन डॉलर का एफडीआई आया, जो अब तक का सर्वाधिक है। यह निवेश सेवा, मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में हुआ, जिससे लाखों नए रोजगार बने। मेक इन इंडिया और पीएलआई योजनाओं ने एपल, फॉक्सकॉन, सेमसंग और माइक्रोन जैसी वैश्विक कंपनियों को भारत में उत्पादन इकाइयाँ स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम अब विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बन चुका है, जहाँ सौ से अधिक यूनिकॉर्न्स सक्रिय हैं जोकि नवाचार के नए द्वार खोल रहे हैं। इसी तरह आज कृषि, सेवा और औद्योगिक क्षेत्र तीनों ही मोर्चों पर संतुलित प्रगति दिखाई दे रही है।

Social Media Corner

सच के हक में...

'भाजपा को जानें' पहल के तहत नई दिल्ली में श्रीलंका के विपक्ष के नेता श्री सजित प्रेमदासा से मुलाकात की। मैंने बताया कि हमारी पार्टी जमीनी स्तर पर कैसे काम करती है और जनता-प्रथम की नीतियाँ भारत की विकास यात्रा को कैसे आकार दे रही हैं। हमने इस बात पर सार्थक चर्चा की कि राजनीतिक दल नागरिकों की बेहतर सेवा कैसे कर सकते हैं। मैंने यह भी बताया कि कैसे पार्टी और सरकार के बीच समन्वय से कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है। भारत और श्रीलंका ने हमेशा एक-दूसरे का घनिष्ठ पड़ोसी के रूप में समर्थन किया है। दोनों देशों की प्रगति और विकास के लिए मिलकर काम करने की आशा है।

(जेपी नड्डा का का 'एक्स' पर पोस्ट)

हेमंत सरकार एक बार फिर किसान विरोधी फैसला लेने की तैयारी में है। धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर दिए जाने वाले बोनस में कटौती की योजना बनाई जा रही है। सरकार बार-बार किसानों के साथ विश्वासघात कर रही है। चुनाव से पहले हेमंत सरकार ने 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदने का वादा किया था, लेकिन वास्तव में 2400 रुपये प्रति क्विंटल की दर से ही खरीद हुई। अब उसमें भी 19 रुपये प्रति क्विंटल की नई कटौती का प्रस्ताव लाया गया है। हेमंत सोरेन जी, अन्नदाता किसानों के हक पर चोट करना छोड़ दीजिए। अगर एक पैसे की भी कटौती की गई तो भाजपा आपकी सरकार का दाना-पानी बंद कर देगी। किसानों के हक से कोई समझौता नहीं होगा।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

चीन-अमेरिका की भिड़ंत में उलझा विश्व

चीनी वाणिज्य मंत्रालय की एक अधिसूचना से दुनिया में हड़कंप सा मचा गया। इसके जरिए अस्तित्व में आने वाला नियम विश्व व्यापार और उत्पादन के तौर-तरीके बदल सकता है। यह नियम रेयर अर्थ मैटेरियल कहे जाने तत्वों, परमानेंट मैग्नेट्स और संबंधित तकनीकों के निर्यातों पर व्यापक नियंत्रण लगाता है। इस प्रविधान को समझें तो किसी भी कंपनी का उत्पाद जिसमें चीनी-प्रसंस्कृत रेयर अर्थ का 0.1 प्रतिशत हिस्सा भी शामिल है, उसे उसकी बिक्री या निर्यात से पहले बीजिंग की स्वीकृति प्राप्त करनी होगी। सैन्य उपयोग के लिए निर्यात को तो सैद्धांतिक रूप से प्रतिबंधित ही कर दिया गया है, जबकि सेमीकंडक्टर्स और एआइ से संबंधित मामलों में कड़ी निगरानी रखी जाएगी। सतही तौर पर तो चीन की यह पहल यह एक संकीर्ण व्यापार नियम जैसी प्रतीत हो सकती है, लेकिन वास्तव में यह वैश्विक आर्थिक शक्ति के संतुलन में किसी निर्णायक पड़ाव से कम नहीं है। रेयर अर्थ असल में 17 धातुओं का एक समूह है, जिनकी लड़ाकू विमान, पवन ऊर्जा टरबाइन, इलेक्ट्रिक वाहन, स्मार्टफोन और चिकित्सा स्कैनर जैसे तमाम आधुनिक उत्पादों के निर्माण में अहम भूमिका होती है। मूल रूप से इनकी उपलब्धता उतनी दुर्लभ नहीं, जितना जटिल और महंगा इन्हें परिष्कृत कर उपयोग में लाने की पूरी प्रक्रिया है। यह पर्यावरण को भी भारी क्षति पहुंचाती है। तीन दशकों के दौरान चीन ने इन सामग्रियों के खनन, पृथक्करण और प्रसंस्करण के लिए दुनिया का सर्वोत्तम तंत्र स्थापित कर लिया है। रेयर अर्थ के करीब 70 प्रतिशत खनन और 90 प्रतिशत परिष्करण में चीन की हिस्सेदारी से इस मोर्चे पर उसका दबदबा समझा सकता है। इस नए नियम के साथ चीन इस कोशिश में लगा है कि वह अपने औद्योगिक प्रभुत्व को रणनीतिक नियंत्रण के कानूनी उपकरण में बदल सके। पहली बार वह अमेरिकी नियमों के समान एक ऐसा ढांचा बना रहा है। अमेरिका भी अपने प्रभुत्व वाले उत्पादों की बिक्री एवं निर्यात के मामले में मनमाने प्रविधान करता आया है। बीजिंग ने इसे इस रूप में और विस्तार दे दिया है कि अगर उसकी आपूर्ति वाले रेयर अर्थ का किसी तैयार उत्पाद में लेशमात्र भी उपयोग होता है, तो उसके बारे में निर्णय का अधिकार उसका ही होगा। यह देशों की आर्थिक संप्रभुता को चुनौती देने वाला है। यह चीन की एक बड़ी रणनीतिक योजना है, जिसमें कानून, नियम और लाइसेंसिंग का उपयोग भू-राजनीतिक शक्ति के उपकरणों के रूप में किया जाता है। एक समय अमेरिका ने चीन के सेमीकंडक्टर उद्योग के खिलाफ अतिरिक्त क्षेत्रीय व्यापार नियंत्रणों का उपयोग किया था। बीजिंग अब उन तरीकों को दोहरा रहा है। प्रत्येक पक्ष अपने कार्यों को रक्षात्मक के रूप में सही ठहराता है, लेकिन दोनों आर्थिक प्रतिशोध का ही प्रतीक हैं। चीन के इस कदम से कंपनियों को अब जटिल कागजी कार्रवाई, स्थानीय मध्यस्थों और स्वीकृति से जुड़ी शृंखलाओं के माध्यम से कोई तोड़ निकालना होगा। इसमें कई महीनों का समय भी लग सकता है। औपचारिक स्वीकृति के बिना ऑर्डर प्रभावित हो सकते हैं। मानो इतना ही पर्याप्त नहीं। चीन ने अपने पेशेवरों की रेयर अर्थ से जुड़ी विदेशी परियोजनाओं में सहभागिता पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। इससे तकनीकी ज्ञान का हस्तांतरण सीमित हो गया है। इसने डाटा, बैटरियों और औद्योगिक मानकों पर निगरानी भी बढ़ा दी है। स्वाभाविक है कि कीमतों का परिदृश्य भी इस परिवर्तन से प्रभावित होगा। इलेक्ट्रिक मोटर्स में उपयोग होने वाले प्रमुख रेयर अर्थ नियोडिमियम और डाइसप्रोसियम की कीमतें बढ़ गई हैं। निमार्ता गैर-चीनी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन अमेरिकी और आस्ट्रेलियाई विकल्पों की निर्बाध आपूर्ति में अभी कई साल लग सकते हैं। परिणामस्वरूप स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं से लेकर इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण की प्रक्रिया धीमी पड़ सकती है। इसके पीछे मांग में कमी नहीं, बल्कि कच्चे माल की बाधाएं अधिक जिम्मेदार होंगी।

गंवा दिया गया अवसर

वर्ष 1995 में जब भारत दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) का वार्ता साझेदार बना तथा 2002 में जब इसका दर्जा बढ़ाकर शिखर सम्मेलन स्तर का किया गया, तब से आसियान का सालना शिखर सम्मेलन भारत के लिए ऐतिहासिक संबंधों वाले तथा अब बढ़ते भू-राजनैतिक महत्व वाले क्षेत्र के साथ फिर से जुड़ने का मौका रहा है। आसियान और आसियान-भारत शिखर सम्मेलनों के अलावा, हर साल आयोजित होने वाला पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, रूस, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान, दक्षिण कोरिया, भारत और आसियान के सदस्य देश शामिल हैं) भारतीय नेतृत्व के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र के मुद्दों पर सबसे शक्तिशाली देशों के साथ बातचीत करने का एक अवसर है। मिसाल के तौर पर, ऑस्ट्रेलिया-भारत और जापान-अमेरिका क्वाड का पुनर्जन्म एक दशक के लंबे अंतराल के बाद 2017 में आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान ही हुआ था। कुआलालम्पुर में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में अपने वर्चुअल भाषण में इस महत्व को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21वीं सदी को भारत और आसियान की सदी कहा और आसियान की एकता, आसियान की केंद्रीयता और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के बारे में आसियान के नजरिए के प्रति भारत के समर्थन की प्रतिबद्धता जाहिर की। उन्होंने यह भी एलान किया कि 2026 आसियान भारत समुद्री सहयोग का साल होगा, जिसमें मानवीय सहायता एवं आपदा के दौरान प्रतिक्रिया, समुद्री सुरक्षा और इस क्षेत्र की नीली अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। यह शिखर सम्मेलन- जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने किया। यह ऐसे समय में हुआ, जब भू-राजनैतिक उथल-पुथल बढ़ रही है, जिसमें अमेरिका की टैरिफ नीति से उत्पन्न आर्थिक उथल-पुथल, महत्वपूर्ण निर्यातों पर चीन की बाधाएं और समुद्री तनाव शामिल हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Onus beyond the51-crore bonus to the Women in Blue

The floodgates opened by Harmanpreet Kaur & Co's World Cup win are unleashing wave after positive wave. There is the satisfaction every player steps onto the field for, the pride of parents and coaches who support from the sidelines, the inspiration of young girls and boys everywhere who will vocalise their dreams with less diffidence, and the inevitable claiming of credit.There has even been talk on whether the ?51-crore bonus the Board of Control for Cricket in India announced for the team and the support staff was enough. It's an exceptionally good space for women's cricket to be in, and those who have worked tirelessly behind the scenes will take the win. But India's win also presents a tremendous opportunity—one that does not come by often enough—and it will be interesting to see if the BCCI has the alacrity to seize it. The question around the bonus is tricky. For starters, a bonus is not something you demand. When the Indian men's team won the Champions Trophy, they received a bonus of ?58 crore, and given that the men's contingent is larger, the difference in amount is negligible. But this is the first World Cup win for the women, and you can see why there was the thought that the BCCI could have been more generous.The other side of that coin is that women's cricket does not yet attract the sort of viewership the men's team does. And it is from this that revenue follows—an aspect the administrators fall back on to justify equal pay for matches (men and women play games of the same duration), but different pay scales in central contracts.

Also, the women play far fewer matches and therefore are remunerated less. This too is a complex issue, as the BCCI and perhaps the England and Australia boards are financially well enough to plough money into the women's game; but this is not the case elsewhere. Even if the BCCI wanted to give the Indian team more opportunities, the calendar would not come close to matching the men's game because there isn't enough viable opposition to play.Now, all these are ground realities, but the opportunity before the Indian board is a clear one. While it must be acknowledged that the men's and women's games are different ecosystems, it is less clear if the BCCI recognises its obligation to promote and support the men's and women's games with equal intent and resources.The 'returns'—for want of a better word—from the women's game will be relatively insignificant compared to the men's. And yet, the game is not administered by the Board of Control for Men's Cricket in India. The opportunity before the BCCI is to embrace genuine inclusivity. If they see investing in women's cricket as its responsibility, and not as doing a favour to a game that cannot sustain itself financially, this World Cup win would have served its truest purpose.In the men's game, the BCCI has reaped the benefits of inclusivity. It was not that long ago that the sport was concentrated in metros. Anyone from smaller cities had to travel far to access infrastructure, coaching, and technical know-how.That changed when talent fought its way from the hinterland to the highest level—Mahendra Singh Dhoni's being an especially illustrative case. This then led to more investment, which in time ensured wider representation and access to a much larger talent pool.In that sense, the BCCI has proof of concept in terms of investing in underserved sections of cricket in India. It pays dividends, and they have the money to do so. The will has historically been lacking; but that, too, has changed.

Not goddess or angel, let the mother be unapologetically human

From the "cult of domesticity" in the 19th century to the "Supermom" and "Soccer Mom" images of the last century, motherhood has been trapped in impossible, exhaustive standards

God could not be everywhere, and therefore he created mothers. It's a familiar saying, one that resurfaces every year around Mother's Day. While it sounds like a heart-warming tribute, it carries an inherent danger — the act of turning an ordinary, fallible woman into a quasi-divinity. The mother is perched on a pedestal so impossibly high that she is expected to possess infinite patience, limitless love, and unending responsibility. She must nurture without complaint, give without asking, forgive without reason.It is this mother we encounter in Nissim Ezekiel's poem 'Night of the Scorpion', where after a night of enduring the pain of the insect's sting, she exclaims, "Thank God the scorpion picked on me/And spared my children." It is an image sanctified by familiar cultural and everyday tropes. Recall that famous line from the Hindi movie 'Deewar': "Mere paas maa hai." It firmly captures a familiar ideal of motherhood — unconditional love, an unwavering refuge and a steady moral compass.

Across regions and traditions, this ideal of the selfless mother takes many forms. There is the mother goddess, venerated across faiths and in prayers, whose protective power shields her devotees from harm. There is the concept of nation embodied as mother and divinity — Abanindranath Tagore's Bharat Mata depicts an ascetic four-armed woman — and this has since been assiduously and relentlessly built into political narratives. Then, there is Mother Nature personified in rivers, forests, mountains and fertile soil, endlessly giving and sustaining life.Yet mothers are not celestial beings para-dropped into domestic life. They are flesh and blood — women shaped by struggle, desire, disappointment, frailty and ambition. EM Forster, who lived with his mother, wrote that she had "cramped and warped my genius" yet also "provided a sort of rich subsoil where I have been able to rest and grow". In her memoir 'Mother Mary Comes to Me', Arundhati Roy describes her mother as both "my shelter and my storm", presenting a picture of a woman who was far from angelic and more human — fragile, flawed and full of contradictions. "In my effort to fathom my mother, to see things from her perspective, to accommodate her, to understand what hurt her, what made her do the things she did… I turned into a maze… hoping to gain a vantage point for a perspective other than my own," writes Roy.

The maze can, however, reveal things one would rather not face. Last year, Canadian literary icon Alice Munro — whose fiction illuminated the inner lives of women — was accused by her daughter, Andrea Skinner, of ignoring her suffering. Skinner said she was abused by her stepfather as a child and that her mother chose silence. Skinner wrote that Munro reportedly told her that "our misogynistic culture was to blame if I expected her to sacrifice for her children". The revelation toppled down not just a reputation but the idea that a mother's love is always selfless.From the "cult of domesticity" in the 19th century to the "Supermom" and "Soccer Mom" images of the last century, motherhood has been trapped in impossible, exhaustive standards. Zadie Smith recalls that as a child, she demanded complete submission from her mother. "Oh, it's very nice and rational and respectable to say that a woman has every right to her life, to her ambitions, to her needs, and so on… Only as an adult did I come to truly admire her — especially in the last, painful years of her life — for all that she had done to claw some space in this world for herself," she writes in 'Swing Time'Adrienne Rich described the exhaustion that motherhood demands without any inhibition in 'Of Woman Born': "My children cause me the most exquisite suffering. It is the suffering of ambivalence." She wrote of bitter resentment and blissful gratification living side by side.

This ambivalence often runs like a silent undercurrent in relationships. Samuel Beckett wrote of his mother: "I am what her savage loving has made me." It is an acknowledgement of both the gratitude and grievance that defined their bond. In her autobiography 'My Story', writer Kamala Surayya recalls a childhood marked by neglect, describing her mother, the Malayalam poet N Balamani Amma, as "vague and indifferent". But the image shifts in her poem 'My Mother at 66', where she watches age slowly claim her mother's face, "wan, pale as a late winter's moon". Similarly, Balamani Amma, in a poem addressed to her daughter, writes: "Your power to turn worms into butterflies comforts me."

It reminds us that the bond between a mother and child isn't always static, fixed in devotion or rebellion — it evolves, weathered by years, deepened by the act of seeing each other as flawed, feeling human beings rather than roles ordained by tradition.Perhaps the real tribute to a mother is not to worship her, but to allow her to be a person. Not a goddess. Not an angel. Just a woman — gloriously, unapologetically human.

Eradicating poverty: A job not fully done

Lifting households out of poverty once does not guarantee sustained food, livelihood, and housing security. A measure of circumspection is essential amid the celebratory claims

Kerala has declared itself free of extreme poverty—a bold claim which, if true, marks a major milestone even for a state that takes pride in its human development achievements. Making the announcement on the state's formation day, Chief Minister Pinarayi Vijayan said his government has spent over ?1,000 crore to eradicate extreme poverty and called the accomplishment the 'real Kerala story'. The Congress-led opposition dismissed the claim as bogus, while several experts raised doubts about the exercise's credibility, citing a lack of transparency in the underlying data. Even the nature of the public event marking the announcement, with actor Mammootty in attendance, made it seem as much a public-relations moment as a policy milestone.That said, the state government deserves credit for making a sustained effort to identify extremely poor families. It began with a survey in 2021 that identified 1,03,099 people—roughly 0.2 percent of Kerala's population—as living in extreme poverty. Government bodies then devised customised plans to address each family's needs relating to livelihood, food, shelter, health, and education, and ensured essential documentation. As part of the exercise, 5,422 houses were built and 5,522 renovated.

However, this Kerala story cannot be seen in isolation. A recent World Bank assessment based on the $3-a-day international poverty line recorded a sharp drop in India's extreme poverty—from 27.1 percent in 2011-12 to 5.3 percent in 2022-23. According to the estimates, 269 million people moved out of extreme poverty over the decade, with Uttar Pradesh, Maharashtra, Bihar, West Bengal, and Madhya Pradesh accounting for two-thirds of the decline. While Kerala made special efforts to lift select families above the poverty threshold, it has also benefited from India's broader improvements in living standards.

Hence, a measure of circumspection is essential amid the celebratory claims. Lifting households out of poverty once does not guarantee sustained food, livelihood, and housing security. For the record, Kerala continues to grapple with a high unemployment rate, with a 2024 survey showing nearly 30 percent of those aged 15–29 jobless. Meanwhile, a sizeable portion of the state's tribal population still battles hunger and landlessness. Unless these structural challenges are addressed, the big claim risks being remembered less as a transformative achievement and more as a political narrative crafted for electoral advantage.

A linguistic game of definitions

Nominal definitions follow predominant social conventions and vary according to the setting, while other definitions are about some essential attributes. Philosopher Ludwig Wittgenstein saw the choice of one or the other as a game. At times, courts pass on the weight of a definition to other terms

Oftentimes definitions can limit you, imposing unnecessary constraints, enclosing things within the four corners of a narrow, arbitrary boundary that you set for yourself. Other times, they provide no real meaning as the thing defined may not mean anything by itself.Take the example of 'Water!'. One might use it as a command to have someone else bring a glass of water, or as a proclamation at having found drinking water in the middle of a desert. Here, the word water, by itself, conveys no meaning apart from its usage.Or for that matter, 'Fire'. In isolation, it is a chemical reaction involving rapid oxidation that produces heat and light. But this technical definition tells us nothing about what the word actually does when used. Shouted inside a theatre, it would cause a severe panic.Some definitions are agreements on the usage of terms or expressions, while others are about some essential attributes. While the former, known as nominal definitions, takes cues from predominant social conventions and vary depending on the social setting, the latter tells us about the terms' real definitions or definitions de re, that is, about the way these terms are to be used and their essentialities.

A teacher explaining, say, the chemical composition of lactic acid would attempt to provide the real definition to her students. As Ludwig Wittgenstein notes in Philosophical Investigations, such essentialities are expressed by grammar. On the other hand, a builder, while giving instructions to his assistant, does not speak in the language of the approved sketch, but in a rudimentary language that has real meaning between the two. While definitions de re are necessary as a short-hand, they encourage confusion, especially when the term or concept involved is not one of science but one that straddles between the physical world and linguistic constructs.Take the example of 'law'. Any attempt at a real definition of the word would either simply be de dicto—that is, a definition based on usage—or drown in the pitfalls of the empirical method, leading us nowhere. Thus, the general description of terms based on grammatical rules may not always help us. The meaning of such words can only be determined by an analysis of the linguistic phenomenons. This is so as our language is intelligible only when we see it as against the background of human activities and forms of life.

Wittgenstein states that the plurality of language uses is similar in nature to that of games. Let us take the example of the word 'games' itself. Any de re definition would require to cover all possible varieties of games—be it played on a board, a pitch, or a screen. An easier and more accurate way to define would be on the basis of attributes. Even this may sometimes be difficult: while some games have a few attributes in common, these similarities can disappear.While certain families of games carry resemblances that crisscross just like members of a family, what makes a game a part of a particular family may differ for each family—meaning that there cannot be a singular definition of the word 'game'. As such, the question cannot be 'what are games?', but what attributes are relevant while identifying something as a game in the context of a particular 'language game'. This recognition of family resemblances is not foreign to our judiciary, though it remains unarticulated. Courts largely agree that definitions cannot always be ready reckoners in the legal process, but that such definitions still remain tools of interpretation.

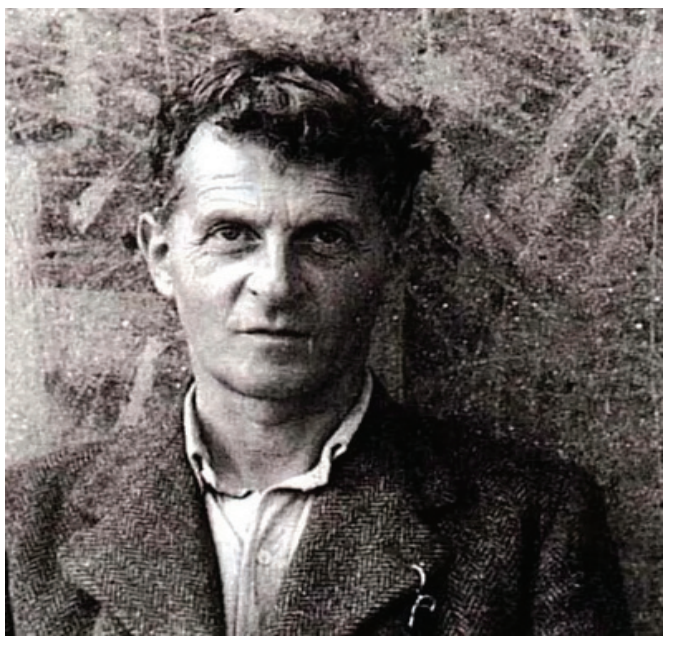

Take the term 'game of skill'. While the Supreme Court in Dr K R Lakshmanan (1996) sought to define the term as one in which success depends principally upon the superior knowledge, training, attention, experience, and adroitness of the player, it is generally acknowledged by courts that such broad-based definition of the term would not be workable. In fact, the courts have emphasised that the question of whether a game is one of skill or of chance is a 'question of fact' that must be decided based on the specific circumstances of each case. This means a court will meticulously analyse the rules, gameplay mechanics (patterns of play, role of memory, and strategy), and the role of player decisions in influencing the final result. As such, the definition in Dr K R Lakshmanan remains only an aid, and not really the basis of any classification. The court knew that the predominance of skill was not measurable like temperature or weight; it's a judgement call dressed in the language of objectivity.Therefore, the de dicto definition by the court is but a judicial dance that appears authoritative until one realises it merely postpones the question. What does 'principally' mean? How do we measure 'superior knowledge'? The definition defines nothing; it simply shifts the ambiguity to new terms, like a thimblerig or shell game where confusion is the prize.

Cautious optimism on Dalal Street: Nifty near 25,650, sectoral divergence

New Delhi.(Agency)

Indian equity benchmarks opened on a firm note on Thursday, supported by upbeat corporate earnings, positive global cues, and optimism over MSCI index inclusions. However, the initial gains moderated as traders turned cautious amid selective profit booking in metal and power counters.In early trade, the BSE Sensex rose over 300 points to around 83,698, while the Nifty 50 climbed nearly 70 points to touch 25,666. However, the Sensex dropped sharply in the midmorning and settled at 83,399 at 11.30 AM. Broader market indices, including mid- and small-cap segments, underperformed as investors booked profits following a strong run earlier in the week.

Market sentiment was buoyed by better-than-expected quarterly results from companies such as Britannia Industries and Mahindra & Mahindra. The inclusion of several Indian firms in the MSCI Global Standard Index also lifted foreign inflow expectations. Positive cues from other Asian markets added to the early momentum, with Japan and South Korea trading higher in morning deals.

However, weakness in select sectors limited overall gains. The metal index declined sharply, led by losses in Hindalco Industries after negative global developments weighed on sentiment. Power and media stocks also traded lower, while FMCG, banking, and auto shares showed resilience.

Foreign Institutional Investors (FIIs) continued to remain net sellers, offloading over ₹1,000 crore in the previous session, while Domestic Institutional Investors (DIIs) provided partial support through sustained buying.Technically, the Nifty faces immediate resistance near 25,750–25,800, while support lies around 25,500–25,400 levels. Analysts expect the index to remain range-bound in the near term, with a focus on stock-specific action rather than broad-based movement.

Shriram General Insurance's GWP Up 28%; net profit rises 6% in H1 FY26

New Delhi.(Agency)

The Shriram General Insurance Company (SGI) delivered a strong performance in the first half of fiscal 2026, driven by sustained momentum in its motor insurance portfolio. The company recorded a 28% year-on-year increase in Gross Written Premium (GWP), reaching Rs 2,045 crore, up from Rs 1,594 crore in H1 FY25 — four times the general insurance industry's average growth rate of 7%.

The company's solvency ratio stood at 3.33 as of September 30, 2025, well above the regulatory requirement of 1.5 times. SGI had 69 lakh active policies as of September 2025, compared to 63 lakh a year ago.The company's drive to onboard financial advisers gained further momentum during the period, with 9,482 new financial advisers being recruited during the first half of the fiscal. SGI's total financial adviser strength stands at 97,570, with plans to scale this up to two lakh by fiscal year 2029–30. The non-life insurance company currently has the highest number of financial advisers in the industry.

Anil Aggarwal, MD & CEO of Shriram General Insurance Company, said, "The sustained growth of our motor insurance portfolio reflects the trust our customers place in us and underscores our commitment to innovation, reliability, and excellence. We will continue setting the standard for solutions that protect and empower every journey."

The net profit for the period rose by 6%, climbing to Rs 269 crore from Rs 254 crore in the same period last year. Additionally, investment income grew by 18%, supported by consistent returns from financial instruments.

The motor segment grew 26% year-on-year in the second quarter of FY26. Net profit rose 3.11% to Rs 144 crore in Q2 FY26 from Rs 140 crore in the same quarter of the previous fiscal. Investment income increased to Rs 253 crore — up by 30.49% from Rs 194 crore in Q2 FY25.

Coromandel MD elected chairman of Fertiliser Association of India

New Delhi.(Agency)

The Board of Directors of the Fertiliser Association of India (FAI), in its meeting held on October 31, elected S Sankarasubramanian, Managing Director and CEO of Coromandel International Limited, as Chairman of FAI.

Dr Siba Prasad Mohanty, Managing Director of Hindustan Urvarak & Rasayan Ltd., formerly one of the two Co-Chairmen, will now serve as the sole Co-Chairman of FAI.Sankarasubramanian, who was previously Co-Chairman of the FAI Board and Chairman of FAI's Southern Region, brings over three decades of diverse experience in the fertiliser industry, particularly in the Phosphatic and Potassic (P&K) sector.

Mr Sankarasubramanian said, "FAI is committed to driving innovation and sustainability through resource efficiency and balanced nutrition, while working closely with policymakers to achieve Atmanirbharta in the fertiliser sector. We will continue to align industry goals with national agricultural priorities to foster growth, resilience, and long-term food security."

The Fertiliser Association of India thanked Sailesh C. Mehta, the outgoing Chairman of FAI, for his leadership and said it looks forward to his continued guidance and support for the sector.Established in 1955, FAI is a non-profit apex industry body representing fertiliser manufacturers, distributors, importers, equipment manufacturers, research institutes, and input suppliers.

Is BPNL a lifesaver or a debt trap? The hidden side of easy credit, explains expert

New Delhi.(Agency)

Buy Now, Pay Later (BNPL) apps promise a simple idea — shop now, pay later, often with zero interest. With festive season discounts and smooth one-tap payments, many users see it as easy money. But Abhishek Kumar, Sebi-registered investment adviser and founder of Sahaj Money, believes the dangers often show up only later."Buy Now Pay Later is basically lending candy to yourself. Looks great until the bill arrives," he wrote on LinkedIn.

A recent real-life case he shared proves this point. During Diwali, one user borrowed a total of Rs 85,000 across five BNPL platforms. At first, it felt manageable — small instalments, zero interest, seamless payments.

But things quickly changed."One missed EMI turned a Rs 500 late fee into Rs 2,300. His credit score took a hit. Now he's handling a debt pile that began as 'just essentials'," Kumar says.

THE 'ZERO INTEREST' HEADLINE IS NOT THE FULL STORY

Most BNPL offers promote interest-free credit, but only for a limited time. Once that window closes, interest charges kick in just like any other loan.

"That zero interest has an expiry date. After that? You're paying interest on EMIs. Always read what happens after the offer period," says Kumar.

HIDDEN COSTS CAN QUIETLY PILE UP

Many assume BNPL is completely free if repaid on time. But there are often processing charges, convenience fees, or penalties for failed or delayed payments that users notice only later."Not all BNPL is interest-free. Fees, penalties, and add-on charges can add up faster than you expect," he warns.BNPL payments are reported to credit bureaus just like personal loans and credit cards. That means a late payment is not a minor slip — it can lower your credit score."A missed EMI is not a slap on the wrist. It hits your credit file and stays there," says Kumar.

AUTO-DEBITS AREN'T ALWAYS FOOLPROOF

Many payments are set to auto-debit from

bank accounts. But if there isn't enough money on the due date, payments fail and penalties begin."Your auto-debit can fail without warning. Always track your due dates and keep the account funded," he advises.

CREDIT LIMIT IS NOT SHOPPING PERMISSION

Some BNPL apps offer limits from Rs 2,000 up to Rs 1 lakh. Easy access can create a false sense of affordability."That limit is your maximum debt capacity, not your spending goal. Just because you can borrow doesn't mean you should," Kumar reminds users.

THE REAL RISK: DEBT FEELS INVISIBLE

Unlike bank loans or credit cards, BNPL feels quick, casual and harmless — no paperwork, no long process, just click and buy. That ease can blur the reality of borrowing."BNPL makes debt feel invisible — no bulky documents, no bank queues. Just taps on a screen and boom, you're borrowing," he says.

Kumar suggests treating BNPL like a financial tool, not a lifestyle support system."Use it only for planned essentials you would buy anyway. Never for impulse shopping .

Reliance moves to sell Middle East crude as sanctions reshape trade: Report

New Delhi.(Agency)

Reliance Industries Ltd is looking to sell cargoes of Middle Eastern crude oil, an unusual shift for one of India's biggest refiners which is typically known for being a major buyer rather than a seller, reported Bloomberg News.Industry sources quoted in the report said the company has offered grades such as Murban and Upper Zakum to both domestic and overseas buyers in recent days. While it is not yet clear how much crude Reliance is seeking to offload, the approach itself has caught the oil market's attention.

The company has already sold a cargo of Iraqi Basrah Medium crude to a buyer in Greece, according to people familiar with the matter who requested anonymity.

Reliance generally imports large volumes of oil from the Middle East and Russia to supply its massive refinery complex in Jamnagar, Gujarat. The move to sell cargoes suggests shifting market dynamics as Indian refiners respond to evolving geopolitical pressure and tightening restrictions on discounted Russian oil.

India, one of the largest crude importers in the world, has been scrambling to secure stable supplies after the United States strengthened enforcement of sanctions on Russian energy. Reliance was among the top Indian purchasers of Russian crude earlier this year, but recently increased buying from Middle Eastern producers following US measures aimed at curbing Moscow's war financing.

The company has said it will comply with American sanctions and adjust operations to meet regulatory requirements.

Reliance previously had a long-term supply arrangement involving roughly 500,000 barrels per day from Russia's Rosneft, a deal now under review due to compliance needs.

The strategic shift highlights the more cautious environment Indian refiners are operating in. Market participants say Reliance may also be rebalancing inventories or managing exposure to sanctioned barrels as global trading conditions tighten.

Gold, silver prices are rising again. Is there more upside left?

New Delhi. (Agency)

Gold and silver prices climbed on Thursday after a brief dip to one-week lows, supported by safe-haven buying and fresh demand ahead of the peak wedding season.On the Multi Commodity Exchange (MCX), December gold futures hovered around Rs 1.20 lakh per 10 grams through the morning session, rebounding slightly from levels seen earlier this week. Silver saw a bigger gain after recent weakness and was trading at around Rs 1.47 lakh per kg.

GOLD, SILVER REBOUND AFTER 1-WEEK LOW

Rahul Kalantri, VP Commodities at Mehta Equities, said the geopolitical backdrop is keeping bullion in demand. "Gold and silver prices rebounded from a one-week low, supported by safe-haven buying amid rising political uncertainty in the United States," he noted.Kalantri pointed out that strong physical demand from Asia is helping to keep the floor under prices.

"Strong physical demand from China and Australia also provided support to precious metals," he said.Wholesalers in China have been stocking up ahead of the Lunar New Year period, while Australian refiners report firm export orders.

DOLLAR IMPACT

However, the upside momentum is being challenged by a stronger United States dollar and mixed economic signals. The dollar index recently climbed past the 100 mark to hit a multi-month high, making gold more expensive in global markets.

Kalantri said, "The dollar index surged past the 100 mark which capped further gains." The latest ADP private payrolls report also showed job additions of 42,000 versus expectations of 32,000, reducing the likelihood of quick United States Federal Reserve rate cuts.Kalantri expects prices to remain range-bound for now. He sees global support for gold at 3,900 to 3,930 dollars per ounce, with resistance between 4,025 and 4,055 dollars.In the domestic market, he pegs support around Rs 1,19,280 to Rs 1,19,870 and resistance at Rs 1,21,090 to Rs 1,21,600 in the near term. Silver is likely to fluctuate between Rs 1,45,750 and Rs 1,49,280.

Jateen Trivedi, VP Commodity and Currency Research at LKP Securities, described the recent moves as a tug-of-war between caution and conviction.

"Gold traded weak after briefly touching lows near Rs 1,20,000 due to a firm dollar and uncertainty over the Fed's future rate cuts," he said, adding that prices are expected to remain volatile within Rs 1,18,500 to Rs 1,24,000 until policymakers offer a clearer roadmap.

ED summons Anil Ambani for second time on November 14 in loan fraud case

New Delhi.(Agency)

Reliance Group chairman Anil Ambani has been summoned once again by the Enforcement Directorate (ED) for questioning in connection with an alleged bank loan fraud and money laundering case. The 66-year-old businessman has been asked to appear before the federal agency on November 14, according to officials familiar with the development.This is the second time Ambani will face questioning in this case. He was earlier summoned and interrogated by the ED in August 2025 as part of the ongoing probe into alleged financial irregularities involving loans taken by his group companies from Indian banks, including the State Bank of India (SBI).

The Enforcement Directorate's investigation centres on loans raised by Reliance Communications (RCOM) and its related entities between 2010 and 2012. Authorities claim that the group diverted large portions of these funds to other companies, violating lending conditions.

According to the ED, dues of Rs 40,185 crore remain unpaid, and five banks have declared RCOM's accounts as fraudulent. The agency alleges that instead of being used for operational purposes, a significant portion of the funds was channelled to related companies and used for repayment of older borrowings, a process known as "evergreening" of loans.

"From around 2010–12, RCOM and its group companies raised thousands of crores from Indian banks, of which Rs 19,694 crore still remains outstanding. These assets turned non-performing, and five banks have classified RCOM's loans as fraud," the ED said in a statement.Investigators estimate that at least Rs 13,600 crore was diverted through layered transactions, some of which allegedly moved overseas.

From ICICI, HDFC to SBI: Personal loan interest rates across 7 top banks

If you're planning to take a personal loan, comparing interest rates can save you a lot of money. Here's a quick look at what seven major banks, including SBI, ICICI, HDFC and Canara, are currently charging.

New Delhi.(Agency)

Personal loans are often a quick fix when you need urgent funds, whether for medical needs, weddings, travel, or even clearing old debt. But before signing any paperwork, it's always wise to see how much different banks might charge you.

Even a small difference of 1% in interest can add up to a large amount over time. That's why comparing rates is important before saying yes to any lender.

Since personal loans don't require any collateral, they generally come with higher interest rates compared to home or car loans. Banks typically charge between 12–18%, depending heavily on your credit score.

The better your credit history, the better your chances of getting a lower rate. If your credit score is on the lower side, expect the interest to be on the higher end.

HOW LEADING BANKS ARE PRICING THEIR LOANS

State Bank of India, the country's largest lender, charges between 10.05 and 15.05% every year. Its processing fee varies from Rs 1,000 to Rs 15,000 before tax, depending on the loan terms.ICICI Bank, one of India's top private lenders, charges between 10.45 and 16.50% a year. It may also ask for a processing fee of up to 2% of the loan amount, in addition to GST.

HDFC Bank currently offers interest rates starting from 9.99% and going up to 24% annually. Borrowers should also note that the bank charges a processing fee of Rs 6,500, which is subject to GST.Kotak Mahindra Bank starts its personal loan interest rate at 9.98% per year. However, borrowers need to be mindful of the

processing fee, which can be as high as 5% of the loan amount before tax. This amount is typically deducted at the time of loan disbursal.Union Bank of India charges between 10.75 and 14.45% annually on personal loans, making it a mid-range option among public sector banks.

Canara Bank offers two types of rates — a fixed rate ranging between 14.50 and 16% annually, and a floating rate linked to RLLR (Repo Linked Lending Rate), which ranges between 13.75 and 15.25% per year.Bank of Baroda sets its interest rate between 10.4 and 15.75%. The exact percentage depends on whether the borrower works in the government or private sector, along with their credit score.

WHY COMPARING MATTERS

Since personal loans can be an expensive financial decision, even the smallest rate difference can lead to noticeable savings. Loan processing fees, GST charges and extra costs should also be part of the comparison — not just the interest rate.Doing the maths in advance or speaking with a bank representative can often help borrowers save money and avoid last-minute surprises.

DDA clears Delhi's first TOD housing project, major redevelopment, sports infrastructure plans across city

▶The authority approved the redevelopment of old DDA staff quarters at Safdarjung Development Area and Old Rajinder Nagar, both over five decades old and facing structural deterioration.

Agency New Delhi.

The Delhi Development Authority (DDA) on Wednesday cleared several major projects, including housing, redevelopment and sports infrastructure, aimed at boosting urban renewal across the national capital.The authority meeting, chaired by Lt Governor VK Saxena, approved the launch of Delhi's first Transit-Oriented Development (TOD) housing scheme, the redevelopment of DDA staff quarters, and new institutional and sports projects in Narela.The DDA gave the go-ahead for the "Towering Heights at East Delhi Hub, Karkardooma Housing Scheme 2025", featuring 1,026 ready-to-launch 2BHK flats under Delhi's first TOD project. The project seeks to promote mixed-use, pedestrian-friendly living spaces integrated with public transport networks. The housing units will be sold through e-auction to ensure transparency and wide participation.

The authority also approved the redevelopment of old DDA staff quarters at Safdarjung Development Area and Old Rajinder Nagar, both over five decades old and facing structural deterioration. NBCC (India) Ltd. has been appointed as the Project Management Consultant. The projects will follow a self-sustaining model, with costs recovered from saleable built-up areas.

DDA has also been authorised to redevelop other staff colonies that have outlived their structural life.In Narela, the authority cleared two major initiatives: the development of a Multi-Sports Integrated Stadium on a 30.35-hectare site and an education hub spread across 4.33 hectares. The sports complex will host national and international events and is expected to promote sports tourism and local employment.The education hub, planned near UER-I and a proposed metro station, aims to attract universities and skill development institutions.

Among other decisions, the DDA approved rental assistance for residents displaced by the redevelopment of Signature View Apartments, Rs 50,000 per month for HIG and Rs 38,000 for MIG flat owners, with 10% annual escalation.It also cleared a new housing scheme, Karmayogi Awaas Yojana 2025, offering a 25% discount to government employees for homes in Narela.

Main accused held for stealing Rs 40-lakh gold-plated kalash from Jain temple in northeast Delhi

New Delhi. (Agency)

The Delhi Police have arrested the main accused in the theft of a gold-plated 'kalash' (urn) worth around `40 lakh from a Jain temple in northeast Delhi's Jyoti Nagar last month, officials said on Wednesday.The accused, identified as Munna alias Salim (23), is a resident of New Seemapuri.

A button-actuated knife was recovered from him, and a separate case under the Arms Act has been registered at Nand Nagri police station.

Police said Munna is a habitual offender, previously involved in four criminal cases, including robbery, house theft, and offences under the Arms Act. During interrogation, he allegedly confessed to stealing the kalash from the top of the Jain temple on October 11.Earlier, police had arrested a 42-year-old female scrap dealer from Sundar Nagri after parts of the stolen kalash were found in her possession. Based on her confession, a raid led to the arrest of another scrap dealer, Danish (24), and recovery of the remaining parts.

The theft came to light on October 12, when temple staff noticed the missing kalash atop the spire. CCTV footage showed a man climbing down a pole inside the temple premises after allegedly removing the urn during the night of Karva Chauth.Police said the kalash, made of ashta-dhatu (an alloy of eight metals) and containing about 200 grams of gold, was valued between `35 lakh and `40 lakh.

AAP accuses BJP of manipulating Delhi's AQI data; BJP hits back, calls AAP 'party of deceit and corruption'

Agency New Delhi.

The Aam Aadmi Party (AAP) on Wednesday accused the BJP-led government of "manipulating" Delhi's Air Quality Index (AQI) data even as the city battled severe pollution.AAP Delhi state president Saurabh Bharadwaj alleged that the BJP's "culture of fraud" extended from "tampering with the Chandigarh mayoral election" to "creating a fake Yamuna" while failing to clean the river.

"The whole of Delhi is coughing, yet they brazenly manipulate AQI data," Bharadwaj said. He added that fraud and deception had become hallmarks of the BJP's governance.Referring to the Delhi Assembly elections,

he claimed voter list irregularities led to the deletion of thousands of names, including 42,000 voters in Arvind Kejriwal's constituency. "Where did those voters disappear?" he asked.Responding to the allegations, Delhi BJP president Virendra Sachdeva said that the "political DNA of AAP is composed of anarchy, deceit, and corruption."

He alleged that former Chief Minister Arvind Kejriwal had misused Delhi government resources to expand his political base while neglecting the city's development. Sachdeva also accused AAP of squandering Rs 6,500 crore meant for cleaning the Yamuna and Rs 25,000 crore from the Delhi Jal Board.He further claimed that AAP leaders created "fake voter registrations" in makeshift homes and congested areas, calling it another example of the party's corruption and manipulation.

Stock market gains from bribes remain proceeds of crime, says Delhi HC

Agency New Delhi.

The Delhi High Court has held that gains from investing bribe money in the stock market remain tainted and qualify as proceeds of crime, upholding the Enforcement Directorate's power to attach wealth traced to illicit origins.

The court held that appreciation through market forces does not cleanse the funds of their corrupt origin.A division bench of justices Anil Kshetarpal and Harish Vaidyanathan Shankar, in a November 3 judgment, explained that money-laundering is continuing in

nature.

"The offence of money laundering being continuing in nature is not confined only to the initial act of criminal acquisition but also extends to every process or activity connected with the proceeds, including layering through multiple transactions, integration into the legitimate economy and projection of the acquired wealth as lawful."

The court passed the judgment while allowing the appeals of the ED challenging a single judge order in relation to the case arising from the allocation of Fatehpur Coal Block in favour of M/s Prakash Industries Limited (PIL).

Delhi government launches road cleaning drive with 200 vans to combat rising pollution levels

Agency New Delhi.

To curb the rising pollution levels in the national capital, the Delhi government has launched an extensive road cleaning operation across all Public Works Department (PWD) roads, with 200 maintenance vans deployed throughout the city.

The operation includes removal of debris from road surfaces, filling potholes on priority, repairing and upgrading road signage and carrying out other essential maintenance tasks. Chief Minister Rekha Gupta said that strict guidelines have been laid down for the campaign, with individual accountability fixed for each officer. Additionally, separate maintenance vans have been deployed for pruning and trimming trees along PWD roads.

The chief minister stated that coordinated efforts are being undertaken across departments to bring pollution under control. Teams have been formed to monitor polluting industrial units and vehicles, while focused work continues to normalise identified pollution 'hot spots'. As part of this mission, the PWD has launched a special drive for deep cleaning and dust control along all its roads, including Right of Way (RoW) areas.

Each of the 200 maintenance vans has been tasked with deep cleaning at least 200 metres of road daily. To ensure accountability, every van is placed under the direct charge of a Junior Engineer (JE) or Assistant Engineer (AE). Gupta informed that the work is progressing rapidly across 1,400 kilometres of PWD roads in the capital.

The activities include removal of dust from RoW areas, cleaning of kerb channels and bell mouths, debris removal, coordination with the Municipal Corporation of Delhi (MCD) for cases of regular dumping, cleaning and repair of footpaths, filling of potholes, improvement of road signage, and maintenance of streetlights and exposed wiring. Weekly progress reviews are being conducted by senior officers.Meanwhile, Delhi Urban Development Minister Ashish Sood on Wednesday chaired a review meeting with senior officials of the MCD. During the meeting, the MCD officials informed that about 14,000 metric tonnes of waste .

Delhi Police busts trafficking racket in Paharganj spa after alert from 'Say Help' app; six women rescued

Agency New Delhi.

Delhi Police has busted an immoral trafficking racket and rescued six women from a spa in Paharganj area after alert received through "Say Help" application, officials said on Thursday.

Say Help is a global voice-activated emergency app for Android and iOS that enables users to trigger alerts via up to five custom voice phrases or a push button. It instantly sends real-time video, audio, and GPS details through SMS/WhatsApp to contacts and police, offering live monitoring and map tracking.

The app includes health check-ins and a robust dashboard for responders. Say Help collaborates with NGOs and authorities to help prevent gender violence and trafficking, especially in high-risk areas like Delhi, enhancing personal and community safety, police said.

On the intervening night of October 30 and 31, an alert regarding suspected immoral activities was received via the Say Help App from the Paharganj area. A team of the Special Staff, Central District and the team of Say Help app was mobilized to verify and act on the information, a senior police officer said.

During technical surveillance and field intelligence, reliable information was received about a spa on DBG Road, Nabi Karim, being involved in immoral trafficking and related offences.

A police staff as decoy customer was deputed with Rs 2,000 pre-noted currency and instructed to give a WhatsApp missed call as a signal.

At around 7.30 pm, the decoy confirmed illegal activities, following which a raid was conducted where they found six women and one female receptionist involved in immoral activities, the officer said. The receptionist confessed to running the operation along with her husband.

A case was registered on October 31 at Nabi Karim police station under sections 3, 4, and 5 of the Immoral Traffic Prevention Act, police said.

Delhi Jal Board to launch cloud-based monitoring system; ropes in PSU and KPMG for IT overhaul

Agency New Delhi.

The Delhi Jal Board (DJB) is set to overhaul its IT infrastructure by engaging a public sector undertaking (PSU) to implement a cloud-based online project monitoring system, officials said.The water board has issued a tender for a comprehensive IT transformation, focusing on developing digital platforms to improve citizen services. The reform includes upgrading existing applications and introducing systems for tasks such as water quality monitoring and tanker bookings.

According to DJB officials, the initiative, announced in June, is aimed at ensuring that all infrastructure projects are completed on schedule, with clear accountability at every stage."The software will streamline coordination across departments, flag delays early, and fix responsibility immediately," the department stated.

Officials said the digital platform will track the daily status, progress, deadlines, and responsible officers for each project.The water board currently uses various IT systems for its operations, including a Revenue Management System (RMS) for online bill payments and applications, and a Computerised Complaint Management System with a 24x7 call centre and mobile app. To improve logistics, the DJB uses a tanker management system with GPS tracking to monitor the real-time movement of water tankers.Recently, the Delhi government appointed global accounting firm KPMG, a renowned multinational company, as the project management unit for the Delhi Jal Board (DJB).KPMG will help the DJB introduce digital monitoring dashboards, conduct technical and financial audits, and assist in restructuring billing systems to minimise errors and delays. It will also monitor the functioning and capacity of sewage treatment plants (STPs) and tanker dispatch systems.

India starts bringing back its citizens trapped in Myanmar cybercrime hub

India began flying home 270 citizens from Thailand after they escaped Myanmar's KK Park scam hub, following an Army raid that exposed widespread cybercrime and human trafficking across Southeast Asia.

Agency New Delhi.

India has begun repatriating its citizens who fled Myanmar's cybercrime hub last month, with the first group returning from Thailand on Thursday. The evacuees were among hundreds trapped in what authorities describe as one of Southeast Asia's most notorious scam compounds.

The operation followed an October raid by Myanmar's Army on KK Park, a sprawling complex outside Myawaddy near the Thai border, long known as a base for online fraud and illegal gambling. The military crackdown prompted hundreds of workers, including more than 450 Indians, to escape across the border to Thailand.

According to Maj. Gen. Maitree Chupreecha, who heads Thailand's Naresuan Task Force, an Indian Air Force transport aircraft has already departed with the first batch of 270 nationals, news agency Associated Press reported. Another flight will leave later in the day, while the remaining Indians are expected to be repatriated next Monday.

Indian authorities had carried out a similar mission in March, bringing home 549 nationals following a previous cybercrime crackdown along the same border region.Thai officials in Mae Sot, just across from Myawaddy, have set up temporary shelters to process more than 1,500 people from 28 countries -- among them Chinese, Filipinos, Vietnamese, Ethiopians, and Kenyans -- who fled the raid.

Southeast Asia remains a global hub for online scams. The UN Office on Drugs and Crime has estimated that large-scale syndicates across Myanmar, Cambodia, and Laos generate nearly USD 40 billion a year. Many victims are trafficked or

deceived with promises of legitimate jobs, only to be coerced into running scams involving fake romances, fraudulent investments, and gambling.

Myanmar's state media said the assault on KK Park was part of broader efforts launched in September to dismantle cross-border scam networks. Witnesses reported explosions inside the compound as parts of it were demolished.Still, independent outlets such as The Irrawaddy said that criminal operations continued to function in and around Myawaddy despite the raids.

The growing cybercrime trade has drawn international attention. Last month, the United States and United Kingdom imposed sanctions on the organisers of a major Cambodian scam syndicate, while American prosecutors indicted its alleged ringleader in New York.In South Korea, the issue turned personal after a young.

NEWS BOX

Only war: Pak minister's warning to Afghanistan if today's truce talk fails

World . (Agency)

As Pakistan and Afghanistan prepare to resume crucial peace talks in Turkey today, Defence Minister Khawaja Asif has issued a stark warning that if the negotiations collapse, it would force them to get into a 'war' with the Taliban.The minister's blunt remarks came during an interview with Geo TV on the eve of the third round of dialogue, which will follow two earlier rounds in Doha and Istanbul that ended without a breakthrough. "If the negotiations fail, the situation will deteriorate further. We have our options. Considering how we are being targeted, we may respond in the same manner," Asif said.

The talks are being closely watched after a fragile ceasefire was brokered between the two neighbours following brief cross-border clashes earlier this month. Turkey has been mediating to revive the process, which has so far stumbled over Pakistan's demands that Kabul act decisively against the Tehreek-e-Taliban Pakistan (TTP).

At a weekly press briefing last week, Pakistan's Foreign Office spokesperson Tahir Andrabi confirmed the meeting and expressed hope for "a positive outcome". He emphasised that Pakistan will keep "engaging in the mediation process" but warned that peace hinges on Afghanistan's willingness to prevent terrorist activity from its territory.

US cuts flights by 10% as shutdown chaos pushes air travel towards crisis

World.(Agency)

The US government said on Wednesday it will cut air traffic by 10 percent across 40 of the nation's busiest markets beginning Friday morning, in an effort to maintain safety during the ongoing government shutdown.The move could disrupt thousands of flights nationwide. The air system handles more than 44,000 flights a day, from passenger jets to cargo and private planes.

Air traffic controllers have been working without pay since October 1, and increasing absences have left shifts short-staffed, leading to mounting flight delays, according to the news agency Associated Press."We can't ignore it," said Bryan Bedford, who leads the agency overseeing air traffic operations. "We will not wait for a crisis to act."Bedford and Transportation Secretary Sean Duffy said they will meet airline executives to finalise how the cuts will be implemented safely. The affected markets will be named Thursday.

"If the pressures continue to build even after we take these measures," Bedford added, "we'll come back and take additional measures."

AIRLINES BRACE FOR TURBULENCE

Airlines are already adjusting. Southwest Airlines said it is reviewing schedules and will contact travellers whose flights may be affected."We continue to urge Congress to immediately resolve its impasse and restore the National Airspace System to full capacity," the airline said.

Flight slowdowns are not new, they can occur due to storms or limited staffing. But this shutdown, now the longest in US history, has pushed the system into uncharted territory.

Last weekend saw some of the worst shortages yet, with at least 39 control centres reporting limited staffing, according to an Associated Press analysis of operations data. Before the shutdown, that weekend average was just eight. Since October 1, it has tripled to more than 26.

Death toll rises to 11 in Kentucky UPS plane crash, probe reveals engine loss

Washington .(Agency)

A cargo plane's left wing caught fire and an engine fell off just before it crashed and exploded after takeoff in Kentucky, a federal official said Wednesday, offering the first investigative details about a disaster that killed at least 11 people, including a child.First responders, meanwhile, searched for more victims, a day after the crash at UPS Worldport, the company's global aviation hub in Louisville, though Governor Andy Beshear said finding survivors seemed unlikely. The inferno consumed the enormous aircraft and spread to nearby businesses.

After being cleared for takeoff, a large fire developed in the left wing, said Todd Inman, a member of the National Transportation Safety Board, which is leading the investigation.

The plane gained enough altitude to clear the fence at the end of the runway before crashing just outside Louisville Muhammad Ali International Airport, Inman told reporters.Airport security video "shows the left engine detaching from the wing during the takeoff roll," he said.The cockpit voice recorder and data recorder were recovered, and the engine was discovered on the airfield, Inman said.

"There are a lot of different parts of this aeroplane in a lot of different places," he said, describing a debris field that stretched for half a mile.

A CHAIN REACTION

The plane with three people aboard crashed about 5:15 pm Tuesday as it was departing for Honolulu from UPS Worldport at the Louisville airport.The crash had a devastating ripple effect, striking and causing smaller explosions at Kentucky Petroleum Recycling and hitting an auto salvage yard, Grade A Auto Parts. Beshear said the child who died was with a parent at the parts business.Beshear earlier said it was a "blessing" that the plane did not hit a nearby Ford Motor factory or the convention center.

Louvre museum system's password at time of $102 million jewel heist: Louvre

The extraordinary heist, which took place on October 19 in under seven minutes, forced the closure of the Louvre. Eight items of jewellery had been stolen from the Apollo Gallery, including the emerald-and-diamond necklace that Napoleon gave his wife Empress Marie Louise and the 19th-century crown of Empress Eugenie.

World . (Agency)

French authorities faced widespread criticism following the audacious daylight robbery at the Louvre, the world's most famous museum and home to the Mona Lisa. Security lapses were blamed for the $102 million heist. Now, it has emerged that a remarkably simple password for the museum's video surveillance system made it all the easier for the Ocean's 11-style thieves to decamp with French crown jewels.A museum employee told ABC News that the password was simply "Louvre". The startling revelation came amid growing anger directed at museum officials over major security lapses.

The extraordinary heist, which took place on October 19 in under seven minutes, forced the closure of the Louvre in Paris, the world's most-visited museum. Eight items of jewellery had been stolen from the Apollo Gallery, including the emerald-and-diamond necklace that Napoleon gave his wife Empress Marie Louise and the 19th-century crown of Empress Eugenie.

During her testimony last month, Louvre director Laurence des Cars admitted security lapses and cited deficient infrastructure and the lack of cameras in the museum.

"Despite our efforts, despite our hard work every day, we were defeated. We did not detect the thieves' arrival early enough," Des Car said, blaming it on the fact that there were not enough cameras outside monitoring the perimeter of the Louvre.

The exterior security cameras do not offer full coverage of the museum's facade, she said, adding that the window through which the thieves broke in was not monitored by CCTV.

Des Cars said she had repeatedly warned that the centuries-old building's security was in a dire state. "The warnings I had been sounding came horribly true."She pledged to establish no-parking perimeters in areas around the Louvre, upgrade the CCTV network and ask the interior ministry to set up a police station inside the museum.

French media have speculated that the robbers were amateurs, as they dropped the most precious of the jewels - Empress Eugenie's crown, made of gold, emerald and diamonds - during their flight, left tools, a glove and other items at the scene, and failed to set fire to the movers' truck before fleeing.

PERPETRATORS ARRESTED

A week after the heist, police arrested two men suspected of being the ones who broke into the Louvre - a 34-year-old Algerian who has lived in France since 2010 and was detained by police as he tried to board a flight to Algeria, and a 39-year-old already under judicial supervision for aggravated theft.Both live in Aubervilliers, in northern Paris, and have "partially admitted" their involvement, as per Paris prosecutor Laure Beccuau.

Typhoon Kalmaegi causes mayhem in Philippines; 114 dead, emergency declared

World . (Agency)

Scenes of uprooted trees, submerged and damaged houses and flown off roofs were visible across the Philippines as Typhoon Kalmaegi tore through the Southeast Asian country on Wednesday, leaving 114 dead and scores missing. Philippines President Ferdinand Marcos Jr declared a state of emergency as rescue personnel raced against time to evacuate the stranded, AP reported.

The typhoon, the deadliest to hit the country this year, comes less than a month after a powerful earthquake killed 72 people and injured more than 140. More misery is in store, with officials warning that another tropical cyclone could strengthen into a super typhoon and batter northern Philippines next week.

According to local reports, around 130 people are still missing.The worst-affected province was Cebu, where the typhoon caused rivers and waterways to swell, leading to flash floods. The gushing waters engulfed residential communities and forced residents to climb on their roofs.At least 71 people died in Cebu, mostly from drowning in the flash floods. "We did everything we can, but, you know, there are really some unexpected things like flash floods," AP quoted Cebu's governor as saying.

Among those dead are six people who were killed when a Philippine air force helicopter crashed in the southern province of Agusan del Sur while it was on its way to distribute relief materials.

As per government estimates, the typhoon has affected nearly 2 million people, displacing more than 5,60,000 villagers.

Experts said the situation in Cebu might have compounded due to years of unchecked quarrying that caused clogging of nearby rivers, and substandard flood control projects. The issue saw street protests by residents of Cebu in recent months.

The Philippines is battered by about 20 typhoons and storms each year. The country, which has more than a dozen volcanoes, is also often hit by earthquakes.

3 more Chinese nationals charged with smuggling biological materials into US

World . (Agency)

United States federal prosecutors have charged three Chinese nationals connected to the University of Michigan with allegedly attempting to smuggle biological materials into the country, expanding a case that began earlier this year.According to a criminal complaint filed in the US District Court for the Eastern District of Michigan, Xu Bai and Fengfan Zhang are facing conspiracy to smuggle charges, while Zhiyong Zhang is accused of making false statements, CBS News reported. The investigation was led by Homeland Security Investigations' Detroit office as part of its National Security Global Trade group.

"At some point, pattern becomes practice. And, apparently, these three men are part of a long and alarming pattern of criminal activities committed by Chinese Nationals under the cover of the University of Michigan. This is a threat to our collective security. We are thankful for the vigilance of our elite federal partners — ICE HSI, FBI, and CBP — as a counterweight against this threat," US Attorney Jerome Gorgon said in a statement.

The case stemmed from an earlier probe involving Chengxuan Han, a Chinese national arrested in June at Detroit Metro Airport. Han was accused of shipping undeclared biological materials to Michigan and pleaded no contest in September to multiple smuggling charges and lying to federal agents. She was sentenced to time served and deported to China on September 11.

Investigators said one of Han's intercepted UPS shipments, inspected by US Customs and Border Protection in March this year, was addressed to Bai's apartment in Ann Arbor. The package contained petri dishes with Caenorhabditis elegans, genetically modified roundworms often used in biological research.Other parcels were sent to Ann Arbor addresses linked to the accused, including some meant for Fengfan Zhang but addressed to "Dylan Zhang", according to the complaint.

Bai, 28, arrived in the US in August 2024, Fengfan Zhang, 27, came in September 2023 and Zhiyong Zhang, 30, in September 2021. All three lived in Ann Arbor and were enrolled as J-1 exchange scholars at the University of Michigan.

The affidavit noted that when Han was detained in June, Fengfan and Zhiyong Zhang were at the airport to pick her up. During questioning, Han initially denied knowing Bai or sending any shipments but later admitted to mailing between five and ten packages from China.

If this happens to me, then...: Mexico President after man gropes her in public

world.(Agency)

Mexican President Claudia Sheinbaum has filed a formal complaint against a man who groped her and attempted to kiss her in public, describing the incident as a reflection of the broader threats women face in Mexico.

'IF THIS HAPPENS TO THE PRESIDENT'

Speaking a day after a video of the assault went viral, Sheinbaum said the episode tells about the daily risks women endure in a country still plagued by machismo and gender-based violence."If this happens to the president, where does that leave all the young women in our country?" Sheinbaum said. "No man has the right to abuse women's personal space."

The incident occurred on Tuesday in Mexico City's historic centre, as Sheinbaum walked from the National Palace to the Ministry of Education while greeting members of the public.

Video footage showed a middle-aged man putting his arm around her, touching her chest and trying to kiss her. Sheinbaum pushed him away before a staff member intervened. Her security detail was not seen nearby at the time.Sheinbaum later said the man appeared to be drunk and confirmed that he had been arrested later that evening.

CALLS FOR LEGAL ACTION ON HARASSMENT

Sheinbaum said she has asked the federal Women's Ministry to review state laws on sexual harassment, adding that such behaviour should be treated as a criminal offence punishable by law.

"It must be denounced, it must be named, because it's an act of violence," she said, noting that harassment remains inadequately punished across several Mexican states.Currently, sexual harassment is recognised as a crime in only about half of Mexico's states, including the capital.

Trump has a new number for aircraft shot down in India-Pakistan conflict

World . (Agency)

.There seems to be no end to US President Donald Trump's love affair with the India-Pakistan conflict, coming up each time with exaggerated and unverified claims. Now, the eccentric President has revised his count of jets downed during the three-day hostilities in May. This, of course, while once again reminding the world of how he played the peacemaker in getting India and Pakistan to reach a ceasefire deal through trade threats.

The event might have been a business forum, but for Trump, a master salesman, every stage is an opportunity to showcase his credentials and boast about the number of wars he has stopped.

TRUMP CLAIMS 8 JETS DOWNED

Addressing the America Business Forum in Miami, Trump now claimed that eight planes were effectively shot down during the May 7-10 Operation Sindoor.

"You know, I was in the midst of a trade deal with both of them (India and Pakistan), and then I read on the front page of a certain newspaper... I heard they were going to war. Seven planes were shot down, and the eighth was really badly wounded... Eight planes were shot down, essentially," Trump said.

Over the past few months, Trump has repeated his claim of settling the India-Pakistan conflict over 60 times, with varying numbers of fighter aircraft shot down. He has, however, stopped short of specifying which country the aircraft belonged to.

Initially, Trump claimed that five jets were shot down. Months later, he revised the number to seven."If you look at India and Pakistan, they were going at it. Seven brand-new, beautiful planes were shot down," Trump said in October at an event in Tokyo.While India has admitted it suffered some losses, it has emphasised that 8–10 Pakistani fighter jets, including US-made F-16s and Chinese JF-17s, were destroyed, both on the ground and in the air, during the conflict.

'STOPPED POTENTIAL NUCLEAR WAR'

At the business forum, Trump once again reiterated that it was his intervention that stopped a potential nuclear war between India and Pakistan.While Pakistan has massaged Trump's ego by doing his bidding, India has vehemently denied the US President's claims, maintaining that the ceasefire was forged through direct contact.

"I said, this is war, and they are going at it. And they are two nuclear nations. I said, 'I am not going to make any trade deals with you guys unless you agree to peace'," Trump said."The two nations said 'no way'. I said, 'You are nuclear powers. I am not trading with you. We are not making any deals with you if you are at war with each other'," he further said.

He claimed that within 24 hours, he received a call from India and Pakistan about their ceasefire deal."I said, 'Thank you. Let's do trade'. Isn't that great? Tariffs did that Without tariffs, that would have never happened," Trump said amid applause.

NEWS BOX

WPL 2026 Retention Review: UP Warriorz opt complete rejig, MI make tough sacrifices

New Delhi. (Agency)

The Women's Premier League (WPL) 2025 retentions have seemingly been finalised. The BCCI had set Wednesday, November 5, as the deadline for confirming the list of retained and released players, with the auction scheduled for November 27 at Aerocity, New Delhi. Before the official announcement, ESPNcricinfo accessed the list of players retained by their respective franchises.All eyes were on the Mumbai Indians (MI), the most successful side in the league's short but eventful history, having clinched the title twice in 2023 and 2025. There was also plenty of buzz surrounding the Delhi Capitals (DC), who have consistently come close to glory but have fallen just short of the title three seasons in a row.Royal Challengers Bengaluru (RCB) fans were equally anxious, especially after their maiden championship win in 2024, following two disappointing seasons where they failed to progress beyond the league stage.

Meanwhile, both UP Warriorz and Gujarat Giants were expected to head back into the auction market in search of fresh talent, hoping to rebuild and strengthen their squads after enduring mixed campaigns over the past three seasons.

With the retention window now closed and the auction on the horizon, here's a look at how the five teams are shaping up ahead of WPL 2026.

Mumbai Indians

Mumbai Indians faced tough choices as they had to pick from players who shone both in the WPL and on the international stage. Among their many all-rounders, they retained Nat Sciver-Brunt and Hayley Matthews, but due to the two-foreign-player limit, they had to release Amelia Kerr, Chloe Tryon, and Nadine de Klerk. They also can't use the RTM option, having already finalised their five retentions.

Queensland hit by half a million lightning strikes: Will 4th T20I even be played?

New Delhi. (Agency)

After days of chaos caused by an intense bout of thunderstorms, Queensland is finally set for calmer skies — just in time for the fourth T20I between India and Australia at the Carrara Oval on Thursday, November 6. What had briefly looked like another weather-threatened fixture in this rain-marred series now promises to unfold under clear skies and bright lights on the Gold Coast.Last weekend, Queensland endured one of its wildest weather spells of the year. A powerful thunderstorm swept through the state's southeast, unleashing giant hailstones nearly 9 cm wide, destructive winds, and a staggering half a million lightning strikes in a single day. The storm caused widespread power outages, brought down trees and power lines, and left several communities around Toowoomba, Ipswich and Logan without electricity for over 24 hours. The State Emergency Service received nearly 300 calls for help — most involving damaged roofs, broken windows, and flooding due to water ingress.

But as the region recovers from that extreme spell, the focus now shifts to cricket. With the five-match series locked at 1-1, both India and Australia head to Carrara Oval eager to gain the upper hand in what could be a decisive contest. The first T20I in Canberra was washed out, but Australia bounced back strongly in Melbourne before India responded in Hobart, chasing down 187 with ease. The fourth match, therefore, comes with high stakes — the winner will move within striking distance of clinching the series.

AUS vs IND, 4th T20I: Weather prediction

Thankfully for fans and players alike, the turbulent weather that battered Queensland last weekend won't be a concern on match day. According to weather.com, the Gold Coast is expected to enjoy sunny conditions with temperatures ranging from 20 degrees Celsius C to 26degrees Celsius. The chance of rain is as low as 4 percent during the day and 6 percent in the evening, while humidity will hover around 58 percent, perfect for a game of cricket under the lights.

The Gold Coast's coastal breeze might play a part in the bowling dynamics, but after weeks of weather disruptions across Australia, Thursday's game finally looks set for a full, uninterrupted contest.

PM Modi's message to women's team: Go to your schools, inspire the next generation

Prime Minister Narendra Modi met the Indian women's cricket team in New Delhi. Modi shared a powerful message with the team, and asked them to play a key role in inspiring the next generation.

New Delhi. (Agency)

Prime Minister Narendra Modi met the Indian women's cricket team in New Delhi on Wednesday, November 5, in a session that blended fun, inspiration, and guidance. After spending time with all 16 players, the Prime Minister shared a heartfelt message, urging the champions to inspire the next generation of the country.The Indian women's team made history on November 2, defeating South Africa by 52 runs at the DY Patil Stadium in Navi Mumbai to lift the Women's World Cup trophy for the first time. Their remarkable campaign included a thrilling semi-final victory over Australia, followed by a dominant performance against South Africa in the final. The triumph came under the leadership of captain Harmanpreet Kaur, marking a historic milestone for Indian cricket.

During the meeting, PM Modi encouraged the players to visit schools and interact with children, highlighting how such encounters could leave a lasting impact on young fans who idolise cricketers.

"Go to the schools one day. Meet the kids. Talk to them. They will ask you a lot of questions. And you please answer them. I am very sure this will become a core memory for them. They will remember you for life," Modi said.He added, "I am not saying you have to go to every school. Visit the schools where you studied. Select three schools, and whenever you have time this year, go to one school per day. Not only will this motivate them, but you will also be motivated by their energy and enthusiasm."

PM Urges Players to Promote Fit India Movement

The Prime Minister also urged the team to promote the Fit India movement, aimed at tackling the growing issue of obesity in the country. "Obesity is becoming a big problem in India. Reduce the consumption of oil by 10 per cent. If people hear these messages from you, they will believe them — especially the daughters of the country. Your contribution will make a real difference," he said.Vice-captain Smriti Mandhana thanked the Prime Minister on behalf of the team, acknowledging his words of wisdom and guidance. "We will remember your words. Whenever we get the opportunity, we will pass on your message," she said.

Mandhana further added that their plan was to create a revolution in Indian sports, not only cricket, and that the World Cup win will give it the required push.

"Going into the final, we had all been discussing how winning the World Cup would mark a new chapter for sports in India, not just women's cricket. The impact it will bring on sports, that will start a revolution in India. So going forward, we want to keep doing the same thing, to bring a revolution to women's cricket. That is the aim," Mandhana said.

IND v AUS, 4th T20I: Shubman Gill faces the heat as India eye series lead in Gold Coast

New Delhi. (Agency)

India and Australia meet in the penultimate T20I of the five-match series on Thursday, 6 November, at Carrara Oval in Gold Coast. After having played at traditional venues in Canberra, Melbourne and Hobart, India now move to People's First Stadium, which will host only its third T20I and its first since 2022.The extended break between the third and fourth T20Is allowed India to arrive in Gold Coast early and prepare for the challenge ahead. With the series level at 1-1 after three matches, both teams understand the importance of a victory on Thursday, with an unassailable lead up for grabs.India carry momentum into the contest after clinching the third T20I in Gold Coast, riding on Arshdeep Singh and Varun Chakravarthy's bowling heroics and a crucial cameo with the bat from Washington Sundar.

As bowling coach Morne Morkel said on Wednesday, India have been keen on mixing things up and giving opportunities to as many players as possible in the lead-up

to the T20 World Cup early next year. While winning the series remains a priority, the team management has not shied away from experimenting.A few players, such as Sanju Samson and Arshdeep Singh, have been rotated, with the confidence that they remain firmly in the mix. The series in Australia has provided an opportunity to test the bench and assess depth.

However, India are yet to gain the same level of confidence from one key batting position — the opener's slot occupied by vice-captain Shubman Gill.

Since returning to the T20I side, the Test and ODI captain has struggled to make an impression. In the ongoing series, Gill has managed only 57 runs in three matches.India broke the fearsome opening combination of Abhishek Sharma and Samson to accommodate Gill at the top in T20Is. While his elevation to vice-captaincy appeared to make him an automatic selection, questions have been raised about the merit of his place in the T20I set-up, particularly given the options available for the opening role.

Ferran hits out after Club Brugge tears down Barcelona defence in 3-3 draw

New Delhi. (Agency)

A frustrated Ferran Torres lashed out at Barcelona's defensive frailties after the club managed only a hard-fought 3-3 draw against Club Brugge in the UEFA Champions League. Barcelona were repeatedly exposed by the Belgian side on Wednesday, November 5, conceding the lead three separate times during a chaotic group-stage encounter.

The Catalan giants fought back on each occasion, with goals from Ferran Torres and Lamine Yamal keeping them in contention before a late own goal from Christos Tzolis salvaged a draw. Despite the comeback, Ferran's post-match remarks reflected deep frustration with the team's defensive display, as he urged his teammates to raise their standards at the back.Barcelona's defensive record this season has been a major cause for concern. Since the sale of Iigo Martnez, their back line has looked increasingly vulnerable, with defensive traps and pressing structures often breaking down under pressure. The club has conceded 13 goals in 11 LaLiga matches and a further 7 in just 4 Champions League outings so far — a worrying statistic for a team with title ambitions.

"They created a lot of danger on the counter-attack, and we should have done much better in every area," Ferran Torres told Movistar Plus after the match."It felt like with just two passes they were already inside our box. We have to find ways to improve. The team reacted well and created plenty of chances, but when you're constantly chasing the game, it becomes very difficult," he added.

In a pulsating encounter at Brugge's Jan Breydel Stadium, the home side struck first through Nicolo Tresoldi in just the sixth minute, capitalising on a lightning-fast counterattack led by Carlos Forbs that laid bare Barcelona's defensive vulnerabilities.

The 21-year-old Portuguese winger showcased his blistering pace, controlling a long pass perfectly to beat the offside trap on the right flank before surging into the box and squaring the ball for Tresoldi, who slotted home with composure past the Barcelona goalkeeper.

Barcelona responded almost immediately, equalising two minutes later through Ferran Torres, who finished from close range to level the score at 1-1. However, Club Brugge reclaimed the lead in the 17th minute, as Forbs turned from provider to scorer, finishing another rapid counterattack with precision.

Harleen Deol asks PM Modi about his skincare routine, leaves team in splits

New Delhi. (Agency)

India batter Harleen Deol had her teammates in fits of laughter when she asked Prime Minister Narendra Modi about his skincare routine during an official meeting between the Prime Minister and the World Cup–winning Indian women's cricket team. What started as a formal discussion about India's historic World Cup triumph quickly took a humorous turn, thanks to Harleen's spontaneous question.During the interaction, Prime Minister Modi praised Harleen for her cheerful nature and her ability to keep the atmosphere light, even under pressure. After responding to his remarks, Harleen decided to turn interviewer for a moment. When everyone expected her to ask a serious or cricket-related question, she caught the entire room off guard.

"Sir, your skin is always glowing. Can you please tell me what is your skincare routine?" Harleen asked with a smile.Her unexpected question had everyone, including the Prime Minister, laughing. Modi, still amused, replied, "I do not think about all that."Someone from the team quickly added, "Sir, it's the love of the millions of this country!" — prompting

even more laughter.Head coach Amol Muzumdar joined in the fun, jokingly telling the Prime Minister, "As you can see sir, these are the personalities I have to deal with. Which has now made my hair go white."

'Don't Want Photo With King Charles'

Muzumdar also shared a light-hearted story from India's earlier tour of England. He recalled that when the team was offered a chance to take photographs with King Charles, the protocol allowed only 20 people at a time in a single frame. This meant that the entire squad and support staff couldn't pose together.According to Muzumdar, the support staff then emphasised that they wouldn't mind missing a photo with the King — because they were saving that moment for when they would win the ODI World Cup and meet Prime Minister Modi instead.India vice-captain Smriti Mandhana reflected that the team had approached the World Cup with a larger purpose — to spark a revolution in women's sports across the country. Their eventual triumph, she said, wasn't just about lifting a trophy but about changing perceptions and inspiring the next generation. Prime Minister Narendra Modi, who met the players after their historic win, shared that sentiment wholeheartedly.

Harmanpreet Kaur tells PM Modi why she pocketed the match ball after World Cup win

When PM Modi asked Harmanpreet Kaur why she kept the match ball, her answer was simple — it was a piece of history she wanted to hold on to after India's first Women's World Cup win.

New Delhi. (Agency)

When Prime Minister Narendra Modi met India's Women's World Cup-winning team in New Delhi on November 5, there was one question that caught captain Harmanpreet Kaur slightly off guard, why did she slip the match ball into her pocket after taking the final catch?It was a small but powerful gesture, one that brought Indian cricket full circle. Forty-two years after Sunil Gavaskar famously pocketed the match ball following India's maiden World Cup triumph in 1983, Harmanpreet unknowingly recreated the moment at the DY Patil Stadium in Navi Mumbai. Harmanpreet's answer was as honest as it could get.

"This was also god's plan, sir. It was only all of a sudden. I didn't know the last catch would come to me. After all these years of hard work, when it did, I just felt it should stay with me," she said with a smile.

Harmapreet's winning catch: Mark of a new era

As Nadine de Klerk's, South Africa's last hope of a batter in their 299-chase, uppish drive off Deepti Sharma flew toward cover, Harmanpreet leapt, clutched the ball, and with that catch, sealed India's first-ever Women's ODI World Cup title. Amid the celebrations, she quietly placed the ball in her pocket, a keepsake from a night that will live forever in Indian sporting history.

Harmapreet's winning catch: Mark of a new era

As Nadine de Klerk's, South Africa's last hope of a batter in their 299-chase, uppish drive off Deepti Sharma flew toward cover, Harmanpreet leapt, clutched the ball, and with that catch, sealed India's first-ever Women's ODI World Cup title. Amid the celebrations, she quietly placed the ball in her pocket, a keepsake from a night that will live forever in Indian sporting history.

India's 52-run win over South Africa in the final ended years of hard work, heartbreak, and close calls for the women's team.Harmanpreet Kaur's smart captaincy made a big difference in the final. She gave the ball to Shafali Verma, who had rarely bowled in ODIs, and the move changed the game. Shafali struck twice to dismiss Sune Luus and Marizanne Kapp, putting India in control. With Deepti Sharma's five-wicket-haul and Shafali taking two crucial wickets after scoring a decisive 87 with the bat, the team put on a complete performance to lift their first World Cup title.

Harmanpreet quietly slipping the match ball into her pocket turned out to be a simple gesture that connected India's journey from Lord's in 1983 to DY Patil Stadium in 2025.

Raveena Tandon

Rejected SRK's Darr As She Felt Uncomfortable, Says 'Swimming Costume Main...'

Raveena Tandon has revealed that she was the first choice to play the female lead in the acclaimed thriller Darr (1993), opposite superstar Shah Rukh Khan. In a candid interview, Tandon said she was offered the role of Kiran, but she had to turn down the offer as she felt uncomfortable with certain scenes. The role eventually went to Juhi Chawla, and her chemistry with SRK impressed fans.

Raveena shared in a chat with ANI, "Darr had come to me first. So, you were talking about that vulgarity and whether you didn't do. So, no though it was not vulgar, but there was sometimes some scenes that I was not comfortable with."

She explained, "Darr mein kuchh aise pehle scenes the where, you know, woh tha kuchh. Couple of scenes the. Swimming costume main kabhi pehen ke nahi jaati thi. I would say 'no, I will not wear a swimming costume'. Yeah, kuchh aise the, matlab scenes that I was a little uncomfortable."

Raveena revealed that she was also offered the 1991 film Prem Qaidi. Raveena shared, "Like Prem Qaidi, in fact, the first film which I think Lolo (Karisma Kapoor) got launched, was actually offered to me first. But even that, there was this one scene where the hero pulls down the zipper or something, and a strap is showing. I was uncomfortable with that. So I used to be uncomfortable with a lot of things.""I was very uncomfortable with proximity, with people whom I could not, I would not… I'd be very very like this (leaned back). I was a little uppity at that time, I think and not snooty, I was never snooty. I was always like how I am right now only. So that's why they treated me like a boy," the actress said.Meanwhile, on the work front, Raveena Tandon is gearing up for the second season of Karmma Calling.

Hardik Pandya, Mahieka Sharma Get Cosy In The Ocean; PDA-Filled Pic Breaks The Internet

Indian cricketer Hardik Pandya appears to be in a new, happier phase of his life. Months after his separation from Natasa Stankovic in 2024, the all-rounder has been spotted spending time with model and actress Mahieka Sharma. On Tuesday, Hardik took to Instagram to share a few candid pictures that instantly caught the internet's attention.In one of the viral photos, Hardik is seen washing a car with Mahieka, both laughing and teasing each other playfully. Several other images show the duo enjoying each other's company, hinting that the cricketer is no longer keeping his relationship under wraps. Another photo from his Instagram story showed Hardik and Mahieka getting cosy in the ocean during a romantic getaway. Fans couldn't help but notice how relaxed and content he looked while also spending quality time with his son, Agastya.

Who Is Mahieka Sharma?

Mahieka Sharma, who holds a degree in Economics and Finance, transitioned into full-time modelling and acting soon after college. Over the years, she has featured in numerous music videos, independent films, and commercials for popular brands like Tanishq, Vivo, and Uniqlo. Mahieka has also graced the runway for top Indian designers such as Manish Malhotra, Anita Dongre, and Tarun Tahiliani.

Her growing popularity in the fashion world earned her the "Model of the Year (New Age)" award at the Indian Fashion Awards in 2024. Known for her dedication, Mahieka once walked the ramp despite battling a severe eye infection — a moment that fans and peers praised for her professionalism and resilience.

Hardik Pandya's Past Relationship

Before his reported relationship with Mahieka, Hardik Pandya was married to actress and model Natasa Stankovic. The couple, who tied the knot in May 2020 and renewed their vows in February 2023 in a dual Hindu and Christian ceremony, announced their separation in July 2024.

Abhishek Kumar Bids Adieu To 'Pati, Patni Aur Panga', Pens Emotional Note: 'Milte Hai Jald'

Abhishek Kumar was seen posing with host and Bollywood actress Sonali Bendre, along with Munawar Faruqui in the pictures.

Television actor Abhishek Kumar recently took to his social media account to bid adieu to his hit fun reality show Pati Patni Aur Panga. Sharing a carousel post featuring every couple and also the hosts of the show, Abhishek penned a beautiful note.He wrote, "So it's a wrap for Pati Patni aur Panga Bohat saare khoobsoorat pal sath le k jaa raha hu. Kya hi show tha, sab log इतने pyaare itne ache k kya hi batau. Last day pe alag level ki excitement bhi thi and emotional bhi tha k ye aaj last day hai shoot ka. Per koina aap sabne itna pyaar dia hamare show ko uske lie ap sabka dil se shukriya Bas aise hi apna pyaar bana k rakhein, Milte hain jald. (I'm taking along so many beautiful memories with me. What a show it was—everyone was so lovely and so good, I can't even put it into words. On the last day, there was a different level of excitement, but it was also emotional knowing it was the final day of the shoot. But it's okay — you all have given so much love to our show, and for that, a heartfelt thank you Please keep showering your love like this always. See you soon!)

The actor was seen posing with host and Bollywood actress Sonali Bendre; host Munawar Faruqui; and participant celebrity couples Rubina Dilaik and Abhinav Shukla, Swara Bhaskar and Fahad Ahmad, Sudesh Lahiri and wife, Hina Khan and Rocky Jaiswal, newlyweds Avika Gor and Milind Chandwani, Debina Bonnerjee and Gurmeet Choudhary, and others.

Recently on the show, Abhishek Kumar and his ex-girlfriend and actress Isha Malviya were seen getting emotional and breaking down. The former couple, who have had a complicated and turbulent past, opened up about their relationship. A visibly disturbed Abhishek expressed his emotions and said, "I wish I hadn't made that mistake. I wish this wouldn't have happened." He added, "When you see yourself growing and improving gradually, you feel that God has done the right thing by separating us."His words reflected deep regret. Responding to him, Isha Malviya also got teary-eyed and said, "The matter has gone out of hand. There are a lot of things that have happened in the past. I am so sorry. I just, I know it's…" just before breaking down and being unable to continue to talk. For the uninitiated, Abhishek and Isha's relationship made headlines during their time on the reality show Bigg Boss 17.

Twinkle Khanna

Says 'Older People Are Better' At Hiding Affairs, Talks About 'Changing Partners'

Twinkle Khanna's opinions on cheating had caught everyone's attention recently. She was even trolled for normalising physical cheating during a segment on her show with Kajol, Two Much. Now, Twinkle has said that she believes that it's easier for older people to hide their affairs as they have had more experience.During a segment on Two Much, Twinkle Khanna, Kajol, Ananya Panday, and Farah Khan had to agree or disagree with this statement: older people are better at hiding their affairs than younger people. Twinkle, Farah and Ananya agreed with this notion, while Kajol was in disagreement.

Twinkle Khanna said, "Older people are much better, lots of practice." Kajol disagreed with the statement and shared, "I feel younger people are much better at hiding everything about their lives, affairs." However, Ananya opined that due to social media, "everything comes out anyway".The second statement was: Today's kids change their partners faster than they change outfits. While Twinkle was in agreement, Farah, Kajol and Ananya disagreed. Twinkle said, "It's a good thing because in our time, it was like, 'What will people say? We can't do this.' They are changing their partners quickly, and I think it's a good thing."

Ananya Panday said, "People have always been changing their partners. Earlier, it was a bit quiet." Twinkle added, "It's much easier for them because they have no baggage. They are like, 'This is not working. Let's move on quickly.'"

Previously, in a similar segment, Twinkle and Kajol had expressed that emotional infidelity was a bigger relationship dealbreaker than physical cheating as "raat gayi baat gayi". While Twinkle, Kajol and Karan Johar believed that physical cheating is not a dealbreaker in relationships, Janhvi Kapoor condemned both forms. Twinkle said, "She's young. She hasn't seen everything we've seen."Karan Johar opined, "I believe physical infidelity is not a deal breaker." Twinkle chimed in, "I mean raat gayi, baat gayi." Janhvi held her ground and said, "Nahi, nahi. Baat nahi jaati hai." Twinkle reiterated, "You are young."